मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.2	13.4
जमशेदपुर	27.1	13.6
डालटनगंज	26.4	10.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

शनिवार, 30 दिसंबर 2023 ● पौष कृष्णपक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 252

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने गिनाई सरकार की नाकामियां, कहा-

लोगों को मुद्दे से भटका रही हेमंत सरकार

संवाददाता। रांची

एक तरफ हेमंत सरकार 4 साल पूरा होने पर अपनी उपलब्धियां गिना रही है. वहीं दूसरी तरफ विपक्ष सरकार की कमियों को गिनाने में जुटी है. गुरुवार को बीजेपी ने सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया था. शुक्रवार को आजसू ने प्रेस वार्ता कर सरकार के चार साल का एक वीडियो रिपोर्ट जारी किया है. जिसमें सरकार की खामियां गिनाई है. सुदेश महतो ने कहा कि 1932 का राग अलापने वाली यह सरकार एक भी नौकरी नहीं दे सकी. सरकार ने नौकरी के लिए कोई भी नीति नहीं बना सकी. लोगों को केवल मुद्दे से भटकाने का काम कर रही है. जिस सरकार को काम करना होता है, काम करती है, न तो दूसरों पर आरोप मढती है और न ही इधर-उधर की बातें. सुदेश महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार ने झारखंड को 10 साल पीछे धकेल दिया है. 4 साल के कार्यकाल में सरकार ने केवल युवाओं को ठगने का काम किया है. आश्वासन पर सरकार चलती रही.

शुक्रवार को प्रेस वार्ता में सरकार की नाकामियों को गिनाते सुदेश महतो.

लचर कानून व्यवस्था पर भी सोरेन सरकार को घेरा

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने सरकार को लचर कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा. उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. सूबे के अलग-अलग हिस्सों में हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी की घटनाएं घट रही है. देश में सबसे अधिक अपराध होने वाले राज्यों की सूची में झारखंड टॉप 5 पर है, यह चिंतनीय है. केसों का निपटारा नहीं हो पा रहा है. दिनदहाड़े राजधानी में हत्या, लूट की वारदात हो जा रही है. जेल में हत्या हो जा रही है. पुलिस लकीर पीटते रह जा रही है.

शिक्षा की स्थिति बदहाल

सुदेश महतो ने कहा कि राज्य में शिक्षा की स्थिति बदहाल है. सरकार उत्कृष्ट विद्यालय खोल रही है, मगर बाकी स्कूलों में एक ही शिक्षक कई कक्षा के बच्चों को पढ़ा रहे हैं. राज्य में शिक्षकों के 90 हजार पद खाली हैं. इससे शिक्षा की बदहाल स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है. सरकार स्कूल-कॉलेज खोलने का वादा करके भूल गई.

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होऊंगा : सुदेश

आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो अयोध्या में रामजन्म भूमि पर बन रहे मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में शामिल हो सकते हैं. महतो ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उद्घाटन समारोह का आमंत्रण मिला है. अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है. 22 जनवरी को इसका उद्घाटन होगा और इसी दिन भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे. आजसू प्रमुख ने कहा, मैं अपने तय कार्यक्रमों के आधार पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होऊंगा. यह बहुत गर्व की बात है कि 500 साल बाद रामलला अपने घर में होंगे. इसलिए यह एक भव्य अवसर है और हर किसी को इसका हिस्सा बनना चाहिए. समय आने पर इस पर फैसला करेंगे कि वहां जाएंगे या नहीं. सुदेश महतो, झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन से इतर बात कर रहे थे.

सुदेश महतो ने कहा कि सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का तीसरा चरण चला रही है. मगर पिछले दो चरणों में क्या हुआ, इसका उन्हें पता ही नहीं है. अबुआ आवास हो या साइकिल योजना सरकार इसे उपलब्धि बता रही है, मगर इसका लाभ कितने लोगों को मिलेगा यह मायने रखता है. आवास की जरूरत हर पंचायत में हजारों लोगों को है, मगर सरकार की योजना का लाभ महज कुछ लोगों को ही मिल पायेगा. यह सच्चाई है.

आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल से की आरयू के कुलपति की शिकायत

संवाददाता। रांची

आजसू छात्र संघ ने रांची विवि के कुलपति की शिकायत राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से की है. रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में सूचना भवन में आवेदन दिया गया. शिकायत में कहा गया है कि पिछले एक साल पहले रांची विश्वविद्यालय की परीक्षा विभाग को निजी कंपनी एनसीसीएफ को दे दिया गया. रांची विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा कहा गया कि इस एजेंसी के आने के बाद परीक्षा विभाग में किसी भी तरह की कोई भी गड़बड़ी नहीं होगी.

CLASSIFIED

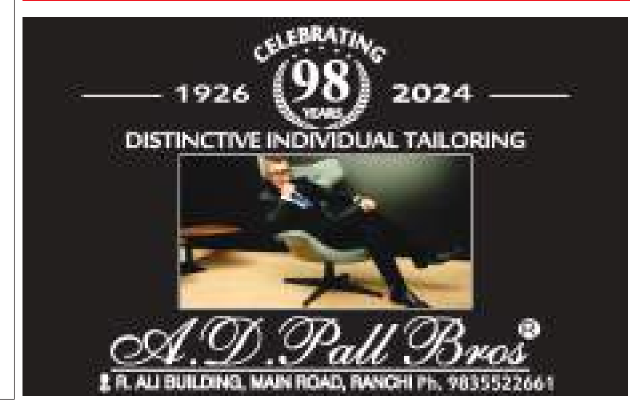

राज्य के 11 जिलों में 50 हजार से अधिक महिलाएं पढ़ी-लिखी नहीं

सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम में एक लाख से अधिक महिलाएं साक्षर नहीं

रवि भारती। रांची

झारखंड के 11 जिलों में 50 हजार से अधिक महिलाएं पढ़ी लिखी नहीं हैं. सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम में 110043 महिलाएं निरक्षर हैं. इसके अलावा गिरिडीह में 82043, बोकारो में 71490, गोड्डा में 71865, धनबाद में 63314, दुमका में 50221, गढ़वा में 50959, जामताड़ा में 51562, लातेहार में 51225, पश्चिमी सिंहभूम में 59277, साहिबगंज में 59707, सरायकेला-खरसांवा में 60272 महिलाएं पढ़ी लिखी नहीं हैं. इसका खुलासा नव भारत साक्षरता अभियान की रिपोर्ट में हुआ है. इस अभियान के जरीएये मार्च 2024 तक राज्य में सभी को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है. इसमें वैसे लोगों को भी शामिल किया जा रहा है जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी है.

अल्पसंख्यक वर्ग में 87 हजार पुरुष निरक्षर : अल्पसंख्यक वर्ग के 87 हजार पुरुष निरक्षर हैं. जबकि इसी श्रेणी में 1.97 लाख महिलाएं पढ़ी लिखी नहीं हैं. अनुसूचित जनजाति के 1.56 लाख पुरुष व 3.53 लाख महिलाएं साक्षर नहीं हैं. अनुसूचित जाति के 1.41 लाख पुरुष व 3.17 लाख महिलाएं निरक्षर हैं. सामान्य वर्ग में 1.41 लाख पुरुष व 3.13 लाख महिलाएं पढ़ी लिखी नहीं हैं.

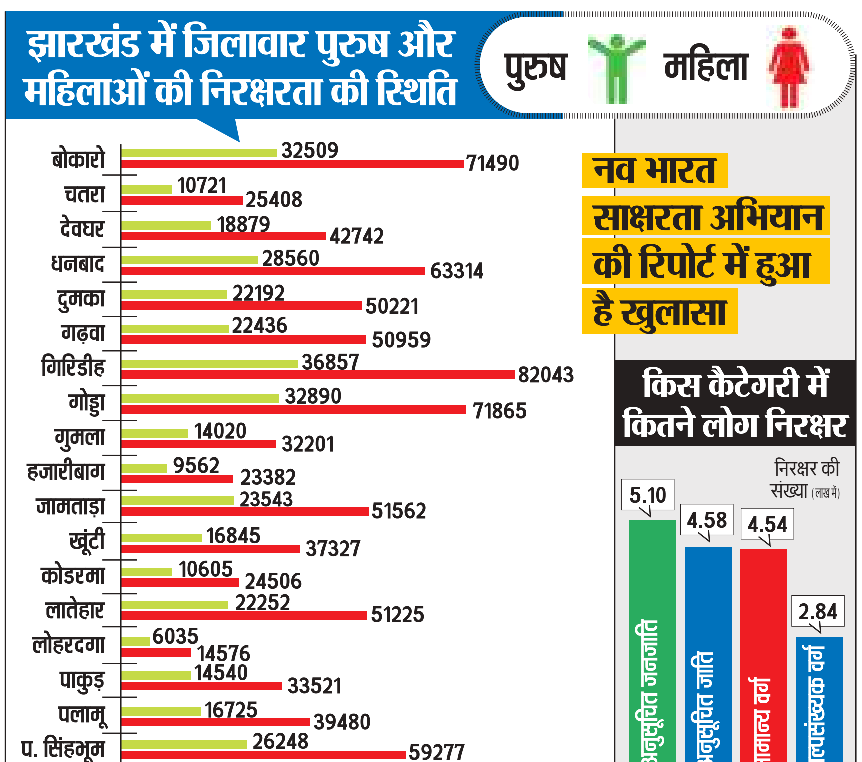

नव भारत साक्षरता अभियान का क्या है उद्देश्य

निरक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता व जीवन कौशल की दी जाएगी जानकारी पठन कौशल, लेखन कौशल, संख्यात्मकता और जीवन कौशल की दी जाएगी जानकारी वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, कानूनी साक्षरता से भी कराया जाएगा अवगत व्यावसायिक कौशल विकास, उपभोक्ता कौशल सहित अन्य कौशल की जानकारी दी जाएगी.

'सरकार की चौथी वर्षगांठ का जश्न आदिवासियों के साथ क्रूर मजाक'

प्रमुख संवाददाता। रांची

हेमंत सरकार की चौथे वर्षगांठ के जश्न को भाजपा ने आदिवासियों-मूलवासियों के साथ क्रूर मजाक बताया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि राज्य में महिला उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं. नौकरी मांगने वाले युवाओं पर लाठीचार्ज हुआ है. हक मांगने वालों को पीटा गया. सरकार 20 लाख नौकरियां देने का वादा पूरा नहीं कर सकी. 32 लाख किसानों का लोन माफी का वादा झूठा साबित हुआ. सरकार के भ्रष्ट आचारण के कारण आदिवासियों-मूलवासियों के चेहरे पर निराशा छाई है है. ऐसे में सरकार किस बात का जश्न मना रही है. प्रतुल शाहदेव ने कहा कि क्या यह 4 वर्षो का जश्न इसलिए मनाया जा रहा है कि 70 हजार करोड़ का घपला-घोटाला हुआ है और रिकॉर्ड संख्या में ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है.

ईमानदार अधिकारी सरकार के निशाने पर

प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में ईमानदार अफसरों की कोई पूछ नहीं होती है. इसका ताजा उदाहरण जेल अधीक्षक रॉबर्ट निशांत बेसरा का ट्रांसफर है. 6 दिन पहले ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर आशंका जता दी थी कि उनका ट्रांसफर कर दिया जाएगा, क्योंकि वे होटवार जेल में सत्ता के करीबों लोगों की सल्तनत नहीं चलने दे रहे हैं. उनकी आशंका सही साबित हुई और क्रिसमस के दिन जेल में छापा मारा गया और खाना के नमूने लिए गए. जबरदस्ती आरोप लगाया गया कि नमूना निम्न स्तर का था. होटवार जेल में जेल मैन्युअल लागू नहीं था, लेकिन निशांत बेसरा ने जैसे ही जेल मैन्युअल लागू किया, उनका ट्रांसफर कर दिया गया।

झारखंड कैडर के छह आईएएस सचिव रैंक में प्रोन्नत हुए

रांची। राज्य सरकार ने छह आईएएस अफसरों को सचिव रैंक में प्रोन्नति दी है. वहीं आठ आईएएस अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रोन्नति दी गई है. सेक्रेटरी रैंक में प्रमोशन पाने वाले अफसरों में चंद्रशेखर, जीतेंद्र कुमार सिंह, कमलेश्वर प्रसाद सिंह, यतींद्र प्रसाद, चंद्रकिशोर उरांव और सुनील कुमार के नाम शामिल हैं. वहीं आठ अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रोन्नति दी गई है. प्रोन्नति पाने वाले अफसरों में माधवी मिश्रा, अनन्य मित्तल, आदित्य रंजन, रामनिवास यादव, विजय नारायण राव, आर रॉनिटा, नमन प्रियेश लकड़ा और अंजली यादव के नाम शामिल हैं. कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है.

झारखंड कैडर के छह आईएएस को मिला प्रमोशन

रांची। राज्य सरकार ने छह आइएएस अफसरों को प्रोन्नति दे दी है. प्रोन्नति पाने वालों अफसरों रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, दुमका डीसी ए डोडे, डीसी पूर्वी सिंहभूम मंजूनाथ भजंत्री, परियोजना निदेशक झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसाइटी रांची नेल्सन ए बागे, निदेशक समाज कल्याण शशि प्रकाश झा के नाम शामिल हैं. इन्हें लेवल 13 रैंक में प्रोन्नति दी गयी है. प्रोन्नति का लाभ एक जनवरी 2024 से मिलेगा.

मिल चुका है लोक सेवा के लिए स्कोच पुरस्कार

कल रिटायर होंगे विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह

प्रमुख संवाददाता। रांची

इस साल 31 दिसंबर को विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह रिटायर हो जाएंगे. अरुण कुमार सिंह स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति, खान सहित कई महत्वपूर्ण विभागों में योगदान दे चुके हैं. बताते चलें कि जनसेवा के लिए स्कोच अवार्ड से सम्मानित भी किया जा चुका है. यह पुरस्कार स्कोच ग्रुप द्वारा प्रदान किया गया है. वहीं 2024 में मुख्य सचिव रैंक सहित 23 अफसर रिटायर हो जाएंगे.

- 2024 में मुख्य सचिव रैंक सहित 23 अफसर हो जाएंगे रिटायर

अगले दो महीने में 8 आइएएस हो जाएंगे रिटायर : अगले दो महीने के अंदर आठ आइएएस रिटायर हो जाएंगे. इनमें कमलेश्वर प्रसाद, यतींद्र प्रसाद, सुनील कुमार, राजीव रंजन मिश्रा, अनिल कुमार सिंह, इंदू रानी, दशरथ चंद्र दास और संजय बिहारी अंबष्ठ के नाम शामिल हैं.

कौन अफसर कब होंगे रिटायर

नाम	कब होंगे रिटायर		
		आलोक त्रिवेदी	31-08-2024
अरुण कुमार सिंह	31-12-2023	संजय सिन्हा	31-05-2024
एल खिंगाग्ते	31-10-2024	अनिल कुमार सिंह	29-02-2024
एमएस भाटिया	30-09-2024	इंदू रानी	31-01-2024
एसकेजी रहाटे	30-04-2024	दशरथचंद्र दास	29-02-2024
सुरेंद्र सिंह	30-06-2024	गायत्री कुमारी	31-03-2024
राजीव अरुण एक्का	31-03-2024	संजय बिहारी अंबष्ट	31-01-2024
कलेश्वर प्रसाद	31-01-2024	अंजनी दूबे	30-04-2024
यतींद्र प्रसाद	30-01-2024	अमित प्रकाश	31-12-2024
चंद्रकिशोर उरांव	31-05-2024	अरविंद कुमार	29-02-2024
सुनील कुमार	31-01-2024	राजू रंजन रॉय	31-12-2024
रवि रंजन मिश्रा	31-01-2024	अनिल कुमार	30-06-2024

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More

Book your CLASSIFIED ADS IN हिन्दी दैनिक शुभम संदेश एक राज्य-एक अखबार

Contact : 9835511272, 9905709361

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

आदिवासियों और दलितों को हेमंत सरकार का **बड़ा तोहफा**

www.lagatar.in | शनिवार, 30 दिसंबर 2023 ● पौष कृणपक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ [illegible] ● वर्ष : 1, अंक : 252 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सरकार के चार साल पूरे होने पर समारोह का आयोजन, सीएम ने की कई घोषणाएं

50 की उम्र से ही मिलेगी पेंशन

हेमंत सरकार के 4 वर्ष

कहा- ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी

कौशल आनंद/सत्यशरण मिश्रा। रांची

हेमंत सरकार के गठन की चौथी वर्षगांठ पर शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान में समारोह हुआ. इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन ने जहां सरकार की उपलब्धियों को गिनाया, वहीं विपक्ष पर खजाने को लूट कर गरीब बनाने का अरोप लगाया. एक बार फिर उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड से सौतेला व्यवहार करने का अरोप लगाया. सीएम ने इस मौके पर 1134 को सरकारी नियुक्ति पत्र सौंपा. वहीं 3698.33 करोड़ की 323 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया, जबकि 849.37 करोड़ रुपए की 20 योजनाओं का उद्घाटन किया. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कई लाभुकों को परिसंपत्ति का वितरण किया. सीएम ने एक अहम घोषणा भी की. कहा कि अब झारखंड में आदिवासियों और दलितों को वृद्धावस्था पेंशन 60 नहीं बल्कि 50 वर्ष की उम्र से मिलेगी. केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के 8 लाख चिन्हित आवास की राशि हम मांगते रह गए. केंद्रीय नेताओं से मिले, चिट्ठी लिखी. मगर मेरे हिस्से का पीएम आवास यूपी को दे दिया. अब कहते हैं कि हमारी सरकार बनेगी, तो सभी पीएम आवास देंगे. यह ब्लैकमेलिंग हमारे लोगों के साथ नहीं चलेगी. इसलिए हमने खुद से अबुआ आवास योजना देने का फैसला लिया. अभी जो चिन्हित हैं उन्हें तो पक्का आवास मिलेगा ही मगर आने वाले दिनों में अगर इसकी मांग और बढ़ती है, तो हम उसे भी आवास देंगे.

» **4547** करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

» **1134** को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र सौंपा

केंद्र पर सौतेला व्यवहार का आरोप, झारखंड कोटे का पीएम आवास यूपी को दे दिया

राष्ट्रपति के दौरे के वक्त बिजली काट कर छवि खराब करने की कोशिश की

सीएम ने कहा,हमारी जमीन, कोयला, हमारा संसाधन, मगर हमें बिजली नहीं मिलती. डीवीसी बकाया रहने पर बिजली काट देता है. यहां तक कि राष्ट्रपति के दौरे के समय भी केंद्र के इशारे पर वह बिजली काट कर राज्य की छवि को खराब करने का प्रयास करता है. चिंता मत करें, डेढ़ साल बाद आपकी बिजली की जरूरत नहीं होगी. आप अपनी बिजली अपने पास रखें. हम डीवीसी कमांड एरिया में अपना नेटवर्क सिस्टम (ट्रांमिशन-डिस्ट्रब्यूशन) तैयार कर लेंगे. हम खुद बिजली सप्लाई करेंगे.

1932 पर विपक्ष को सांप सूंघ जाता है ये नहीं चाहते स्थानीय को नौकरी मिले

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति की बात आती है, उन्हे सांप सूंघ जाता है. आधे मन से एक ओर सदन में इसका समर्थन करते हैं, फिर बाहर के लोगों के जरिए कोर्ट-कचहरी में जाकर इसे फंसाते हैं. राज्यपाल को जाकर कान भरते हैं. दरअसल विपक्ष चाहता ही नहीं है कि स्थानीयों को नौकरी मिले. मगर हम पीछे हटने वालों में से नहीं है. यह सरकार जो कहती है, करके दिखाती है.

डबल इंजन की सरकार ने 1.50 लाख राशन कार्ड डिलीट कर दिया

सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने डेढ़ लाख राशन कार्ड डिलीट कर दिए. गरीब हाथ में राशन कार्ड लेकर भूख से मर गए. हमने 20 लाख नए राशन कार्ड बनाए. बाजार से मंहगे दाम पर खरीद कर राशन दे रहे हैं. हमने एफसीआई से राशन खरीदने का आवेदन दिया मगर केंद्र सरकार ने हमे राशन नहीं दिया.अब हम बाजार से महंगे दाम पर खरीद कर राशन दे रहे हैं. पहले तो हमारा 1.36 हजार करोड़ बकाया को मानते ही नहीं थे. मगर अब जब सच सामने आ गया तो अब धीरे से सिर हिला कर स्वीकार करते हैं, मगर देते नहीं हैं.

यह वीरों और शहीदों की धरती, पीठ दिखा कर भागनेवालों में नहीं

सीएम ने कहा कि यह वीरों और शहीदों की धरती है. राज्य गठन के लिए अनेक लोगों ने प्राणों की आहूति दी. हम पीठ दिखाकर भागने वाले नहीं है. जब यह राज्य बना तो भूखा-नंगा नहीं बना. खजाना भरके अलग हुआ. मगर विपक्ष ने इस पैसे से जेबे भरीं. गरीब राज्य और गरीब होता चला गया. इस राज्य को कंगाल बनाने का काम विपक्ष ने किया. हमारी सरकार बनी तो ड़ेढ साल आपदा में गुजर गए. जब काम पर लौटने लगे तो सरकार को डिस्टर्ब करने का काम किया. मगर हम डटे रहे, अडे रहे और राज्य की बुनियाद को मजबूत करने में जुट गए. परिणाम सबके सामने है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,600
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

सुकन्या योजना की ब्याज दर में 0.2% बढ़ी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दर को अब 8.2% कर दिया गया है, जबकि तीन साल की डिपॉजिट को बढ़ाकर 7.1% कर दिया है. पहले सुकन्या योजना का ब्याज 8% और तीन साल की टीडी का ब्याज 7.1% था. शुक्रवार को सरकार ने जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए सुकन्या, 3 साल की डिपॉजिट जैसी छोटी बचत योजना की ब्याज दर बढ़ा दी है. वहीं कई स्कीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

कोविड के 797 नए मामले, 5 की मौत

नयी दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 797 नए मामले सामने आए तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,091 दर्ज की गई. देश में इस साल 19 मई के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना वायरस संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी.

100 ट्रैक्टर बालू रोजाना माफिया ओडिशा भेज दे रहे

खरकाई व तोरलो नदी से हो रहा उठाव

सुकेश कुमार। चाईबासा

नदियों का अस्तित्व खतरे में है. बालू माफिया और अफसरों के गठजोड़ से दिन-रात खरकाई व तोरलो नदी से अवैध रूप से बालू खनन किया जा रहा है. जिले का खनन विभाग अवैध बालू के खनन, तस्करी समेत ढुलाई रोकने में पूरी तरह विफल है. जिम्मेदार अफसर एयरकंडीशनर चैंबरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं. इससे दिनदहाड़े तांतनगर प्रखंड के पंचायत कोकचो इलिगड़ा व कुलाबुरू स्थित खरकाई नदी व चिटिमिटी के तोरलो नदी से रोजाना सुबह से दिन भर 100 से भी ज्यादा ट्रैक्टरों से बालू का अवैध कारोबार किया जा रहा है. इससे सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है.

सात वर्षों से जिले में अवैध रूप से बालू का हो रहा खनन : एंटी करप्शन ऑफ इंडिया के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामहरि गोप ने उपायुक्त अनन्य मित्तल को ट्वीट कर इसकी शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने बताया कि कि विगत सात वर्षो से जिला में अवैध बालू का खनन चल रहा है. अवैध कारोबार क्षेत्र के प्रशासन के संरक्षण में कि जा रही है. इससे मोटी रकम कि वसुली हो रही हैं. मार्केट में बालू माफियाओं के द्वारा लगातार बालू का दम बढ़ाने के कारण आम आदमी को बालू खरीदने में काफी मुश्किल हो जाता है.

अवैध बालू के कारोबार में लगे ट्रैक्टर.

- उपायुक्त को रीट्वीट कर कार्रवाई की मांग की
- बालू की तस्करी से नदियों का अस्तित्व खतरे में

रामहरि गोप @Ramharigope1 · 51m

तांतनगर इलिगड़ा गैड़ासाई कुलाबुरु खरकाई और तोरलो नदी के चिटिमिटि से दिनदहाड़े अवैध तरीके से बालू का कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है प्रशासन मौन जिससे पर्यावरण पर विपरीत असर के साथ ही राज्य सरकार को राजस्व में काफी क्षति हो रही है @DC_Chaibasa संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई की जाए

सरकार की गलत नीतियां भी जिम्मेदार

सरकार की गलत नीतियों के कारण भी बालू के अवैध खनन और परिवहन को बढ़ावा मिल रहा है. वर्षों से बालू घाटों का टेंडर नहीं हो रहा. न ही घाटों पर ग्राम सभा का अधिकार सुनिश्चित किया जा रहा. पहले ग्राम सभा को अधिकार देकर या टेंडर के माध्यम से बालू खनन का कार्य होता था. इससे न केवल घाटों पर निगरानी रखी जाती थी, बल्कि सरकार को राजस्व भी प्राप्त होता था.

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में अपनाया जाएगा सिमडेगा मॉडल

सीटी बजाओ, स्कूल बुलाओ..शुरू होगा

- स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और ड्रॉपआउट बच्चों को वापस लाने की कोशिश होगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

शिक्षा परियोजना परिषद राज्यभर के सरकारी स्कूलों में सीटी बजाओ, स्कूल बुलाओ अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है. इसके जरिए स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने और ड्रॉप आउट बच्चों को वापस लाने का प्रयास होगा. शिक्षा सचिव के रविकुमार खुद इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

शिक्षा विभाग की ओर से सिमडेगा में सीटी बजाओ, उपस्थिति बढ़ाओ अभियान चल रहा है. इससे सिमडेगा के स्कूलों में बच्चों की अटेंडेंस बढ़ रही है और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास हो रहा है. इसे देखते हुए विभाग ने अब इस कार्यक्रम को राज्यभर में लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है. -शेष पेज 12 पर

क्या है सीटी बजाओ अभियान

अभियान में गांव-टोले के एक-एक बच्चे को सीटी दी जाती है और उसे 20 से 25 बच्चे को स्कूल लाने की जिम्मेदारी दी जाती है. सुबह 8 बजे स्कूल जाने के दौरान मॉनिटर के नेतृत्व में स्कूली बच्चे स्कूल ड्रेस पहन कर सीटी बजाते हुए स्कूल जाते हैं, जिससे लोगों को पता चल जाता है कि स्कूल खुला है और उन्हें अपने बच्चो को भी स्कूल भेजना है. सीटी अलार्म का काम करती है, जिससे लोगों के साथ बच्चे भी तैयारी में लग जाते हैं. छात्र सीटी बजाते हुए उन घरों से गुजरते है, जहां के बच्चे स्कूल में पढ़ाई कर रहे. अपने साथी को साथ लेते हुए ये बच्चे स्कूल जाते है, जिससे स्कूलों में उपस्थिति बढ़ी है. इससे बच्चे अभिभावकों से स्कूल बंद होने जैसा बहाना नहीं बना पाते हैं.

आजसू नेता ने भाई को मारी गोली, गिरफ्तार

संवाददाता। लोहरदगा

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव ने अपने भाई को गोली मार दी. यह घटना गुरुवार देर रात जिले के शहरी क्षेत्र के रघुनंदन लेन में हुई है. यहां आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल ने अपने छोटे भाई चंदन अग्रवाल उर्फ टीनू अग्रवाल को गोली मार दी. घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को मिली. जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया. घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है.

क्या है मामलाः आजसू नेता द्वारा फायरिंग की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि रघुनंदन लेन निवासी स्वर्गीय संतोष अग्रवाल के पुत्र सूरज अग्रवाल का उनके छोटे भाई टीनू अग्रवाल उर्फ चंदन अग्रवाल के बीच किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था. गुरुवार देर रात विवाद काफी बढ़ गया. जिसके बाद सूरज अग्रवाल ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से चंदन अग्रवाल को गोली मार दी.

बदलाव — जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सबकुछ पटकथा के मुताबिक ही हुआ

ललन सिंह का इस्तीफा, नीतीश जदयू के अध्यक्ष निर्वाचित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार के सीएम नीतीश कुमार को शुक्रवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जदयू का अध्यक्ष चुना गया. इस बैठक में विपक्षी दलों को एक साथ लाने और जातिगत जनगणना की मांग की अगुवाई करने में उनकी भूमिका की सराहना की गई. जदयू के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि ललन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और नीतीश कुमार को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकार कर लिया गया. त्यागी ने कहा, राष्ट्रीय परिषद ने फैसले को अनुमोदित कर दिया.

पार्टी के नेता ललन से थे नाखुश : जदयू 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है. सूत्रों ने बताया कि कुमार के साथ हाल में हुई बातचीत में पार्टी के कई नेताओं ने सिंह की नेतृत्व शैली की आलोचना की थी. सूत्रों ने बताया कि कुमार ने कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने के इच्छुक नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों के फैसले का पालन करेंगे. सदस्यों ने हाथ उठा कर नीतीश के अध्यक्ष बनने का समर्थन किया. पार्टी के कई उत्साही सदस्यों ने अपने नेता को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करते हुए कार्यक्रम स्थल पर नारे भी लगाए.

बोले नीतीश- ललन ने इस्तीफा दिया, मैंने स्वीकार कर लिया

बैठक समाप्त होने के बाद सिंह और त्यागी की मौजूदगी में नीतीश कुमार ने कहा, ललन सिंह ने इस्तीफा दे दिया है. हमने पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद को स्वीकार कर लिया है. सिंह ने यहां बंद कमरे में हुई कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष पद छोड़ दिया और कुमार के नाम का प्रस्ताव करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इस महत्वपूर्ण मोड़ पर पार्टी को उनके नेतृत्व की आवश्यकता होगी, जबकि वह खुद अपना चुनाव लड़ने में व्यस्त होंगे. वह वर्तमान में लोकसभा में मुंगेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं. देर शाम पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अध्यक्ष पद सहित कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए फैसलों का अनुमोदन कर दिया गया. सूत्रों ने कहा कि पार्टी के भीतर प्रमुख नेताओं का मानना था कि कुमार को 2024 में लोकसभा चुनावों से पहले इस महत्वपूर्ण समय में संगठन की कमान संभालनी चाहिए.

लालू से नजदीकी ललन को भारी !

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

● त्वरित टिप्पणी

अंततः राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देना ही पड़ा. पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के पूर्व इनके तनावपूर्ण चेहरे ही बता रहे थे कि बैठक में कुछ न कुछ गड़बड़ होगा. इस्तीफे की अटकलें बिहार के सियासी गलियारों में पिछले तीन-चार दिनों से चल ही थी. दरअसल नेतृत्व परिवर्तन की यह पटकथा अचानक नहीं लिखी गयी. इसकी तैयारी पहले से चल रही थी. नीतीश और लालू प्रसाद के बीच संबंध बेहतर नहीं चल रहे हैं. सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम तेजस्वी के भी हाल के दिनों में एक मंच पर नहीं दिख रहे थे. दोनों के बीच बढ़ती कटुता ने ललन सिंह को लालू दरबार में पैर पसारने का मौका दे दिया. नीतीश कुमार और ललन सिंह के बीच पिछले कुछ महीनों से रिश्ते बेहतर नहीं थे. इसके पीछे का बड़ा कारण लालू और ललन के बीच बढ़ती नजदीकियों को माना जा रहा है. -शेष पेज 12 पर

केंद्र सरकार ने उल्फा के साथ किया शांति समझौता

एजेंसी। नयी दिल्ली

यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता समर्थक गुट ने हिंसा छोड़ने, संगठन को भंग करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने पर सहमति व्यक्त करते हुए शुक्रवार को केंद्र और असम सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में यहां समझौते पर हस्ताक्षर किये गये. शाह ने कहा कि यह असम के लोगों के लिए बड़ा दिन है. असम लंबे समय तक उल्फा की हिंसा से त्रस्त रहा और वर्ष 1979 से अब तक 10 हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी. उन्होंने कहा कि असम का सबसे पुराना उग्रवादी संगठन उल्फा हिंसा छोड़ने, संगठन को भंग करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने पर सहमत हुआ है. समझौते के तहत असम को बड़ा पैकेज दिया जाएगा. समझौते के प्रत्येक खंड को लागू किया जाएगा. अब असम में हिंसा की घटनाओं में 87%, मौत के मामलों में 90% और अपहरण में 84% की कमी आई है. सीएम शर्मा ने समझौते को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह समझौता पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह के नेतृत्व के कारण संभव हो सका है. अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व वाले उल्फा और सरकार के बीच 12 साल तक बिना शर्त हुई वार्ता के बाद समझौते पर हस्ताक्षर किये गये.

बोले शाह

- असम में शांति के लिए यह बहुत बड़ा दिन है
- समझौते की एक-एक बात अक्षरशः लागू होगी

ब्रीफ खबरें

कोहरे के कारण वाहन चालकों को हुई परेशानी

रामगढ़ । रामगढ़ कोहरे के चादर से लिपटा हुआ है. इससे वाहनों के परिचालन में लोगों को खासी परेशानी हुई. विजिबिलिटी कम होने के कारण गाड़ियां अपनी पार्किंग लाइट जला कर चलती हुई देखी गईं. इस दौरान लोग घाटियों का आनंद लेने निकले तो कुछ लोग रेलवे ट्रैक और घाटियों में सेल्फी लेते हुए नजर आए. रामगढ़ बस स्टैंड में पहुंचे वाहन चालकों ने कहा कि रांची से खुली बस को रामगढ़ पहुंचने में अमूमन एक घंटे का समय सुबह में लगता है, लेकिन कोहरे की वजह से उन्हें लगभग पौने दो घंटे लगे. इसके अलावा लोकल ट्रेकर और छोटी गाड़ियों के चालकों ने भी वाहन परिचालन में हुई परेशानी का अनुभव किया.

सरकारी जमीन पर कब्जा करने में लगे भू -माफिया

रामगढ़ । शहर के गोलपार में सरकारी जमीन पर कब्जा करने की तैयारी एक बार फिर भू माफियाओं ने शुरू कर दी है. इस बार की रणनीति क्या होगी इससे अभी आम नागरिक अनजान हैं. लेकिन कुछ भू माफिया अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर ग्रीन गोला की जमीन की चारदीवारी करने की बात कर रहे हैं. भू माफियाओं ने उस सरकारी जमीन पर सीमेंट का पिलर रख दिया है. भू माफिया जिस तरह से फिर सक्रिय हुए हैं इसकी भनक जनप्रतिनिधियों को भी लगी है. आम नागरिक भी इस बात से चौंक गए हैं कि जिस जमीन को लेकर अधिकारियों ने रिपोर्ट बनाकर पेश की थी.

उपायुक्त ने लोगों को दी नववर्ष की शुभकामनाएं

रामगढ़ । नव वर्ष 2024 के अवसर पर उपायुक्त चंदन कुमार ने सभी जिलेवासियों को शुभकामनाएं दी. उपायुक्त ने कहा है कि वर्ष 2023 की तरह ही 2024 में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर जिले का विकास किया जाएगा. वहीं उन्होंने सभी जिलावासियों से भी रामगढ़ जिले के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील की. कहा कि वर्ष 2023 में जिले के विकास के लिए डीएमएफटी के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत की 320 योजनाओं का चयन किया गया. वहीं वर्ष 2024 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 45 करोड रुपए की 120 योजनाओं के चयन के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है.

पार्टी मजबूती से लड़ेगी अब चुनावः अर्जुन मेहता

हजारीबाग । जनता दल यूनाइटेड राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है. झारखंड प्रदेश सचिव सह बरकट्ठा विधानसभा प्रभारी अर्जुन कुमार मेहता ने कहा कि आने वाला 2024 में लोकसभा का चुनाव पार्टी मजबूती से लड़ेगी. कहा कि इसमें संगठन और धारदार होने वाला है. जिसकी शुरुआत झारखंड के धरती पर रामगढ़ जिला में 21 जनवरी को होगी. उस दिन चुनावी बिगुल बज जाएगा. वहीं इंडिया गठबंधन को एकजुट करके भाजपा हटाओ देश बचाओ का नारा बुलंद किया जाएगा.

महंगाई अब कम करे सरकारः कृष्ण किशोर

रामगढ़ । देश की जनता इन दिनों महंगाई से परेशान है. सबसे ज्यादा परेशानी मिडिल वर्ग और निम्न तबके के लोगों को हो रहा है. देश के 80 प्रतिशत लोगों को पौष्टिक भोजन का नसीब नही होता है. कितने लोग तो भूखे सोने पर विवश हैं. उक्त बातें भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण किशोर ने कहा. किशोर ने पोस्टर दिखा कर सरकार से महंगाई कम करने का अपील किया. उन्होंने कहा कि हमारे देश का बजट 45 लाख करोड़ का है. लेकिन गरीबों को महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ही मिला है. बाकी मलाई गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी जैसे लोग खा रहे है. पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, कपड़ा, खाद्य पदार्थ, मशीनरी सामान, मोबाइल रिचार्ज सब महंगा कर दिया गया है.

तिलैया डैम में नववर्ष पर उमड़ी सैलानियों की भीड़

संवाददाता। चंदवारा (कोडरमा)

जिला मुख्यालय से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तिलैया डैम जो कि प्रकृति की गोद में बसा है, वहां नव वर्ष पर सैलानियों की काफी भीड़ देखने को मिली. बता दें कि तिलैया डैम में अति मनमोहक व खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है. जिस कारण डैम पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

तिलैया डैम की प्राकृतिक सुंदरता को देख लगता है मानो कुदरत ने स्वयं अपने हांथों से इस जगह को संवारा है. कोडरमा जिले का सुप्रसिद्ध तिलैया डैम है, जहां हमेशा सैलानियों की भीड़ लगती है. यहां पर सैलानी लोग पिकनिक मनाने के लिए बिहार, बंगाल और ओडिशा सहित झारखंड के लोग आते हैं. यहां पर सैलानी बोटिंग के साथ-साथ हसीन वादियों एवं जल की कल-कल धाराओं का मजा उठाते हैं. खास कर दिसम्बर और जनवरी माह में सैलानियों की काफी भीड़ होती है. इस जगह पर बच्चों के लिए चिल्ड्रेन पार्क है. तिलैया डैम में जलाशय के बीचों बीच चेचरो पार्क है जो पर्यटकों को अपने ओर आकर्षित करता है. वहां पहुचने के लिए पर्यटकों को बोट की सवारी करनी पड़ती है. इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा स्टीमर एवं डबल डेकर बोट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. यहां आने वाले सैलानी वोटिंग का भरपूर आनंद उठाते हैं. दूर दराज से आने वाले सैलानियों को ठहरने के लिए सर्किट हाउस भी बनाया गया है. वहीं तिलैया डैम के बगल मे सैनिक स्कूल है, जो तिलैया डैम की खूबसूरती में और भी चार चांद लगा देती है. वहीं भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सैलानियों की सुरक्षा के लिए यहां पुलिस बल के जवानों को भी तैनात किया जाता है.

पहुंचे पर्यटक

- कोडरमा का तिलैया डैम लुभा रहा सैलानियों को
- यहां बिहार और बंगाल से लोग पिकनिक मनाने आते हैं

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- कंप्यूटर का हिंदी नाम क्या है – **संगणक**
- दाग प्रणाली किस शासक ने शुरू किया था – **अलाउद्दीन खिलजी**
- पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – **एनीमोमीटर**
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – **रांची**
- इलाहाबाद का किला किसने बनवाया था – **अकबर**
- बंगाल केसरी किसे कहा जाता है – **आशुतोष मुखर्जी**
- अरुणाचल प्रदेश की स्थापना किस साल हुई थी – **1987**
- विश्व का सुप्रसिद्ध ग्रेनाइट का मंदिर कहां स्थित है – **तंजौर**
- भारत का नेपोलियन किसे कहा जाता है – **समुद्रगुप्त**
- गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था – **विष्णुगुप्त**

कोयले की तस्करी पर लगाम नहीं लगा पा रहा प्रशासन व सीसीएल

चरही में चरम पर पहुंची कोयले की अवैध तस्करी

संवाददाता । चरही

विगत वर्ष तापिन साउथ एवं तापिन नॉर्थ कोलियरी में अवैध खनन के दौरान लगभग तीन लोगों की जान चली गई थी. इस पर प्रशासन को सतर्क रहना चाहिए था. लेकिन दुर्घटना के बाद भी कोयले की अवैध तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है. बताया जाता है कि यहां कोयले का काला खेल तीन चरणों में होता है. चरही, आंगो व चुरचू थाना क्षेत्र से कोयला का अवैध धंधा वर्षों से चला आ रहा है. पहले चरण में बंद पड़े खदान या चालू खनन क्षेत्रों से एक गिरोह के सदस्य कोयला को एक स्थान पर एकत्रित करते हैं. दूसरे गिरोह के सदस्य एकत्रित कोयले को मोटरसाईकिल, पिकअप व ट्रैक्टर पर लोड कर गिरोह के संचालक के पास (हार्डकॉक भट्ठा या कोयला डीपू) पहुंचाते हैं. जहां से गिरोह का संचालक ट्रकों पर लोड कर इसे बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश भेजता है.

इसके लिए अलक खेल किया जाता है. राज्य के बाहर अवैध कोयला को वैध तरीके से भेजने के लिए फर्जी चालान भी तैयार किया जाता है या एक ही चालान के माध्यम से कई वाहन अवैध तरीके से बाहर भेजे जाते हैं. कोयले के अवैध कारोबार में चरही कोयलांचल क्षेत्र में हजारों लोगों के जुड़े रहने का अनुमान है. बताया गया है कि हाल के वर्षों में कोयले के अवैध कारोबार में जुड़े लोगों की संख्या बढ़ी है. प्रतिदिन दिहाड़ी मजदूरी करने वाले, राजमिस्त्री और ठेला-खोमचे वाले कई लोग अब अपने मूल काम को छोड़कर इस धंधे में लग गए हैं.

कोयले के अवैध कारोबार से जुड़ने का मुख्य कारण ये है कि प्रतिदिन उन्हें 8 घंटे मजदूरी करने पर 300 से 350 रुपये की दिहाड़ी मिलती है. लेकिन कोयले के धंधे में सिर्फ तीन घंटे ही काम करना पड़ता है. रात 10 बजे से लेकर 1 बजे तक मोटरसाईकिल, पिकअप वा ट्रैक्टर पर कोयला लोड कर गंतव्य तक पहुंचाने पर 100 रुपये प्रति बोरी मिल जाता है. जाहिर है यह उनके लिए अधिक फायदेमंद होता है.

बता दें कि चरही कोयलांचल क्षेत्र में कोयले के अवैध उत्खनन का केंद्र मुख्य रूप से तापिन साउथ, नॉर्थ और परेज है. जहां से प्रतिदिन सैकड़ों मोटरसाईकिलों की मदद से कोयले को लोड कर ले जाया जाता है. इसके अलावा 14 माईल रेलवे साइडिंग से भी कोयला की चोरी भारी मात्रा में हो रही है. तस्करों का सबसे सुरक्षित जगह इंद्रा एवं रेलवे साइडिंग बताया जाता है, जहां छोटी बड़ी अनेकों वाहन से कोयले का अवैध कारोबार किया जाता है. सूत्रों की मानें तो अवैध कोयला कारोबार के लिए इंद्रा गढ़ माना जाता है. यह उनके लिए दूसरों के मुकाबले अधिक सुरक्षित है.

प्रशासन मौन

- विगत वर्ष तापिन में तीन लोगों की जान चली गई थी
- यहां कोयले का काला खेल तीन चरणों में होता है
- आंगो में वर्षों से चल रहा है कोयले का अवैध कारोबार

अवैध खनन में कई लोगों की जान भी चली जाती है

बताया जाता है कि कोयला के अवैध उत्खनन के दौरान कई लोगों की जान भी चली जाती है. लेकिन सबसे बड़ी विडंबना है कि अवैध खनन में अपने परिवार के सदस्यों को खोने वाले लोग भी चुप्पी साध लेते हैं. हादसे में मरने वाले कोयले के ढेर में ही दफन हो जाते हैं या फिर परिवार के सदस्य शव को निकालने के बाद चोरी-छिपे अंत्येष्टि कर देते हैं. ऐसा इसलिए होता है कि कोयला चोरी करने पर खनन कंपनियों की ओर से उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है. विगत वर्ष में तापिन परियोजना क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में अवैध कोयला खनन के क्रम में कई लोगों की मौत हो गई है. वहीं वन विभाग के टीम ने बीते रात को थाना क्षेत्र के चरही के ताराटांड़ सहित विभिन्न जगहों पर छापा मारकर कई ट्रैक्टर एवं वाहनों को जब्त किया था, जो अवैध खनन के कारोबार को उजागर करता है.

एक जनवरी से साइट कार्यालय में करेंगे तालाबंदी और धरना- प्रदर्शन

संवाददाता। बड़कागांव

बड़कागांव अंतर्गत ओएनजीसी कंपनी के साइट पर ग्रामीण 1 जनवरी से तालाबंदी और धरना देने जा रहे हैं. इस बाबत स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी जानकारी जिले के डीसी, एसपी, एसडीओ, बड़कागांव थाना प्रभारी, बीडीओ और कंपनी को लिखित रूप से दिया है.

दरअसल पूरा माजरा यह है कि स्थानीय ग्रामीणों की बहाली सुरक्षा गार्ड के रूप में किया गया था. लेकिन अब होमगार्ड के जवानों का सेवा साइट पर लिया जा रहा है. जिससे आहत होकर ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता अपना लिया है. सुरक्षाकर्मियों का कहना है कि वे लोग विगत सात वर्षों से काम करते आ रहे हैं. इन 7 सालों में कभी बोनस या एरियर नहीं दिया गया. ऐसे में ग्रामीण किसी भी कीमत में होमगार्ड के जवानों को यहां पर ड्यूटी करने नहीं देंगे, क्योंकि उनकी जमीन गई है. यही नहीं समय पर वेतन का भुगतान किया जा रहा है. कंपनी आश्वासन देकर सुरक्षाकर्मी से काम ले रही है. लेकिन विगत कुछ महीनों से कंपनी आश्वासन देकर नौकरी से हटाने का प्रयास कर रही है. बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत ओएनजीसी के अधीनस्थ कंपनी प्रभा एनर्जी विगत 7 वर्षों से काम कर रही है. इसके पहले ओएनजीसी खुद काम कर रही थी. भू रैयतों का कहना है कि जब से प्रभा एनर्जी कार्य कर रही है तभी से ही रैयतों को सुरक्षा गार्ड के नौकरी से हटाया जा रहा है. कंपनी का कहना है कि मामला संज्ञान मे आया है. सरकार का जो दिशानिर्देश होगा उसे पालन किया जाएगा. मौके पर साइट के कई सुरक्षाकर्मी शामिल हुए.

ट्रक पलटा, बाल-बाल बचा चालक

कोडरमा। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेघातरी कालीमंडा के समीप अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा, जिसमें चालक बाल-बाल बचा. मिली जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या बीआर 06 जीए 3921 कोयला डस्ट लेकर कोडरमा की ओर से नवादा की ओर जा रही थी. इसी दौरान ट्रक मौवा माइल घाटी से तेज गति से ढलते हुए अनियंत्रित होकर काली मंडा के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस घटना में चालक बाल-बाल बचा.

केरेडारी में कांग्रेस ने मनाया 139वां स्थापना दिवस

संवाददाता। केरेडारी

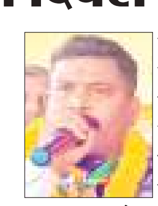

केरेडारी प्रखंड कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेश अनुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश पर केरेडारी प्रखंड में कांग्रेस का 139वां स्थापना दिवस मनाया गया. इस मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सह 20सुत्री उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने कहा कि स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर विधायक अंबा प्रसाद के कार्यों को सराहा गया. साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ से बीएलए का चुनाव करके जिला लिस्ट प्रदेश को सौंपना है. वर्तमान में केरेडारी प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायत में पंचायत कोर कमेटी का गठन किया जा रहा है. जिसमें सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को इस कार्यक्रम में भाग लेने का अपील किया गया है. ज्यादा से ज्यादा लोगों को कांग्रेस पार्टी के विचारधारा से जुड़ने की अपील किया जा रहा है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि सुरेश साहू, विधायक मीडिया प्रभारी मनोज सिंह व विधायक प्रशासनिक प्रतिनिधि चंदन गुप्ता समेत कई कार्यकर्ता शामिल थे.

डीलर संघ ने बीडीओ को दिया ज्ञापन

संवाददाता। चौपारण

चौपारण प्रखंड के डीलरों ने ऑल इंडिया डीलर्स एसोसिएशन फेडरेशन के तत्वावधान में शुक्रवार को चौपारण में डीलर संघ की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता दिनेश यादव ने की. सदस्यों ने 17 सूत्री मांगों को लेकर पूरे देश में एक जनवरी 2024 से डीलर्स एसोसिएशन द्वारा होनेवाले अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर चौपारण बीडीओ और चौपारण एमओ को लेकर ज्ञापन दिया.

बैठक में आंदोलन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में उपस्थित सभी विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह ने सर्वसम्मति से आंदोलन को सफल बनाने की बात कही. विक्रेताओं ने काला बिल्ला लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों का विरोध किया. बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डीलर्स एसोसिएशन केंद्र एवं राज्य सरकार से डीलरों को प्रतिमाह 30 हजार रुपए मानदेय, तीन रुपया प्रति क्विंटल कमीशन, अनुकंपा एवं हैंडलिंग लॉस की भरपाई, कोरोना काल में वितरण किए गए खाद्यान्न का बकाया कमीशन, एनएफएसए द्वारा वितरण किए गए खाद्यान्नों के कमीशन भुगतान की सरकार से मांग की है.

कहा कि मांगे पूरी नहीं हुईं तो देश भर में अनिश्चितकालीन हड़ताल कार्यक्रम पर डीलर जाएंगे. कहा कि पूरी तरह राशन वितरण कार्यक्रम में डीलर असहयोग करेंगे. अतः राष्ट्रीय कमेटी के देशव्यापी राशन बंद के आह्वान पर झारखंड राज्य की भी 25,400 राशन की दुकानें ई-पॉश मशीन एक जनवरी 2024 से बंद रहेगी.

ग्राम बेंदी से अड़रा तक अब बनेगी सड़क

संवाददाता । हजारीबाग

हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने शनिवार को कटकमदाग प्रखंड के गांवों का तूफानी दौरा किया. इस दौरान विधायक ने ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले) के विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 5 करोड़ 48 लाख के विकास योजनाओं की आधारशिला रखी. वहीं विधायक निधि की राशि 2.5 लाख़ रुपये के विकास योजनाओं का उद्घाटन कर जनता को सौगात दिया.

विधायक मनीष जायसवाल ने अपने दौरे की शुरुआत अड़रा पंचायत के ग्राम बेंदी से की. जहां आरईओ के उक्त योजना के तहत ग्राम बेंदी से अड़रा तक पथ निर्माण, ग्राम अड़रा से कुबा तक पथ निर्माण और ग्राम कुबा से चीची तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास शिलापट्ट का अनावरण कर और नारियल फोड़कर किया. इस योजना के अंतर्गत कुल 10.20 किमी पथ का विशेष मरम्मती कार्य होगा. जिसमें 7.6 किमी कालीकरण रोड़, 2.6 किमी पीसीसी, 10 पुलिया, 50 गार्डवाल और करीब 200 मीटर नाली का निर्माण होना है. तत्पश्चात विधायक मनीष जायसवाल ने अडरा पंचायत के ही ग्राम केशवरिया में विधायक निधि की राशि 2.5 लाख़ रुपए की लागत से निर्मित केशवरिया नदी पर सीढ़ी निर्माण का विधिवत उद्घाटन शिलापट्ट का अनावरण कर किया.

मौके पर विधायक मनीष जायसवाल ने बताया कि अड़रा पंचायतवासियों के जीवन स्तर को बदलने में यह योजना हितकर साबित होगी. इस अवसर पर कटकमदाग विधायक प्रतिनिधि अजय साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष कविंद्र यादव, कमल कुमार साहू, युवा मोर्चा जिला महामंत्री आशीष कुमार गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि इंद्र नारायण कुशवाहा, वीरेंद्र गुप्ता, अरुण राणा, पूर्व प्रमुख अशोक यादव, पूर्व प्रसाद और जगरनाथ प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

बोले विधायक

- 5 .48 करोड़ की योजनाओं की आधारशिला रखी
- विधायक ने दौरे की शुरुआत बेंदी गांव से की

अंबा प्रसाद ने नयाटांड़ पंचायत भवन से गंगादोहर जाने वाली पथ निर्माण कार्य की रखी आधारशिला

कोई भी क्षेत्र नहीं रहेगा सड़कविहीनः अंबा प्रसाद

संवाददाता । बड़कागांव

बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के नयाटांड़ पंचायत भवन से गंगादोहर जाने वाली पथ का शिलान्यास शुक्रवार को विधायक अंबा प्रसाद ने किया. इस दौरान जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य सहित कई पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे. इसमें अंबा प्रसाद के अनुशंसा के बाद लगभग ढाई करोड़ की लागत से डीएमएफटी मद से होने वाली उक्त पथ निर्माण कार्य के आधारशिला रखी गई.

सड़क निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक अंबा प्रसाद के पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल बाजे के गड़गड़ाहट के बीच फूल माला पहनाकर व बुके देकर स्वागत किया. पारंपरिक रूप से पूजन के बाद स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में इस सड़क का शिलान्यास किया. इस अवसर पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि लगभग ढाई करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण होगा. सड़क की स्थिति काफी जर्जर थी. लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. इसीलिए प्राथमिकता के आधार पर उक्त सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. सड़क का निर्माण होने से नयाटांड़, कुम्हरडीहा, गंगादोहर समेत आसपास के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी. विधायक ने सड़क का निर्माण कार्य करा रहे विभागीय अधिकारियों एवं संवेदक को बेहतर सड़क निर्माण करने तथा गुणवत्ता में विशेष ध्यान रखने की बात कही. मुखिया लीलावती देवी ने कहा कि विधायक अंबा प्रसाद के प्रयास से पंचायत में कई विकास योजनाएं संचालित हैं. पंचायत की खराब सड़कों का कायाकल्प हो रहा है. सड़क निर्माण होने से लोगों को परिवहन करना आसान होगा. मौके पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य गीता देवी, उप प्रमुख बच्चन देव कुमार, मुखिया लीलावती देवी, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, विधायक प्रतिनिधि सुरेश महतो, पंसस प्रभु राम, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुईयां, पूर्व विधायक प्रतिनिधि संजय महतो, मुखिया प्रतिनिधि अजीत महतो, पंचायत अध्यक्ष सतीश दास, युवा प्रखंड अध्यक्ष आनंद मेहता, मोहम्मद शमशेर आलम, पूर्व मुखिया भीखन महतो, पंचायत समिति सदस्य सांढ उपेंद्र प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, दिलीप प्रसाद, हसन इमाम, कृष्णा महतो, बालेश्वर महतो सहित कई महिला पुरुष मौजूद थे.

बनेगी सड़क

- सड़क बनने से नयाटांड़ लोगों को होगा फायदा
- अंबा के प्रयास से कई विकास योजनाएं संचालित हैं

बुंदेल प्रसाद का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा स्थित आवास के निकट में स्थित बरसोति आबर अरघौती नदी मुक्ति धाम में 80 वर्षीय अनुभवी व्यवसाई, वसुंधरा बस के मालिक सह समाजसेवी बुंदेल प्रसाद यादव का दाह संस्कार हिंदू धर्म के रीति रिवाज से किया गया.

उनकी मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र संजय कृष्णा ने दी. वे अपने पीछे दो पुत्र सहित चार पुत्री का भरा पूरा परिवार को छोड़ गए. उनकी पत्नी सहित सारे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है. वहीं उनकी अंतिम यात्रा में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव, ज़िला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं स्वर्ग में स्थान मिलने का कामना किया. मौके पर बासुदेव यादव, महावीर यादव, विजय यादव, राजद नेता सुभाष यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, शंभू यादव, सईद नसीम, बंशी यादव, कृष्णा यादव, संजीव यादव, राजकुमार यादव, कांति देवी, गजेंद्र राम, डॉ नरेंद्र कुमार, बिरेंद्र यादव, मुन्ना राम, राजू दास, सुखदेव यादव, रामेश्वर यादव, प्रदीप यादव, सुदर्शन यादव, निर्मल ओझा, रामदेव यादव और रघुनंदन यादव समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार, 30 दिसंबर 2023 ● पौष कृष्णपक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 252 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सिनीडीह में बाहुबली कोयला तस्करों के काले साम्राज्य पर चला बुल्डोजर

शुभम संदेश में खबर छपते ही धंधेबाजों में मची खलबली

राम कुमार पांडेय। कतरास

मधुबन थाना क्षेत्र के सिनीडीह में कोयला तस्करों द्वारा रैयती जमीन पर चलाए जा रहे अवैध खनन की खबर शुभम संदेश में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद जिले में अधिकारियों के निर्देश पर शुक्रवार की दोपहर खनन स्थल की भराई की गई.वही खबर प्रकाशित होने के बाद से ही धंधेबाजों में खलबली मच गई है.

तस्कर अपने काले साम्राज्य को छुपाने के लिए मुहाने पर तिरपाल लगा कर ढक दिए, ताकि किसी को दूर से मुहाना नहीं दिखे. दोपहर भराई कार्य करने पहुंचे बीसीसीएल प्रबंधन सीआइएसएफ व मधुबन पुलिस खनन स्थल के दृश्य को देख कर दंग रह गए. घंटों बुल्डोजर से अवैध मुहाने पर मिट्टी डाल कर भराई कार्य किया गया .हालांकि घंटों चली भराई कार्य के बाद भी पूरे मुहाने की भरा नहीं जा सका. वहीं भराई की सूचना पाकर कई रैयत वहां पहुंचे ओर जमीन के कागजातों को अधिकारियों को दिखाया. इधर मामले को लेकर बीसीसीएल ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है. मालूम हो कि रैयत सुनील कुमार सिन्हा के मधुबन थाना क्षेत्र के महेशपुर मौजा में खाता संख्या 09 प्लांट संख्या 17 कुल रकवा 40 डिसमिल रैयती भूमि पर कोयला तस्कर अपनी बाहुबली का जोर से रैयती जमीन पर कब्जा कर खंतीयुक्त भूमि में फसल के बजाय बीसीसीएल के तर्ज पर समानांतर कोयले का उत्पादन कर रहे थे. तस्कर रैयती जमीन को ओपेनकास्ट की तरह खुदाई कर बाकायदा डायनामाइट से ब्लास्टिंग कर सैकड़ों बाहरी मजदूरों से दिन रात कोयले की कटाई करवा रहे थे. दर्जनों ट्रकों से कोयले को बाहर भेज रहे थे. रैयत ने इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की थी. बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी. जिसके बाद शुक्रवार को शुभम संदेश ने सिनीडीह में बाहुबल के जोर रैयती जमीन में अवैध खनन शीर्षक संबंधित खबर प्रमुखता से प्रकाशित किया. जिसके बाद आला अधिकारी हरकत में आए और उक्त कार्रवाई की गई.

शुभम संदेश इंपैक्ट

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर

भराई पूरी होने में दो दिन का समय लगेगा

इधर बीसीसीएल एरिया तीन के परियोजना पदाधिकारी विजय कुमार ने बताया कि वरिय अधिकारियों के निर्देश पर अवैध भराई कार्य शुरू किया गया है. भराई में अभी एक-दो दिन का समय लगेगा. उन्होने कहा कि प्रथम दृष्टया यह भूमि रैयती प्रतित होती है, जो जांच में स्पष्ट हो सकता है. साथ ही कहा कि इललीगल माइनिंग को लेकर मधुबन पुलिस को लिखित शिकायत दी गई है.

रैयतों ने कहा- हमारे अधिकार के लिए शुभम संदेश की पहल सराहनीय

रैयतों ने कहा कि कुछ दबंग कोयला तस्कर कई महीनों से हमलोगों की खेती योग्य जमीन में जबरन अवैध खनन करवा रहे थे. विरोध करने पर मारपीट व ग़लत मुकदमे में फंसाने की धमकी देते थे .पुलिस व जिला प्रशासन से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी. लेकिन हम रैयतों के साथ हो रहे जुर्म को शुभम संदेश अखबार ने प्रमुखता खबर प्रकाशित किया जिसके बाद आज अवैध मुहाने की भराई कार्य शुरू की गई. रैयतों के हक अधिकार के लिए शुभम संदेश की पहल सराहनीय है. हम सभी रैयत शुभम संदेश के प्रति आभार प्रकट करते हैं.

मनमानी : मूल में सीएनटी, फिर भी नियमों को ताक पर रख रहे गोविंदपुर सीओ

नियम तोड़ सीओ कर रहे म्यूटेशन

अमित सिन्हा। धनबाद

नियमों को ताक पर रखकर गोविंदपुर के अंचलाधिकारी धड़ल्ले से म्यूटेशन करने में लगे हैं. एक तरफ सरकार जमीन की लूट रोकने के लिए प्रतिबद्ध दिख रही है, तो वहीं सरकारी अधिकारी नियमों को ताक पर रख कर जमीनों का म्यूटेशन कर रहे हैं. मामला गोविंदपुर अंचल के भेलाटांड़ मौजा का है. जिसमे वैसे ज़मीनों का दाखिल खारिज किया गया है जिस जमीन के मूल में सीएनटी है.

नियमानुसार जिस जमीन के मूल में सीएनटी हो, उसका म्यूटेशन नहीं किया जा सकता है. इसके बावजूद नियम के विरुद्ध जाकर गोविंदपुर के सीओ रामजी वर्मा ने कई प्लॉटो का म्यूटेशन कर दिया है. सीओ ने अकबर अहमद द्वारा मांगी गई एक सूचना के जवाब में 26 फरवरी 2022 को दी गई सूचना में यह स्पष्ट किया है कि मूल खतियान सीएनटी एक्ट के अंतर्गत आने के कारण वर्तमान अवस्था मे दाखिल खारिज नहीं कि जा सकता है.

केस नम्बर 697 : भेलाटांड़ मौजा के खाता नम्बर 74, प्लाट नम्बर 1255, रखवा 2.5 डिसमिल को हरीश कुमार गर्ग एवं मनोज कुमार अग्रवाल ने कुमारी रत्नाकर को बेचा. जिसके म्यूटेशन के लिए 20 मार्च 2023 को आवेदन दिया गया था. जिसका केस नम्बर 697 है और सीओ ने 23 जून 2023 को उसका म्यूटेशन कर दिया गया. इस खाता की जांच करने पर पाया गया कि यह जमीन के खतियानी कन्हाई महतो एवं अन्य महतो थे. जो जाति की कुर्मी थे. जिसे झारखंड सरकार ने सीएनटी में शामिल कर रखा है.

केस नम्बर 12159 : मौजा भेलाटांड़ के खाता नम्बर 64, प्लाट नम्बर 1206, रखवा साढ़े चार डिसमिल को शक्ति नगर सहकारी गृह निर्माण सहयोग समिति लिमिटेड के महेंद्र प्रसाद सिंह ने प्रेमजीत कुमार साव को बेचा है. उक्त जमीन के म्यूटेशन के लिए 16 फरवरी 2023 को आवेदन दिया गया था. सीओ द्वारा 6 अप्रैल को इसका म्यूटेशन कर दिया गया है. इस जमीन का खतियान छूटनी महताइन के नाम पर है. जो कुर्मी जाति से आती है. जिसे सरकार ने सीएनटी के दायरे में डाल रखा है.

केस नम्बर 12808 : मौजा भेलाटांड़, खाता 74, प्लाट नम्बर 1257, रकवा 5 डिसमिल जमीन को हरीश गर्ग एवं मनोज अग्रवाल ने नवीन गोधा एवं मनीष अग्रवाल को बेचा था. उक्त जमीन के म्यूटेशन के लिए 3 मार्च को आवेदन दिया गया था. जिसका 35 दिनों बाद 6 अप्रैल को अंचलाधिकारी द्वारा म्यूटेशन कर दिया गया है. उक्त जमीन के मूल में भी सीएनटी है. जमीन का खतियानी कुर्मी महतो है, जिसे सीएनटी में शामिल किया गया है.

सूचना के अधिकार नियम को भी नहीं मानते गोविंदपुर सीओ

गोविंदपुर सीओ सूचना के अधिकार 2005 के तहत मांगी गई सूचना को भी मनमाने तरीके से देते हैं. गोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत द्वारिका सिटी में रहने वाले अकबर अहमद ने 14 सितंबर को सूचना के अधिकार के तहत एक सूचना मांगी थी. अकबर ने नियमानुसार पत्र के साथ 10 रुपये का पोस्टल ऑर्डर भी लगाया था. नियमानुसार 30 दिनों के भीतर किसी भी सूचना को देना अधिकारी की जिम्मेदारी है, बावजूद इसके तीन महीने बाद भी सीओ द्वारा अकबर को सूचना नहीं दी गई है.

30 के भीतर म्यूटेशन करने की बाध्यता भी नहीं मानते सीओ

धनबाद उपायुक्त वरुण रंजन का सख्त निर्देश हैं कि किसी भी म्यूटेशन के आवेदन को 30 दिनों के भीतर कर देना है. उपायुक्त के निर्देश एवं सरकार के नियम को दरकिनार कर गोविंदपुर अंचलाधिकारी ने तीनों केस का म्यूटेशन 30 दिनों के बाद ही किया है.

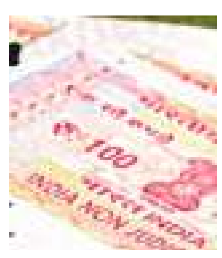

जमीन के मूल में सीएनटी हो तो सीएनटी मुक्त जाती के नाम से दाखिल खारिज नहीं की जा सकती है. यदि ऐसा किया गया है तो इसकी जांच की जाएगी. **-विनोद कुमार,** अपर समाहर्ता

जिगर के टुकड़े की मां ने की हत्या

गुस्से में मां ने ले ली अपने दो साल के मासूम बेटे की जान, गिरफ्तार

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

रिश्तों का कत्ल

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के गोलगो में एक मां ने अपने ही जिगर के टुकड़े को मौत के घाट उतार दिया. दरअसल मासूम की नादानी से मां को गुस्सा आ गया, गुस्से में उसने अपने ही 2 वर्षीय बेटे की जान ले ली.

घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है. घटना की सूचना पर बेंगाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे के शव को कब्जे में लिया. साथ ही पुलिस ने हत्यारोपी मां अफसाना खातून को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया.

बेंगाबाद थाना प्रभारी विकास पासवान ने घटना की पुष्टि की है. घटना को लेकर बेंगाबाद थाना में मृतक बच्चे के दादा रोजन उर्फ जब्बार अंसारी के आवेदन के आधार पर कांड संख्या 299/23 के तहत केस दर्ज किया गया है. पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है. जबकि हत्यारोपी मां को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. मृतक बच्चे के दादा का आरोप है कि उनकी बहू अफसाना खातून ने गला दबा कर मासूम की हत्या कर दी है. मां की ममता को शर्मसार कर देने वाली यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. मृतक बच्चे के दादा ने बताया कि उनका पुत्र ताजुद्दीन अंसारी मूकबधिर है. उसको दो पुत्र है. एक पुत्र चार साल का और छोटा दो साल का था. गुरुवार की रात बड़ा पुत्र अपनी दादी के साथ सोया था. जबकि छोटा पुत्र आशिक अंसारी अपनी मां के साथ उसके कमरे में था.

उन्होंने बताया कि रात में बहू अफसाना ने अपने पति को कमरे से बाहर कर दिया और बच्चे के साथ अंदर सोई थी. इसी दौरान उसने 2 साल के मासूम की गला घोंट कर हत्या कर दी और बच्चे की लाश के साथ सोती रही. देर रात को उसने दरवाजा खोला और पति को अंदर बुलाया. पति कमरे में गया तो देखा कि उसका बेटा मृत अवस्था में बिस्तर पर पड़ा है. जिसके बाद घर के सदस्यों को जानकारी दी. इधर हत्यारोपी मां ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. उसका कहना है कि पति-पत्नी के बीच कुछ विवाद हुआ था. जिस कारण वह गुस्से में थी. बच्चे के तंग करने पर उसने गुस्से में आकर उसे तमाचा मारा. जिससे बच्चा पलंग से नीचे ज़मीन पर गिर गया और उसकी मौत हो गई.

फरार अपराधियों को पकड़ना होगा आसान पुलिस करेगी जिओ टैगिंग का इस्तेमाल

रोहित कुमार। जमशेदपुर

अब अपराधी घटना को अंजाम देकर ज्यादा दिनों तक फरार नहीं रह पाएंगे. पुलिस फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए तकनीकी रूप से खुद को समृद्ध करने की तैयारी कर रही है. पुलिस अब फरार अपराधियों गिरफ्तारी के लिए जिओ टैगिंग पर काम कर रही. इसकी मदद से पुलिस फरार अपराधियों को ज गिरफ्तार कर लेगी.

यह जानकारी देते हुए सिटी एसपी मुकेश लुणायत ने बताया, अपराधियों की जानकारी लेकर जिओ टैगिंग होगी. इसमें ऐसी जगहें शामिल होंगी, जहां अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद फरारी के लिए छुप सकता है. डेटा को कलेक्ट करने के बाद उसे जिला पुलिस सुरक्षित रखेगी.

पुलिस कर रही कई तकनीक का इस्तेमाल : जिला पुलिस ने बार कोड और मोबाइल गुम होने पर शिकायत पोर्टल लॉन्च किया था. ऐसा झारखंड में पहली बार किया गया था. इसके साथ ही जिला पुलिस तकनीक में आगे बढ़ रही है. जिओ टैगिंग से अपराधियों को ढूंढ निकालने भी उनमें से एक है.

पहले चरण में संगठित अपराधियों की टैगिंग

सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि जानकारी के अनुसार अभी तक देश के किसी भी जिला पुलिस ने इस तरह की तकनीक नहीं इस्तेमाल की है. जिले में इसकी शुरुआत करने के लिए खाका तैयार किया जा रहा है. पहले चरण में ऐसे आपराधियों को चिन्हित किया जाएगा जो संगठित अपराध को अंजाम देते है. इनमें हार्डकोर क्रिमिनल को शामिल किया जाएगा. पहले चरण में कम से कम 100 अपराधियों की चिन्हित करने पर काम किया जा रहा है. हालांकि इसमें काफी समय लग सकता है पर एक बार डेटा कलेक्ट हो जाने के बाद वह आगे कई कामों में इस्तेमाल किया जा सकेगा.

डीसी, एसएसपी के साथ आईएमए की बैठक में बनी सहमति

डॉक्टरों की सुरक्षा की गारंटी आईएमए की हड़ताल वापस

धनबाद। प्रशासन से डॉक्टरों को पूर्ण सुरक्षा की गारंटी के बाद आईएमए ने शनिवार से प्रस्तावित अपनी हड़ताल वापस ले ली. शुक्रवार को डीसी वरुण रंजन और एसएसपी संजीव कुमार के साथ आईएमए की बैठक में हड़ताल वापस लेने पर सहमति बनी.

डीसी ने अपने कार्यालय में आईएमए के प्रतिनिधियों से मुलाकात की.डॉक्टरों की समस्याएं सुनीं. उन्होंने डॉक्टरों को सुरक्षा की गारंटी दी. एसएसपी ने सभी अस्पतालों व नर्सिंग होम को रजिस्टर रखने की सलाह दी, जिसमें गश्ती दल में शामिल जवान दस्तखत करेंगे. उन्होंने टाइगर फोर्स, स्थानीय थाना और डीएसपी का मोबाइल नंबर रखने की भी सलाह दी. आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एके सिंह ने बताया, हमारी बात को ध्यान से सुना गया और दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा की गारंटी दी है. सर्वमंगला नर्सिंग होम के संचालक हरदेव प्रसाद को गार्ड देने पर सहमति बनी. सर्वमंगला के संचालक से एक करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी.

फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज (FJCCI)

झारखण्ड प्रदेश के सवा लाख व्यापारियों व उद्यमियों की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में गठित सरकार के कार्यकाल के सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण होने पर कोटिशः बधाई, अभिनंदन!

होल्डिंग टैक्स में कमी, राइस मिलर्स के प्रोत्साहन हेतु मिलिंग के इसेंटिव दर में वृद्धि, एमएसएमई पॉलिसी 2023 और झारखण्ड स्टार्टअप्स पॉलिसी 2023 को प्रभावी करने के निर्णय हेतु हम माननीय मुख्यमंत्री जी, राज्य समन्वय समिति के माननीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन जी, राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ माजी जी एवं समस्त मंत्रीमंडल का आभार व्यक्त करते हैं और लोकप्रिय सरकार के सफल रूप से चतुर्थ वर्षगांठ पूर्ण होने पर बधाई देते हैं.

युवा झारखण्ड राज्य के विकास हेतु हमारा निवेदन है कि :

- झारखण्ड में वर्षों पूर्व निर्मित मकानों को नियमितीकरण करने के सरकार द्वारा लिये गये निर्णय को जनहित में जल्द प्रभावी किया जाय.
- खासमहल / गैर मजरूआ भूमि को फ्रीहोल्ड करने की पहल आवश्यक है.
- झारखण्ड राज्य कृषि उपज और पशुधन विपणन (संवर्धन और सुविधा) विधेयक को स्थायी रूप से वापस लेने की आवश्यकता है.
- मृतप्राय होते अभ्रक उद्योग और आयरन-ओर की खदानों को चालू करने की पहल हो.
- राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु वितरण / संचरण व्यवस्था का निजीकरण आवश्यक है.
- राज्य में व्यवसायिक वाहनों के बकाया टैक्स की प्राप्ति हेतु कर समाधान योजना लाई जाय.
- राज्य में नगर निगम से जुडे.सभी बकाया टैक्स की प्राप्ति हेतु वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाई जाय.

युवा राज्य के विकास के बढ़ते कदम में हम सरकार के साथ-साथ हैं.

आपका चैंबर - सबका चैंबर

झारखण्ड प्रदेश के व्यापार व उद्योग जगत की ओर से राज्यवासियों को नववर्ष 2024 की शुभकामनाएँ.

किशोर मंत्री, अध्यक्ष | परेश गट्टानी, महासचिव

आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष | राहुल साबू, उपाध्यक्ष | शैलेश अग्रवाल, सह-सचिव

अमित शर्मा, सह-सचिव | ज्योति कुमारी, कोषाध्यक्ष | विकास विजयवर्गीय, प्रवक्ता

आयोजन आदिवासी कल्याण केंद्र, किरीबुरु का 18वां आदिवासी हो समाज मिलन समारोह आयोजित

आदिवासी सदैव से संस्कृति, पर्यावरण व मानव प्रेमी

संवाददाता। किरीबुरु

आदिवासी कल्याण केंद्र, किरीबुरु के तत्वावधान में 18वां आदिवासी हो समाज मिलन समारोह(नेपेल उपरुम) का आयोजन आदिवासी कल्याण केंद्र में किया गया. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जीएम राम सिंह, विशिष्ट अतिथि जीएम बीके मिंज, जीएम नवीन सोनकुशरे, जीएम सुदीप दास, जीएम जीसी हेम्ब्रम, डिप्टी जीएम दिलीप कुमार, विकास आनंद, आदित्य कुमार, कमिटे के अध्यक्ष लालतेन्दु हेम्ब्रम, सचिव गोपी लागुरी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

मुख्य अतिथि राम सिंह ने कहा कि नेपेल उपरुम आदिवासी समुदाय को सभी क्षेत्र में आगे ले जाएगा. समाज व देश को एक रखने में यह महत्वपूर्ण है. अंग्रेजों ने पहले समाज को तोड़ देश को कब्जे में करने का कार्य किया. लेकिन ऐसे कार्यक्रम हमें आपस में जोड़ने, एक-दूसरे को जानने व समाधान के मंच हैं. आदिवासी सदैव से संस्कृति, पर्यावरण और मानव प्रेमी लोग हैं. आदिवासियों में हमेशा से सेवा व प्रेम भावना रहती है. आदिवासियों की तमाम परम्परा व पर्व-त्योहार हमारी प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा व पूजा से जुड़े हैं.

दीप प्रज्वलित करते मुख्य व विशिष्ट अतिथि.

कार्यक्रम में अन्य राज्यों से आये आदिवासी

कमेटी के सचिव गोपी लागुरी ने कहा कि पहले उपुर जुपरुम होता था. लेकिन यहां 2005 में आदिवासी समाज का बड़ा कार्यक्रम शुरू हुआ.यहां हम समाज की परंपरा व संस्कृति की रक्षा आदि के अलावे आपस में समस्याओं पर बातें करते हैं. इसमें विभिन्न राज्यों से समाज के लोग परिवार साथ आते हैं. समाज के बुद्धिजीवी बैठ कर तमाम मुद्दों पर चर्चा कर उन समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कहते हैं.

रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति

गायक श्याम बोबोंगा, छोटे बच्चे, युवक-युवतियों ने आदिवासी गीतों पर सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम पेश किया. कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्टाल भी लगाए गए. इस दौरान हो भाषा में निर्मित फिल्म पागुन पोनाई का भी प्रदर्शन फिल्म के साथी कलाकारों व निर्देशकों द्वारा किया गया.

ये लोग रहे उपस्थित

गब्बर सिंह, इपील सामड, सोमा कोडा, शंकर चातोम्बा, महेन्द्र पुरती, हीरा लाल सुंडी, बसंती हेम्ब्रम, सतीश बोयपाई, गुरु चरण हेम्ब्रम, सुरेंद्र पुरती, लालतेन्दु हेम्ब्रम, सुदाम हेम्ब्रम, नीलिमा, गोपी, श्याम बिरुवा, अनिता, आजाद सिंकु, सुप्रियम, सुमन, रमेश लागुरी, शुभनाथ, दुलु हेस्सा, सुरेन्द्र पूर्ति, वीर सिंह आदि सैकड़ों मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

बॉक्साइट ट्रक ने युवक को कुचल डाला, मौत

गुमला। गुरदरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत हिंडाल्को के मैगजीन हाउस के समीप बॉक्साइट लदा ट्रक ने शुक्रवार को डुमरपाठ निवासी रोहित केरकेट्टा को कुचल दिया. जिससे रोहित केरकेट्टा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. चालक वाहन लेकर फरार हो गया. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को हिंडाल्को मैगजीन हाउस के समीप एक बॉक्साइट से लदा ट्रक को पीछे कर रहा था. तभी डूमर पाठ निवासी रोहित केरकेट्टा चपेट में आ गया.

ट्रक पलटा बाल-बाल बचे चालक व उपचालक

राजगंज। राजगंज एनएच दो के दलूडीह के समीप शनिवार दोपहर कपड़ा लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. घटना में चालक व उपचालक बाल बाल बचे जबकि ट्रक में लदा कपड़ा सड़क पर बिखर गया. जिसके बाद सड़कों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई. चालक ने बताया कि वे कोलकाता से कपड़ा लोड कर उत्तर प्रदेश जा रहे थे, तभी अचानक वाहन का पिछला चक्का जाम हो गया. जिसकी वजह से गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई. वहीं, मौके पर राजगंज पुलिस पहुंच कर जाम को हटाया गया.

मोबाइल दुकान में शटर तोड़ कर चोरी

गुमला। गुमला के मेन रोड में गुरुवार की रात अमित मोबाइल दुकान का शटर तोड़ कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये कर ली. मेन रोड के दुकान में चोरी की घटना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है. पिछले माह संदेश मोबाइल दुकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन भी नहीं कर सका है कि मोबाइल दुकान में चोरी की दूसरी बड़ी घटना को चोरों ने अंजाम दिया है. मोबाइल दुकान में चोरी की सूचना मकान मालिक ने दुकान संचालक अजय केसरी को दी.

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत कालिंदी बस्ती स्थित कालिंदी क्लब के पास ब्राउन शुगर बेच रहे रवि किशोर पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने रवि के पास से 24 पुड़िया ब्राउन शुगर भी बरामद किया है. शुक्रवार को पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. रवि भुइंयाडीह का रहने वाला है और पूर्व में भी नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में जेल जा चुका है. मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात वह कालिंदी क्लब के पास ब्राउन शुगर बेच रहा था.

स्थानीय लोगों के हत्थे चढ़ा केबुल चोर

पंचेत। बीसीसीएल एरिया 12 के लायकडीह में केबुल चोरी करने आए प्रेम नामक चोर स्थानीय लोगों की हत्ये चढ़ गया. दरअसल गुरुवार के देर रात आधे दर्जन की संख्या में केवल चोर लायकडीह पहुंचे और लगभग 100 फुट केवल चोरी कर भाग रहे थे. ठीक उसी वक्त कुछ स्थानीय लोगों ने देख लिया. हल्ला होता देख चोर भागने लगे. अनजान राह होने के कारण एक चोर भागने के क्रम तालाब में गिर गया. जिसे स्थानीय लोगों ने पुलिस को सौंप दिया.

नौकरी के नाम पर युवक ने गंवाये 20 लाख रु.

धनबाद। डीसी वरुण रंजन ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाकर आम-जन की फरियाद सुनी. गोपीनाथडीह पंचायत क्षेत्र से आए अरविंद कुमार ने नौकरी का झांसा देकर ठगी के संबंध में उपायुक्त को एक आवेदन दिया. उसने बताया कि कोर्ट चपरासी की नौकरी के लिए कुछ माह पूर्व परीक्षा दी थी. परीक्षा के बाद एक फोन आया, नौकरी देने के नाम पर 20 लाख का डिमांड किया गया. लालच में आकर पैसे का भुगतान कर दिया.

घर से लैपटॉप, जेवर सहित लाखों की चोरी

महुदा। श्रेष्ठ नगर निवासी प्रदीप कुमार ने महुदा थाना में लिखित शिकायत देकर घर में चोरी होने की सूचना दर्ज कराया है. आवेदन में प्रदीप कुमार ने बताया है कि 24 दिसंबर को पूरे परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोलकाता गया था, 29 दिसंबर को जब मैं घर लौटा तो देखा कि घर दोनों दरवाजा का ताला टूटा हुआ है. उसके बाद अलमीरा से एक सोने की चैन, कान का बाली, जोड़ा चांदी का पायल, एक बिंदिया, एक लैपटॉप तथा 12 हजार नगद राशि गायब है.

एफसीआई गोदाम में ट्रक से दबकर मजदूर की मौत

संवाददाता। पलामू

लोडिंग-अनलोडिंग कार्य ठप, धरने पर बैठे मजदूर

भारतीय खाद्य निगम, खाद्य संग्रह भंडारण डालटनगंज में खाद्यान्न उतारने के दौरान ट्रक से दबकर 35 वर्षीय ठेका मजदूर की मौत हो गयी. घटना के बाद साथी मजदूरों ने कामकाज ठप कर दिया. लोडिंग-अनलोडिंग कार्य बंद हैं. सारे मजदूर गोदाम परिसर में ही धरना दे रहे हैं. साथ ही मुआवजा सहित अन्य मांगों को पूरा नहीं करने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है. इस सिलसिले में मजदूरों ने खाद्य आपूर्ति मंत्री रामेश्वर उरांव के नाम आवेदन उनके प्रतिनिधि रुद्र शुक्ला को सौंपा है. मजदूरों से बात करते हुए मंत्री प्रतिनिधि रुद्र शुक्ला ने कहा कि उनके साथ पूरा न्याय होगा. मृत मजदूर के आश्रित को हर संभव सरकारी मदद दिलाई जायेगी.

एफसीआई मजदूरों के अनुसार शुक्रवार सुबह में गैंग नंबर-दो में ठेका मजदूर ईश्वरी यादव खाद्यान्न उतार रहा था. बोरा उठाने के दौरान बैक में आ रहे दूसरे ट्रक (बीआर 15 जी 5904) से दब गया. आनन-फानन में साथी मजदूर उसे लेकर एमआरएमसीएच पहुंचे. यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. घटना के बाद गोदाम के मजदूर भड़क गए और धरना-प्रदर्शन करने लगे. सूचना पाकर टाउन थाना पुलिस पहुंची और ट्रक को जब्त लिया. साथ ही एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम कराया. मजदूर ईश्वरी यादव रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुटार का रहने वाला था. उसके चार बच्चे हैं. तीन लड़का एक लड़की. वर्ष 2016 से ईश्वरी यादव एफसीआई में मजदूरी कर रहा था.

एक करोड़ मुआवजा देने की मांग : घटना के बाद धरना दे रहे एफसीआई के मजदूरों ने ईश्वरी यादव के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और उसके परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी, सभी कार्यरत श्रमिक का इंश्योरेंस करने आदि शामिल है. मजदूर संतोष यादव, प्रदीप यादव, नंदलाल राम, विनय कुमार, हरेन्द्र बैठा, संजय बैठा, रामसुंदर बैठा, संतोष कुमार यादव, विक्रम सिंह, रविन्द्र यादव, आकाश कुमार, नरेश राम, राहुल कुमार सिंह सहित करीब 33 मजदूरों ने ठेकेदार से सभी मांग की. साथ ही कहा कि सभी श्रमिक मां तारा ट्रांसपोर्ट कंपनी के अधीन कार्यरत हैं और इसके ठेकेदार संजय शर्मा है. ठेकेदार के मौके पर नहीं आने के कारण मजदूरों में भारी आक्रोश देखने को मिला.

आओ जानें

किस जिले में कितने हत्या के मामले दर्ज हुए हैं

जिला	हत्या	जिला	हत्या
धनबाद	66	सरायकेला	30
गिरिडीह	80	सिमडेगा	29
हजारीबाग	74	रेल धनबाद	01
जमशेदपुर	43	देवघर	56
पलामू	73	गोड्डा	32
रांची	90	गुमला	49
साहेबगंज	33	लोहरदगा	14
दुमका	31	चतरा	54
चाईबासा	68	गढ़वा	75
बोकारो	43	कोडरमा	33
लातेहार	31	खूंटी	23
जामताड़ा	11	रामगढ़	23
		पाकुड़	16

पारिवारिक विवाद में मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव ने अपने भाई को मारी गोली

संवाददाता। लोहरदगा

जिला में शहरी क्षेत्र के रघुनंदन लेन में गुरुवार देर रात आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल ने अपने छोटे भाई चंदन अग्रवाल उर्फ टीनू अग्रवाल को गोली मार दी. घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को मिली, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया. घायल का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है. बताया जाता है कि रघुनंदन लेन निवासी स्वर्गीय संतोष अग्रवाल के पुत्र सूरज अग्रवाल का उनके छोटे भाई टीनू अग्रवाल उर्फ चंदन अग्रवाल के बीच किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था. इसी बीच देर रात विवाद काफी बढ़ गया, जिसके बाद सूरज ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से चंदन अग्रवाल को गोली मार दी, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई. इस संबंध में लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. प्रारंभिक रूप से पारिवारिक विवाद में घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आ रही है. घटना के बाद शहरी क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं. उल्लेखनीय है कि आरोपी सूरज अग्रवाल बॉक्साइट व्यवसाय से भी जुड़े हुए हैं. साथ ही आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव भी हैं.

सूरज अग्रवाल

हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार हुआ

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना अंतर्गत एसडीएसएम स्कूल के पीछे टेल्को कॉलोनी मिलेनियम पार्क के रहनेवाले चंद्रभूषण सिंह पर 31 दिसंबर 2022 की रात जानलेवा हमला किया गया था. इलाज के दौरान चंद्रभूषण की मौत हो गई थी. इसी मामले में फरार चल रहे गुरप्रीत सिंह संधू उर्फ गोल्डी को सिदगोड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शुक्रवार को पुलिस ने गुरप्रीत को जेल भेज दिया है. मामले में मृतक के पिता अरविंद सिंह के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी. प्राथमिकी में अमित सिंह, विकास पाठक, हिमांशु सिंह, विशाल सहिस, ऋतिक पांडेय, चिराग, राय टुडू व अन्य 4-5 अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया थी. अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

रानीताल डैम में पांच दिनों तक चला सर्च अभियान

पलामू। दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए जिले के चैनपुर बाजार निवासी धर्मेंद्र कमलापुरी का पांच दिन बाद भी कोई पता नहीं चल सका है. धर्मेंद्र के शव की तलाश रानीताल डैम में पांचवें दिन शुक्रवार को भी जारी रहा. पूरे दिन तक शव ढूंढने के बाद एनडीआरएफ की रांची लौट गयी. बुधवार को एनडीआरएफ की 17 सदस्यीय टीम पलामू पहुंचीं थी. तीन दिनों तक सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक डैम के चप्पे-चप्पे को खंगाला, लेकिन धर्मेंद्र का पता नहीं चल सका. एनडीआरएफ के गोताखोरों ने पानी में उतर कर भी उसकी तलाश की. पिता ने बेटे कि हत्या का आरोप लगाते हुए भड़गावा के रहने वाले छोटू डीजे, संतोष राम चंद्रवंशी और चैनपुर के रमेश प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिये चैनपुर थाना में आवेदन दिया है. पिता शिवनाथ प्रसाद कमलापुरी का कहना है कि 25 दिसंबर को दोस्तों के साथ धर्मेंद्र रानीताल डैम में पिकनिक मनाने गया था. दोपहर 12 बजे पत्नी को फोनकर जल्द ही घर आने की बात कही थी. इसके कुछ देर बाद ही उसके डूबने की जानकारी दी गई.

नहीं मिला धर्मेन्द्र का शव

युवक ने फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली

पलामू। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद पति ने आत्महत्या कर ली. मृतक 30 अनिल मोची (30) हुंटार के उड़रीटांड़ निवासी रामचंद्र मोची का पुत्र था. अनिल को शराब की लत थी और प्रतिदिन पत्नी के साथ बेवजह लड़ाई-झगड़ा करता था. पत्नी और चार बच्चों की परवरिश पर भी ध्यान नहीं देता था. पत्नी को घर से चले जाने के लिए कहता था. पति के इस व्यवहार से परेशान होकर पत्नी ने पंचायत के मुखिया और ग्रामीणों की बैठक पति को समझाने के लिए गुरुवार को बुलाई थी. अनिल ने शराब के नशे में बैठक के लिए आए लोगों को भगा दिया. इससे नाराज होकर अनिल की पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके सतबरवा थाना क्षेत्र के बोहिता चली गई. इसके बाद शाम में अनिल अपने घर के कमरे में बिजली के तार का फंदा बनाकर उससे लटक गया. जब तक घर वाले उसे इस हाल में देखते उसकी मौत हो चुकी थी. घटना की जानकारी पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंच पुलिस ने शुक्रवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भेजा.

नल जल योजना के लिए स्टॉक पाइप जल कर राख

गुमला। बसिया थाना क्षेत्र के कोनबीर स्थित एनएचपीसी मैदान में रखे प्लास्टिक के पानी पाइप में शुक्रवार को अचानक आग लग गई. एनएचपीसी मैदान में रखा गया यह प्लास्टिक पाइप पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से चल रहे नल जल योजना के लिए स्टॉक किया गया था. भारी मात्रा में पाइप होने के कारण आग की लपटें मानो आसमान छू रहा था. आग की लपट से उठ रहा काला धुआं खतरनाक नजर आ रहा था. आगजनी की घटना से पाइप जल कर राख हो गया वहीं, आगजनी की घटना को लोग कुछ भी बताने में असमर्थता जता रहे हैं.

घटना दनुआ घाटी में घटी, पुलिस अनुसंधान में जुटी

चाचा ससुर पर लगा दुष्कर्म का आरोप

संवाददत। चौपारण

चौपारण जीटी रोड के दनुआ घाटी जंगल मे रिश्ते को कलंक करने का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है. एक विवाहित महिला ने अपने चाचा ससुर और दो अन्य पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाई है. इस संबंध में महिला ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत की है. शिकायत में महिला ने कहा कि चाचा ससुर अनुज पांडा ग्राम कुरकीहार थाना वजीरगंज जिला गया, बिहार और दो अन्य प्रकाश पांडा और रामस्वरूप पांडा ग्राम बलिया, मयूरहड़ ने दुष्कर्म किया है. आवेदन के अनुसार पीड़िता का शादी 2021 में कुरकीहार गांव में हुई थी. लेकिन ससुराल वाले उसे हमेशा दहेज के लिए तंग किया जाता था. पीड़िता ने आवेदन में आरोप लगाया कि गुरुवार को ससुराल वालों ने लड़ाई के बाद उसे चाचा ससुर के साथ मायके मयूरहड़ प्रखंड जिला चतरा भेज दिया. उसे बाइक से लेकर जा थे, इस बीच वे अन्य लोगों को भी बुला लिया. महिला को दनुआ घाटी के जंगल में ले जाकर तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता के हल्ला करने के बाद तीनों भाग गया. वे किसी तरह जंगल से बाहर आई और चौपारण थाना पहुंची. इसके बाद मायके में अपने भाई और अन्य परिजनों को सूचना भेजी.

ओला की खराब सर्विस को लेकर हुआ हंगामा

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना अंतर्गत मैला टंकी के पास स्थित ओला शोरूम पर शुक्रवार को ओला ग्राहकों का गुस्सा फूट पड़ा. गुस्साए ग्राहकों ने शोरूम के शटर को बंद करवा दिया. मामले की सूचना पाकर बिष्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्राहकों से मामले की जानकारी ली. ओला ग्राहक अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने जनवरी माह में ओला की स्कूटी खरीदी थी. स्कूटी खरीदने के दौरान उन्हें कई तरह के वादे किए गए थे. अक्टूबर में स्कूटी चलते-चलते अचानक रास्ते में बंद पड़ गई. कंपनी को फोन किया तो जल्द ही टो करवाने की बात कही पर कंपनी द्वारा दूसरे दिन उनके स्कूटी को पिकअप किया गया. इसके बाद वे जब भी सर्विस सेंटर गए तब उन्हें कोई ना कोई बहाना बनाकर टाल दिया जाता. आज उनकी स्कूटी 55 दिनों से सर्विस सेंटर में ही पड़ी है पर वह अब तक ठीक नहीं हुई.

गिरिडीह में अवैध लॉटरी के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह पुलिस ने अवैध लॉटरी टिकट के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने दोनों आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन, 110 लॉटरी टिकट 13,530 रुपये नकद और एक स्कूटी बरामद किया है. सदर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी. गिरफ्तार आरोपितों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी मोहम्मद रजाक अंसारी और मास्टरमाइंड मधुपुर निवासी मोहन कुमार गुप्ता शामिल हैं. बताया गया कि अवैध लॉटरी का मास्टरमाइंड मोहन कुमार गुप्ता मधुपुर से लॉटरी को ऑपरेट करता था. एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना प्राप्त हुई थी कि अवैध लॉटरी का कारोबार फिर से फल-फूल रहा है. उनके निर्देश के बाद एक टीम गठित कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह पहाड़ीडीह स्कूल के पास खदेड़कर मोहम्मद रजाक अंसारी को पकड़ा गया. उसके पास से 50 पीस लॉटरी एक मोबाइल, जिसमें ऑनलाइन लॉटरी से संबंधित एप्प तथा लॉटरी का साक्ष्य पाया गया.

पूछताछ में उसने मास्टरमाइंड मोहन कुमार गुप्ता की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लॉटरी के अवैध कारोबार करने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया. बताया कि तीन माह पहले अवैध कारोबार करने वाले धंधेबाजों को पकड़ा गया था. इस मौके पर मुफस्सिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान, एसआई अभिषेक कुमार, एएसआई सरजू पासवान आदि मौजूद थे.

राम मड़ैया स्क्रैप टाल में खपाया जा रहा था रेलवे का स्क्रैप

दो टन स्क्रैप के साथ दो गिरफ्तार

- गिरफ्त में आए दोनों युवक जमशेदपुर जुगसलाई के रहनेवाले हैं

संवाददाता। आदित्यपुर

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आदित्यपुर पोस्ट ने दो शातिर बदमाशों को चोरी के रेलवे के सामानों के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है. गिरफ्त में आए दोनों युवक जमशेदपुर जुगसलाई के रहनेवाले हैं. इनका नाम मोहम्मद सलाउद्दीन उर्फ राजा और मोहम्मद कलीम बताया जाता है. बता दें कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र के राम मड़ैया बस्ती में अवैध टाल चल रहे हैं जिसमें चोरी के वाहनों की कटिंग और रेलवे के चुराए स्क्रैप को बेचा जाता है.

आरपीएफ आदित्यपुर पोस्ट ने इसी टाल पर छापेमारी कर दोनों आरोपियों को रेलवे के स्क्रैप के साथ गिरफ्तार किया है. रेल पुलिस ने बताया कि इनके पास से करीब दो टन रेलवे का स्क्रैप बरामद हुआ है. रेल पुलिस इस गिरोह के सरगना की तलाश में जुटी है. बताया जाता है कि राम मड़ैया बस्ती में बड़े पैमाने पर रेलवे के स्क्रैप की खरीद बिक्री का धंधा चल रहा है. रेलवे लाइन से सटे होने के कारण जमशेदपुर और आदित्यपुर के बीच रेलवे के सामानों को उतारा जाता है और यहां से स्क्रैप टाल की आड़ में रेलवे का सामान खपाया जाता है. रेल पुलिस इसको लेकर लगातार नजर बनाए हुए है. रेल पुलिस की इस छापेमारी से स्क्रैप माफियाओं में हड़कंप मच गया है चूंकि आदित्यपुर थाना क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से ताबड़तोड़ स्क्रैप टाल चलाये जा रहे हैं जहां चोरी के वाहन और रेलवे के स्क्रैप खपाये जा रहे हैं.

रेलवे पुलिस पोस्ट

पुल से नीचे गिरा ऑटो 4 घायल, एमजीएम रेफर

चांडिल। चौका थाना स्थित ज्यादा मंदिर के समीप अनियंत्रित होकर एक ऑटो पुल से नीचे गिर गया. इस घटना में ऑटो सवार चार लोग जख्मी हो गए. जानकारी के अनुसार चांडिल प्रखंड के जयदा स्थित ऐतिहासिक बुढ़ाबाबा शिव मंदिर से पूजा कर वापस लौटने के क्रम में शुक्रवार को दुर्घटना घटी.

जख्मी लोगों में कुमकुम सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, शीला सिंह और अनु सिंह शामिल हैं. सभी आदित्यपुर मांझी टोला के रहने वाले हैं. दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौका थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सभी जख्मी को उठाकर गश्ती वाहन और एम्बुलेंस से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल चांडिल भेजा. दुर्घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय समाज से भी खगेन महतो भी मौके पर पहुंचे और जख्मियों को उठाकर अस्पताल भेजने में मदद किया.

हादसा चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत ईचागढ़ प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में हुई हादसा

बिजली का पोल गाड़ रहे मजदूर की करंट लगने से मौत

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत ईचागढ़ प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में बिजली का पिलर गाड़ रहे एक बिजली कर्मी की करंट लगने से मौत हो गई. बताया जा रहा है कि पिलर गाड़ने के दौरान अचानक बिजली आ जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई. इसकी सूचना मिलते ही ईचागढ़ थाना की पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच की. पुलिस ने घटनास्थल पर शव का पंचनामा तैयार करने के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया. मिली जानकारी के अनुसार बिजली बोर्ड की ओर से संवेदक सुधांशु कुमार के द्वारा बिजली का पोल गाड़ने का काम कराया जा रहा है. शुक्रवार को काम के दौरान ठेका मजदूर देवघर जिला के करों प्रखंड के नागादुरी गांव निवासी 55 वर्षीय राम गुलाम मंडल 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आ गए. तार की चपेट में आने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सड़क किनारे बिजली तारों को ऊंचा करने के लिए नया खंभा गाड़ने का काम किया जा रहा है. फिलहाल नया पिलर गाड़ने का कार्य रघुनाथपुर गांव में किया जा रहा है, जिसमें ठेका मजदूर लाइनमैन से बिजली कटवाकर पोल गाड़ने का काम कर रहे थे. बिजली खंभा को गाड़ने के दौरान अचानक बिजली विभाग द्वारा बिजली बहाल कर दिया गया. जैसे ही बिजली आपूर्ति चालू हो गया, वैसे ही बिजली का 11 हजार बोल्ट का तार पोल से लगकर टूट गया. बिजली तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई. वहीं कुछ ठेका मजदूर घायल भी हुए हैं.

काम कर रहे मजदूर चिंतामनि सिंह ने बताया कि वे लोग बिजली का पोल गाड़ने का काम कर रहे थे. बिजली विभाग द्वारा बिजली काट दिया गया था. उन्होंने कहा कि अचानक बिजली आपूर्ति चालू कर हुआ, जिससे बिजली तार की चपेट में आने से मौके पर ही राम गुलाम मंडल की मौत हो गई. उन्होंने कहा कि लापरवाही से एक मजदूर की जान चली गई वहीं कई घायल हो गए. उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को समुचित मुआवजा दिया जाए. वहीं घटना की सुचना मिलते ही बिजली विभाग के कनीय अभियंता दिलीप कुशवाह को उग्र ग्रामीणों ने घेर कर बिजली विभाग की लापरवाही पर गुस्सा का इजहार किया.

मौके पर उपस्थित ग्रामीण.

खास बातें

- देवघर जिला के करों प्रखंड के नागादुरी गांव निवासी थे
- संवेदक सुधांशु कुमार को पोल गाड़ने का काम मिला था

सड़क दुर्घटना में मजदूर की मौत, राष्ट्रीय राजमार्ग जाम

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में वन विभाग के चेक नाका के समीप शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मजदूर कइलू भुइया गंभीर रूप से घायल हो गया. उसका प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया. रिम्स ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी.

उसकी मौत की खबर सुनकर आक्रोशित परिजन व ग्रामीणों ने मृतक का शव लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-22 जाम कर दिया. इस दौरान रांची-चतरा मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई. परिजनों ने बताया कि सड़क पार करने के क्रम में एक तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे अपने चपेट में ले लिया था. हादसे में वह गंभीर रूप से हो गया था. इलाज के लिए रांची ले जाने के क्रम में उसकी रास्ते में ही मौत हो गई. मृतक एक दिहाड़ी मजदूर था. सड़क जाम के दौरान परिजन प्रशासन से मुआवजा की मांग कर रहे थे.

रिम्स ओपीडी

सुबह 9 से दोपहर 1 और शाम 3 से 5 बजे तक

विभाग — डॉक्टर का नाम

- **मेडिसिन**: डॉ मनोज कुमार प्रसाद
- **सर्जरी**: डॉ पंकज बोदरा
- **ऑर्थोपेडिक**: डॉ जीके गुप्ता
- **न्यूरोसर्जरी**: डॉ आनंद प्रकाश
- **गायनी**: डॉ नीलम नलिनी
- टीबी एवं चेस्ट: डॉ ब्रजेश मिश्रा
- **रेडिएशन आंकोलॉजी**: डॉ रश्मि सिंह
- **सर्जिकल आंकोलॉजी**: डॉ रोहित कुमार झा
- **नेत्र**: डॉ सुनील कुमार
- **स्किन**: डॉ प्रभात कुमार
- **ईएनटी**: डॉ बिनोद कुमार सिन्हा
- **न्यूरोलॉजी**: डॉ रूपेश प्रसाद

ब्रीफ खबरें

दुलमी में मतदान केंद्रों का किया गया निरीक्षण

रामगढ़ । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग रांची के रवि कुमार ने शुक्रवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के साथ रामगढ़ विधानसभा के दुलमी एवं गोला क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों का सुपर चेक किया गया. उन्होंने निर्वाचन संबंधित प्रपत्र 7, 6 व 8 आदि की जांच करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए. अधिकारियों व निर्वाचन संबंधित कर्मियों को प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में जोड़ना सुनिश्चित करने व मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया.

सेवाटांड़ में धूमधाम से होगा माहुरी मिलन समारोह

जयनगर (कोडरमा) । माहुरी वैश्य मंडल परसाबाद की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माहुरी मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन सेवाटांड़ के कुटिया मंदिर के समीप धूमधाम से होगा. जिसे लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है. इस संबंध में माहुरी वैश्य मंडल परसाबाद के अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता ने बताया कि कुटिया मंदिर के समीप रमणीक स्थल है. जहां लोग प्रकृति का आनंद लेंगे. साथ ही सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी की जायेगी. वहीं महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजन किया जायेगा. आगामी रामलला का प्राण प्रतिष्ठा अपने गांव में धूमधाम से आकर्षक तरीके से मनाने पर भी निर्णय लिया जायेगा.

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने मारा छापा

कोडरमा । जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने में लगी है. इसे लेकर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने अवैध शराब के विरूद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिया है. इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक (प्रशिक्षु) दिवाकर कुमार के नेतृत्व में विभिन्न थाना प्रभारियों के द्वारा जिले के कोडरमा, तिलैया, चंदवारा, सतगावों, जयनगर व ढाब थानाक्षेत्र में वृहत पैमाने पर अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी किया गया. उक्त छापामारी के दौरान कुल 20 भट्ठी, 40 ड्राम एवं 50 क्विंटल जावा महुआ विनष्ट किया गया. वहीं 110 देशी महुआ शराब को जब्त किया गया. कुल 06 भट्ठी एवं 01 शराब विक्रेता के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया है.

जनता दरबार में विद्यालय में सेवा देने, अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने जैसे मामले आए

डीसी ने जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद

संवाददाता । कोडरमा

उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया. जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. वहीं उपायुक्त ने सभी लोगों से एक-एक कर समस्याएं सुनी और सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने के लिए आश्वासन दिये. जनता दरबार में विद्यालय में सेवा देने, अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने, फर्जी कागजात के आधार पर जमीन बिक्री करने, धान की राशि भुगतान करने, सड़क पर अतिक्रमण करने और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने समेत कई मामलों में आवेदन दिया. ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सभी आवेदनों की जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिये.

जनता दरबार में आए एक दर्जन से अधिक मामले

हजारीबाग । उपायुक्त नैंसी सहाय ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया. साप्ताहिक आयोजित होने वाले जनता दरबार में जिलेवासियों की समस्याओं के निवारण के लिए उपायुक्त के समक्ष लगभग एक दर्जन से अधिक मामलों के आवेदन आए. जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के समस्याओं से निष्पादन की आस लिए आए नागरिकों के फरियाद को सुन उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत न्यायसंगत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. उपायुक्त आयोजित जनता दरबार में फरियादियों द्वारा आम गैर मजरूआ रास्ता में जबरन मकान बनाने के संबंध में, एलपीसी निर्गत करने के संबंध में, पारिवारिक विवाद निपटारा के संबंध में, अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान के संबंध में, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में, पीएम आवास योजना में अनियमितता के संबंध में, खतियानी जमीन हड़पने के संबंध में, भू रैयतों का मुआवजा भुगतान करने के संबंध में एवं इस दौरान रोजगार, मनरेगा, भूमिअधिग्रहण, आवास, राशन आदि समस्याओं से संबंधित आवेदन आए.

प्रॉपर्टी बाजार

- **लोकेशन- बड़कागांव बादम रोड**
- **जमीन का दर :** ढाई लाख रुपए डिसमिल
- **बस स्टैंड से दूरी :** आठ किलोमीटर
- **रेलवे स्टेशन से दूरी :** 25 किलोमीटर
- **आवागमन का साधन :** कार, ऑटो, बस, बाइक
- **आसपास के स्कूल :** हरली हाई स्कूल
- **पास का सब्जी बाजार :** हरली बाजार

हेल्थ अलर्ट

अस्पताल का नाम : शांति सेवा सदन, हजारीबाग रोड, बड़कागांव

- **कुल बेड :** 25
- **आईसीयू :** नहीं
- एंबुलेंस : हां
- **साफ-सफाई :** बेहतर
- **पार्किंग सुविधा :** हां
- **चिकित्सक :** सर्जन डॉ. उत्कृष्ट और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आभा चौधरी
- **विशेषज्ञ :** सर्जन और स्त्री रोग विशेषज्ञ
- **सुविधाएं :** सोमवार से रविवार 24 घंटे इलाज, एक ऑपरेशन थिएटर, मेडिकल दुकान, लेबर रूम व इसीजी की सुविधा

घूमें-फिरें

- **स्थल का नाम : गट्टीकोचा पिकनिक स्पॉट**
- शहर से कितनी दूर : हजारीबाग से करीब 46 किमी और बड़कागांव से 16 किमी
- शहर में कहां है : बड़कागांव के महुंगाई कला पंचायत स्थित हाहे गांव के समीप
- कैसे पहुंचेंगे : कार, ऑटो या बाइक से
- पहुंचने का रूट क्या है : हजारीबाग से बड़कागांव बादम होते हुए
- क्या-क्या है खास : सालों भर कल-कल करता झरना, जंगल और पहाड़ी का मनोरम दृश्य, सेल्फी प्वाइंट

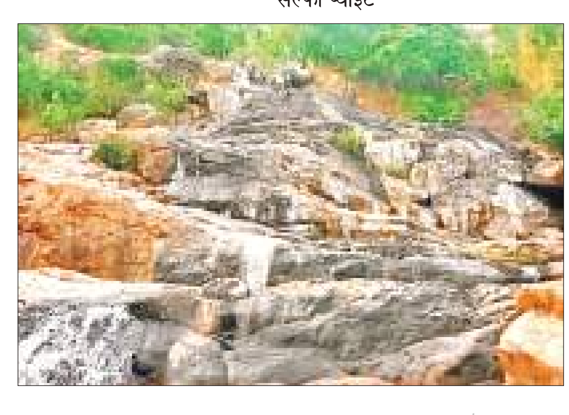

झारखंड यूथ फेडरेशन ने किया वन भोज कार्यक्रम का आयोजन

स्वच्छता पर है विशेष ध्यान रखने की जरूरत : यमुना

संवाददाता । बरकट्ठा

झारखंड यूथ फेडरेशन व आदर्श समाज निर्माण मंच संगठन के तत्वावधान में शुक्रवार को सलैया में स्थित कान्हवां जंगल में वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी टिंकू प्रसाद व संचालन छोटी रविदास के द्वारा किया गया. कार्यक्रम में वन भोज के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा व आधुनिक सामाजिक परिदृश्य जैसे विषयों पर परिचर्चा की गई.

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने वक्तव्य के माध्यम से बारी-बारी से गहनतापूर्वक चर्चा किए और अपने विचारों से लोगों को जागरूक किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदर्श समाज निर्माण मंच के अध्यक्ष दिनेशेश्वर महतो ने कहा कि आज की वर्तमान परिपेक्ष्य में देश की बढ़ती जनसंख्या के कारण लोगों की आवश्यकता बढ़ रही है. जिसके फलस्वरुप लोग अपनी आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए हर तरफ से पर्यावरण का दोहन कर रहे हैं. जिसके परिणामस्वरूप आज पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन के कारण ग्लोबल वार्मिंग, सुखाड़ और वायु प्रदूषण जैसे गंभीर समस्याओं को लेकर लोग चिंतित हैं. वहीं सामाजिक कुरीतियों की बात करें तो वर्तमान समय में लोग अनेकों सामाजिक कुरीतियों के कारण शिकार बन रहे हैं, जैसे दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, शादी विवाह कार्यक्रम में फिजूल के खर्च को सामाजिक बोझ बताया. जिसमें गरीब वर्ग के लोग दिखावे में इस बोझ तले दबे जा रहे हैं. जो समाज के लिए बहुत ही भयावह स्थिति है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद प्रतिनिधि यमुना साव ने कहा कि पेड़ पौधों की सुरक्षा के साथ-साथ प्लास्टिक के प्रयोग में नियंत्रण करना जरूरी है. वहीं स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है.

मौके पर जिप सदस्य प्रतिनिधि चंद्रकांत पाण्डेय, शिक्षक रामकृष्ण प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि केदार साव, मुखिया कलावती देवी, रविकांत चौधरी, शिक्षक डॉक्टर प्रकाश कुमार, अर्जुन चौधरी, सुनील कुमार चौधरी, शिक्षक शशि भूषण प्रसाद, मनोज कुमार, प्रमोद प्रसाद, शिक्षक रामचंद्र प्रसाद, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, मुखिया इंद्रदेव प्रसाद, समाजसेवी छोटेलाल मेहता, सुरेश कुमार पाण्डेय, मुनीलाल प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, सतीश चौधरी, शिक्षक मुरलीधर महतो, आशिष कुमार पाण्डेय, परमेश्वर प्रसाद, अरविंद कुमार, श्याम प्रसाद वर्णवाल, बासुदेव प्रसाद मंडल, संतोष चौधरी सोनू लाल चौधरी, रवि प्रसाद मनोज कुमार, भीम कुमार सुंदर दास, भारती राजीव भूषण रामदेव प्रसाद और महेंद्र प्रसाद समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे.

वन भोज कार्यक्रम में झारखंड यूथ फेडरेशन व आदर्श समाज निर्माण मंच के सदस्य मौजूद.

दिये विचार

- जनसंख्या के कारण लोगों की जरूरतें बढ़ रही हैं
- पर्यावरण असंतुलन के कारण सुखाड़ हो रहा है
- इससे वायू प्रदूषण की अब समस्या हो रही है

कांग्रेसियों ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

विष्णुगढ़ । प्रखंड कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में पार्टीजनों ने गुरुवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया. कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय तथा राज्य नेतृत्व के निर्देशानुसार किया गया था. इस मौके कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा ने पार्टी की उपलब्धियों की चर्चा की. विशेश्वर स्वर्णकार ने स्वतंत्रता आंदोलन में पार्टी की भूमिका का बखान किया. जिला सचिव रामजन्म राय तथा प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष बंटी मिश्रा ने देशहित में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी तथा अन्य नेताओं के बलिदानों की चर्चा की. स्थापना दिवस के मौके पर यूथ कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार बर्म्मन, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष शिव प्रसाद लहकार, प्रखंड सचिव जगदीश प्रसाद बर्म्मन मौजूद थे.

एलिम्को ने दिव्यांगों के लिए लगाया शिविर

जयनगर (कोडरमा) । जयनगर प्रखंड मुख्यालय परिसर में एलिम्को कंपनी द्वारा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में सैकड़ों दिव्यांगजन उपस्थित हुए. इस दौरान कुल 88 दिव्यांगजनों का मूल्यांकन करने के लिए उनका आवेदन लिया गया. कंपनी के कर्मचारियों ने बताया कि इनलोगों का आवेदन लेकर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. जिसके बाद इन सभी का आवश्यकता अनुसार यंत्र बनाकर अगले शिविर में इसका वितरण किया जाएगा. इस दौरान दिव्यांगजनों के आवेदन जमा करने में जेएसएलपीएस से संतोष कुमार, समाजसेवी अरमान खान, नईटांड़ के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि इरशाद आलम सहित कई लोगों ने सभी दिव्यांगजनों की मदद की.

खान-पान

रेस्टूरेंट का नाम : मुस्कान बार एंड रेस्टोरेंट

- **किस स्थान पर है :** तलसवार प्रखंड मुख्यालय से 7 किमी दूर उरीमारी रोड बड़कागांव
- **नाश्ते में क्या :** पूड़ी-सब्जी, छोला-भटूरा
- **दिन के भोजन में क्या :** जीरा राइस, रोटी, चिकन, मिक्स वेज
- **रात के भोजन में क्या :** रोटी, दाल, चिकन आइटम, पनीर
- **खास क्या है :** चिकन चिली, पनीर मसाला
- **वेज-नॉनवेज :** दोनों
- **चाइनीज आइटम :** है
- **होम डिलिवरी :** देते हैं
- संचालक प्रमोद उर्फ पिंटू कहते हैं कि उनके रेस्टूरेंट में साफ-सफाई के साथ ग्राहकों को पसंदीदा स्वादिष्ट नाश्ता एवं भोजन कराना पहली प्राथमिकता है.

एनटीपीसी ने पेटो पंचायत में लगाया फ्री हेल्थ कैंप

संवाददाता । केरेडारी

एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा पेटो पंचायत मे निःशुल्क हेल्थ कैंप लगाया गया. इस कैंप मे फ्री डेंटल और आंखों की जांच ग्राम निवासियों को उपलब्ध करवाई गयी. एनटीपीसी परियोजना द्वारा आयोजित कैंप मे 91 निवासियों की डेंटल चेकअप और 81 निवासियों की आंखों की जांच की गयी.

यह निःशुल्क हेल्थ कैंप चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आयोजित किया गया था. इस मुहीम में हज़ारीबाग कॉलेज ऑफ़ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल और श्रीनिवास मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भी सहयोग एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना को मिला.

डॉक्टरों की टीम ने स्थानीय गांव वालो की जांच करने के साथ-साथ उन्हें अच्छी स्वच्छता और स्वस्थ आदतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया. यह मेडिकल कैंप चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा खनन प्रभावित लोगों के सुरक्षित सेहत के लिए समय-समय पर आयोजित की जाती है.

बीएसएफ मेरू में वार्ब की बैठक

संवाददाता । दारू

सीमा सुरक्षा बल, नयी दिल्ली के निर्देशानुसार वार्ब के तत्वावधान में प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरू परिसर स्थित परिवार कल्याण केन्द्र में राजेश कुमार, उप महानिरीक्षक जो कि वर्तमान समय में महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय का कार्यभार संभाले हुए है, की अध्यक्षता में किया गया.

जहां झारखंड व निकटवर्ती राज्यों में रहने वाले केन्द्रीय पुलिस बलों के सेवानिवृत कार्मिकों व उनके आश्रितों की पेंशन व रिटायमेंट लाभ में उत्पन्न विसंगतियों के लिए एक ही पटल पर सुनवाई व निवारण के लिए वार्ब मीटिंग का आयोजन किया गया. विदित हो कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश की अमूल्य धरोहर केन्द्रीय पुलिस बलों के पेंशन भोगी सेवानिवृत कार्मिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास और कल्याण के लिए वार्ब का गठन किया गया है. वार्ब बैठक में 50 से अधिक सेवानिवृत कार्मिक और उनके आश्रित उपस्थित थे.

इस दौरान राजेश कुमार, उपमहानिरीक्षक कैंप के सक्षम अधिकारी, अनुभवी लेखा अधिकारी, अनुसचिवीय स्टाफ और अन्य सम्बंधित विभागों के प्रभारी, सेवानिवृत कार्मिकों एवं आश्रितों की समस्याओं के निवारण के लिए उपस्थित थे. बैठक में सेवानिवृत कार्मिकों एवं आश्रितों की पेंशन से जुड़ी समस्याओं का निवारण किया गया. साथ ही पुनर्वास व कल्याण संबधित जानकारी एवं भविष्य में सेवानिवृत कार्मिकों व उनके आश्रितों के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया गया.

बैग की दुकान में लगी आग लाखों के सामान हुए खाक

संवाददाता । हजारीबाग

कचहरी चौक के समीप गुरुवार की रात एक बैग दुकान में आग लग गई. इससे दुकान संचालक को लाखों का नुकसान हुआ. दूकान के अंदर रखे गए सैकड़ों बैग और अन्य सामान जल कर राख हो गये. दुकानदार ने बताया कि गुरुवार को प्रतिदिन की तरह शाम में दुकान बंद कर वह घर चले गए. शुक्रवार को सुबह पहुंचे तो देखा कि दुकान से धुआं निकल रहा है. अंदर जाकर देखा तो लाखों का बैग जलकर राख हो गया है.

उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया. दुकानदार ने बताया कि यहां 50 वर्षों से दुकान चला रहे हैं. बाल बच्चों का परवरिश यहीं से हो चल रहा है. लेकिन आज तक ऐसी घटना नहीं हुई थी. लगता है किसी असामाजिक तत्व ने इस घटना को अंजाम दिया है. किसी ने दुश्मनी साधने के मकसद से आगजनी की घटना की है. इधर सदर थाना पुलिस ने बताया कि रात में कई जगह लोग अलाव तापते हैं. साथ में बीड़ी, गांजा, सिगरेट पीते हैं. संभावना है कि अलाव तपने वाले लोगों ने ही आग जलाकर छोड़ दिया होगा. जिससे यह घटना हुई. फायर ब्रिगेड पदाधिकारी रविंद्र ठाकुर ने बताया कि फिलहाल वह बाहर हैं.

टूर्नामेंट — एनटीपीसी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग संस्थान में मनायी गयी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

खेल एक दूसरे की भावनाओं को जोड़ने का माध्यम: जीएम

संवाददाता । बड़कागांव

एनटीपीसी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग संस्थान ढेंगा में चल रहे 11 दिवसीय फिट इंडिया के तहत कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, चेस, कैरम बोर्ड, गोला फेंक समेत वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. जिसका समापन शुक्रवार को संस्थान के प्राचार्य मिथिलेश कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में किया गया.

कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि एनटीपीसी कोयला खनन परियोजना पंकरीबरवाडी के महाप्रबंधक पंकज धयानी ने वॉलीबॉल मैच इलेक्ट्रीशियन वर्सेस वेल्डर व्यवसाय के प्रशिक्षु से हाथ मिलाकर और वॉलीबॉल के एस्कॉर्ट पर पहले सर्विस कर मैच का शुभारंभ किया. साथ ही पूरे मनोरंजन और आनंद के साथ वॉलीबॉल मैच का लुफ्त उठाया.

वॉलीबॉल में वेल्डर को पराजित कर इलेक्ट्रीशियन के नाम खिताब जीता. मौके पर मुख्य अतिथि पकंज धयानी ने कहा कि खेल एक दूसरे भावनाओं को जोड़ने का माध्यम है. जीवन में अगर सच्ची पूंजी है तो आपका स्वास्थ्य है. खेलकूद से कई तरह की बीमारियों से निजात पाया जा सकता है. वहीं संस्थान के प्राचार्य मिथलेश कुमार उपाध्याय ने प्रशिक्षु को संबोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. भविष्य में भी इस तरह का आयोजन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि खेल से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. जो आने वाले समय में खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित होता है. यही नहीं कामकाज में भी ध्यान लगता है. मैच कमेंट्री और मंच संचालन संस्थान के प्रौद्योगिकी अनुदेशक प्रदीप कुमार ने किया. 11 दिवसीय खेल में श्रीनाथ श्री का योगदान रहा. मौके पर मुख्य अतिथि पंकज धयानी, संस्थान के प्राचार्य मिथिलेश कुमार उपाध्याय, अनुदेशक प्रदीप कुमार, संदीप कुमार मौर्य, तरुण कुमार रंजन, मुकेश कुमार, अमरेश कुमार विद्यार्थी, विकास कुमार चौरसिया, श्रीनाथ श्री, उपेंद्र कुमार, संजीत मेहता, प्रदीप गुप्ता, महेश नायक, शाहिद अख्तर, इरफान अंसारी, सुनील सिंह, रवि प्रजापति एवं तीनों व्यवसाय के सभी प्रशिक्षु मौजूद थे.

बोले पंकज

- खेलकूद से कई समस्याओं से निजात पायी जाती है
- जीवन में अगर सच्ची पूंजी है तो वह है आपका स्वास्थ्य

अवैध पत्थर खदान पर छापामारी

संवाददाता । हजारीबाग

खान निरीक्षक, अंचल अधिकारी, चलकुशा, प्रभारी अंचल निरीक्षक, चलकुशा एवं जिला पुलिस बल, पुलिस केन्द्र, हजारीबाग द्वारा संयुक्त रूप से चलकुशा थाना के मौजा पसेरिया में अवैध पत्थर खदान पर औचक छापामारी की गई.

यह छापेमारी उपायुक्त एवं जिला खनन पदाधिकारी, हजारीबाग के निदेशानुसार किया गया. छापामारी के क्रम में अवैध पत्थर उत्खनन स्थल में खनन कार्य में प्रयुक्त वाहन जेएच02बीजी-2806, लगभग 500 सीएफटी पत्थर, एक एक्सप्लॉडर, एक हैंड ड्रिल मशीन एवं अन्य सामग्री को जब्त किया गया. मौके पर वाहन चालक मनोज यादव, उम्र 35 वर्ष, पिता बाबुलाल यादव, ग्राम पपरवा, पो०- सड़िया, थाना- जयनगर, जिला- कोडरमा एवं चालक बिनोद यादव, उम्र-37 वर्ष, पिता स्व० किशुन यादव, ग्राम बेहराबाद, पो०- बरकनगांगो, थाना बरही, जिला- हजारीबाग को गिरफ्तार किया गया. वहीं चलकुशा थाना में इस अवैध कार्य में प्रयुक्त हाईवा एवं पोकलेन के मालिक एवं चालक, अवैधकर्त्ता मिथिलेश यादव एवं अन्य अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई.

जिसका थाना कांड संख्या 52/23, दिनांक 28.12.23 है. छापामारी के बाद हजारीबाग लौटने के क्रम में बरकट्ठा थाना के अंचल कार्यालय के मुख्य गेट के सामने, राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अवैध बालू लगभग 100 सीएफटी लदे ट्रैक्टर एवं बरही थाना के बिचौलिया मोड़ के पास एक अवैध स्टोन चिप्स लगभग 550 सीएफटी लदे हाईवा को जब्त किया गया. साथ ही बरही थाना के बिचौलिया मोड़ के पास खनिज लदे वाहनों की भी जांच की गई.

जोन्हा फॉल

- सज धज पर तैयार हो गए हैं राज्य के पर्यटक स्थल
- प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता तैयारी है
- रेस्तरां, होटलों में भी मनोरंजक कार्यक्रम की हो रही तैयारी

वर्ष 2023 विदा होने वाला है और नया साल 2024 की दस्तक शुरू हो गई है. इसी आहत के बीच लोग पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत की तैयारी में जुट गए हैं. इस लिहाज से राज्य के पिकनिक स्थल सज कर तैयार हो चुके हैं. कहा जाए तो इन स्थलों पर अभी से सैलानियों का आना-जाना शुरू हो गया है. रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर, चाईबासा सहित अन्य जिलों के पिकनिक स्थल गुलजार होने लगे हैं. इन स्थलों की तैयारी दिसंबर माह के पहले सप्ताह से ही शुरु हो गई थी. प्रशासनिक स्तर से भी पर्यटक स्थलों में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं. नए साल में पिकनिक का सिलसिला पूरे जनवरी तक जारी रहता है. इस समय राज्य के आसमान में हल्के बादलों के बीच धूप की लुका-छिपी चल रही है. मौसम सर्द होने की वजह से धूप काफी राहत दे रही है. अगले दो दिनों में ठंड का तीखापन और बढ़ने वाला है. बावजूद सैलानी पिकनिक के लिए मनोरम स्थलों में जाने की तैयारी कर रहे हैं. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के पर्यटक स्थलों की जानकारी हासिल की है. पेश है रिपोर्ट.

2023 की विदाई और 2024 के स्वागत की तैयारी

नदियों, पहाड़ों के संग

आ गई ठंडी हवा, गुनगुनी धूप में अपनों के साथ मस्ती का मौसम

नए साल का जश्न

किरीबुरु

पर्यटकों से गुलजार है टोयबो झरना

सारंडा स्थित दर्जनों प्राकृतिक जल श्रोत अथवा झरनों में सबसे ऐतिहासिक टोयबो झरना कई वर्षों बाद एक बार पुनः बाहरी व स्थानीय पर्यटकों से गुलजार हो गया है. वर्ष 2000 के आखिरी महीनों तक यहाँ पर्यटक आते रहे थे. लेकिन उसके बाद सारंडा में अचानक बढी.नक्सल गतिविधियां व अनेक दिल दहला देने वाली नक्सली घटनाओं के बाद यह क्षेत्र विरान हो गया था. जहां पर्यटक नक्सलियों के भय से जाना छोड़ दिया था. पर्यटकों के इन जल श्रोतों तक नहीं जाने की वजह से सारंडा के ग्रामीणों व स्थानीय बेरोजगारों के सामने आर्थिक समस्या उत्पन्न हो गयी थी.

कैंप बना कर रहते थे नक्सली

सारंडा में जब नक्सलियों का एकक्षत्र राज कायम था, तब बडे.नक्सली नेता व कैडर टोयबो झरना के ऊपर पहाड़ी पर हीं अपना स्थायी कैंप बना कर रहते थे. क्योंकि यहां पानी की पर्याप्त व्यवस्था के साथ-साथ इस पहाड़ी से दूर-दूर तक पुलिस की गतिविधियां को देखा जा सकता था. 2011 में सीआरपीएफ व पुलिस ने औपरेशन चला कैंप को ध्वस्त किया था. टोयबो झरना की किरीबुरू से दूरी लगभग 35 किलोमीटर और थलकोबाद से लगभग आठ किलोमीटर है. जहां जाने का एक मात्र फौरेस्ट कच्ची सड़क है है. इस झरने के दस किलोमीटर परिधि में वन विभाग की थलकोबाद गेस्ट हाउस, लिगिर्दा गुफा सह दलदली क्षेत्र, जाटीसेरेंग चेकडैम आदि अनेक प्राकृतिक व ऐतिहासिक पर्यटक स्थल हैं. सुरक्षा की दृष्टिकोण से थलकोबाद, जुम्बईबुरु और करमपदा स्थित सीआरपीएफ का स्थाई कैंप है जो पर्यटकों को निरंतर सुरक्षा का एहसास कराता है. क्षेत्र के ग्रामीण भी पर्यटकों के लिये निरंतर सहयोगी की भूमिका अदा करते रहे हैं. इसके अलावे घाघीरथी, पुण्डुल, झिंकरा, पचरी, कुमडीह झरना अथवा नाला जिसका पानी ऊंची पहाड़ियों से गिरता है. मेघालया सनसेट प्वाइंट, हिल्टौप सनराईज प्वाइंट, बराईबुरु फौरेट गेस्ट हाउस के समीप कारो नदी तट, पंचमुखी हनुमान मंदिर बोकना के समीप कारो नदी तट आदि पाकनिक मनाने का प्रसिद्ध स्थल है जहां भारी तादाद में लोग परिवार साथ अभी से हीं पाकनिक मनाने जा रहे हैं. सभी की दूरी किरीबुरु से लगभग 10 से 20 किलोमीटर की है.

चक्रधरपुर

विरासत में पोड़ाहाट अनुमंडल को मिली है सुंदरता
पर्यटकों को लुभाती हैं पहाड़ी नदियां
पिकनिक स्पॉटों पर उमड़ती है भीड़

पोड़ाहाट अनुमंडल की प्राकृतिक सौंदर्य व मनोरम दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खिंचती है.यहां के पहाड़ी नदियों की अठखेलियां के साथ-साथ कलकल करते झरने पर्यटकों को खूब लुभाती है.पोड़ाहाट अनुमंडल में हरियाली, सौंदर्य मानों विरासत में मिली है. यहां कभी ब्रिटिश हुकूमत के समय देश-विदेश से सैलानी यादगार पल बनाने चले आते थे. नव वर्ष पर पिकनिक मनाने के लिए इन स्थानों पर झारखंड राज्य के अलावे देश के अन्य राज्यों से पर्यटक यहां पहुंचते हैं.इसके साथ ही प्रसिद्ध केरा माता भगवति मंदिर भी चक्रधरपुर प्रखंड की केरा गांव में स्थित है. नव वर्ष पर पूजा अर्चना के लिए यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है.

हिरणी फॉल: रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग पोड़ाहाट अनुमंडल के बंदगांव प्रखंड में प्रकृतिक सौंदर्य से भरा प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हिरणी फॉल है. यहां की प्रकृति छटां सबका मन मोह लेती हैं. 200 फीट ऊंचाई से गिरता पहाड़ों से झरना, पार्क, वाच टावर, पहाड़ों के बीच बनी सीढ़ियां, चारों तरफ हरियाली से भरा हिरणी फॉल है. जहां सालों भर सैलानियां आते हैं. रांची से खुटी होकर या फिर चक्रधरपुर से कराईकेला होकर सड़क मार्ग से हिरणी फॉल पहुंचा जा सकता है.रांची से हिरणी फॉल की दूरी लगभग 65 किमी है. जबकि चक्रधरपुर से हिरणी फॉल की दूरी लगभग 42 किमी है.

नकटी डैम: चक्रधरपुर से 15 किमी की दूरी पर नकटी डैम अपनी मोहक सुंदरता के कारण विख्यात हो चुका है. यहां पर्यटकों को मनमोहक दृश्य खासे आकृषित करता है. डैम में पिकनिक के शौकिनों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है.डैम के आसपास पहाड़ों की सुदंरता लोगों को काफी मनमोहक लगती है.वहीं वन विभाग व पर्यटन विभाग की ओर से डैम की खूबसूरती बढ़ाने के लिए डैम में बोटिंग की व्यवस्था शुरु करायी गई है. जब से यहां बोटिंग शुरु हुई है,दूर दराज से पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते हैं.साथ ही आसपास के सुंदर नजारों को भी पहले से ज्यादा संवारा गया है.

पम्प डैम : चक्रधरपुर के पम्प डैम में भी नव वर्ष पर पिकनिक मनाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती है. चक्रधरपुर के लगभग ढाई से तीन किमी की दूरी पर स्थित इस डैम के बगल में पुल का निर्माण हो जाने से पहाड़ों की सुंदरता के बीच लोग जमकर तस्वीरें खिंचवाते हैं. शहर से ज्यादा दूर नहीं होने के कारण पिकनिक मनाने के लिए लोग इसे सर्वोत्तम जगह मानते हैं.

पनसुवा डैमव : पोड़ाहाट अनुमंडल की सोनुवा प्रखंड के सोनुवा से लगभग आठ किमी की दूरी पर पन्सुवा डैम है. सोनुवा-गुदड़ी मार्ग पर पंसुवा डैम प्राकृतिक सौंदर्य की बेहतर मिसाल है. यहां माता पाउड़ी की भी मंदिर है. जहां डैम में पिकनिक मनाने के लिए आने वाले लोग माता के दर्शन करते हैं.पंसुवा डैम में स्थानीय लोगों द्वारा मछली पकड़ने के लिए नौका भी रखे जाते हैं. इन नौकाओं पर बैठकर यहां आने वाले पर्यटक पंसुवा डैम की सुंदरता का आनंद उठाते हैं. साथ ही यहां बोटिंग भी शुरु की गई है. सोनुवा से यहां पहुंचने के लिए पहले चक्रधरपुर या सोनुवा स्टेशन पर उतरकर सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है.

गिरिडीह

गिरिडीह का खंडोली नए साल 2024 के स्वागत के लिए तैयार

सैलानियों को आकर्षित करती है यहां की मनोरम वादियां

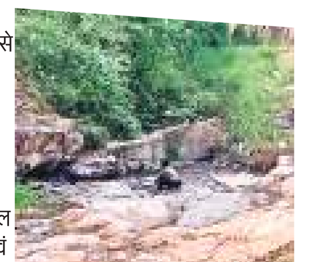

प्रकृति की गोद में बसा गिरीडीह का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खंडोली नव वर्ष के स्वागत को पूरी तरह तैयार है. पर्यटन स्थल में दुकानें सज गई हैं. बच्चों के मनोरंजन एवं मस्ती के लिए कई प्रकार झूलें लगाई गई है. खंडोली पार्क रंग बिरंगे फूलों से सजा हुआ है. पर्यटक खंडोली में घुड़सवारी और यहां के विशाल जलाशय में बोटिंग का आनंद उठा रहे हैं. जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर गिरीडीह- दुमका मार्ग एनएच 114 ए के किनारे बेंगाबाद थाना अंतर्गत स्थित खंडोली अपनी भौगोलिक बनावट और मनमोहक छटाओं के कारण पूरे देश भर में एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना रहा है. एक तरफ खंडोली का बड़ा सा पहाड़ और दूसरी तरफ विशाल जलाशय के बीच खंडोली स्थित खंडोली पार्क यहां की खूबसूरती को बढ़ाती है और पर्यटक बरबस खिंचे चले आते हैं. यूं तो सालों भर खंडोली में पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है. मगर शरद ऋतु में यहां का नज़ारा बेहद अलग होता है. खंडोली में बाहरी सैलानियों की भीड़ लगने लगी है. पूरा पर्यटन स्थल सैलानियों की भीड़ से पटा नजर आ रहा है. नव वर्ष के अवसर पर खंडोली में गिरीडीह के अलावे झारखंड के विभिन्न जिलों एवं बिहार, बंगाल समेत अन्य प्रदेशों के सैलानी पहुंच रहे हैं और खंडोली की हसीन वादियों का लुत्फ उठा रहे हैं. पर्यटक यहाँ सैर सपाटे और पिकनिक के साथ खंडोली जलाशय में नौका विहार का भरपूर आनंद ले रहे हैं. जनवरी से फरवरी महीने तक बाहरी पर्यटकों का खंडोली पहुंचने का सिलसिला चलता रहता है.

पर्यटकों को मिला सुरक्षित माहौल

पर्यटकों को सुरक्षित माहौल देने के लिए हालिया दिनों में खंडोली में पुलिस चौकी खोला गया है. पुलिस चौकी खुलने के बाद यहाँ पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है. पर्यटक अपने परिवार के साथ भयमुक्त माहौल में पिकनिक का लुत्फ उठा रहे हैं. काफी संख्या में स्थानीय एवं बाहरी सैलानी महिलाओं एवं बच्चों के साथ नव वर्ष मनाने खंडोली पहुंच रहे हैं.

रांची

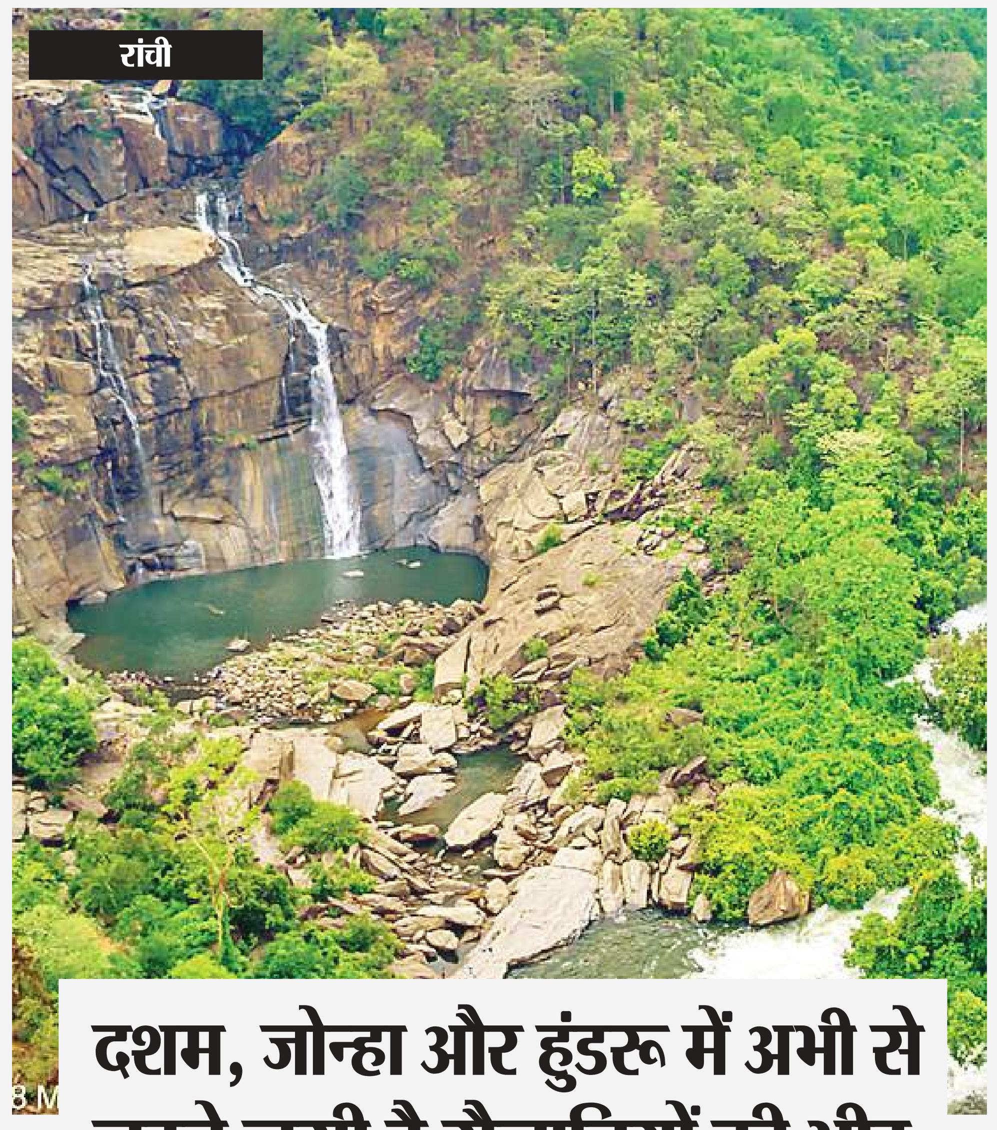

दशम, जोन्हा और हुंडरू में अभी से जुटने लगी है सैलानियों की भीड़

नए साल को लेकर रांची और आसपास के पिकनिक स्थल सज गए हैं. कुछ लोग 2023 को विदाई देने के लिए अभी से पहुंचने लगे हैं. वहीं बहुत से लोग नए साल में वहां जाने का मन बना रहे हैं. नव वर्ष के आगमन को लेकर लोगों में अभी से उत्साह देखा जा रहा है. इस अवसर पर जलप्रपातों व जलाशयों के किनारे लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है. आप भी अगर परिवार के साथ इन स्थलों में जाना चाहते हैं तो हम आपको उन बेहतरीन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप परिवार के साथ कुछ समय बिताकर तरोताजा महसूस कर सकते हैं. रांची में दशम , जोन्हा और हुंडरू तीन दर्शनीय फॉल हैं.

दशम फॉल
रांची से 34 किमी दूर रांची-टाटा रोड में स्थित इस झरने की ऊंचाई 144 फीट है. इस डैम की विशेषता यह है कि जब झरने से पानी नीचे गिरता है तो पानी की 10 धाराएं एक साथ गिरती दिखाई देती हैं.जो देखने में काफी मनोरम होता है. वहां लोगों का जाना शुरु हो गया है.

जोन्हा फॉल
जोन्हा फॉल रांची-पुरुलिया राजमार्ग पर स्थित है. वह रांची से लगभग 45 किलोमीटर दूर है. फॉल के पास भगवान बुद्ध को समर्पित एक मंदिर है, जहां आप शांति का परम सुख प्राप्त कर सकते हैं. इसे गौतमधारा के नाम से भी जाना जाता है.

हुंडरू फॉल
रांची-पुरुलिया रोड पर स्थित रांची से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह जलप्रपात झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है. यह फॉल 320 फीट की ऊंचाई से गिरता है, इतनी ऊंचाई से गिरते पानी का नजारा देख लोगों को यादगार और अनोखा अनुभव प्रदान करता है. लगातार गिरते पानी से कटाव के कारण चट्टानों की विभिन्न संरचनाओं ने इस स्थल की सुंदरता को और भी बढ़ा दिया है. इस स्थल को एडवेन्चर के लिए लोकप्रिय ट्रैकिंग स्थलों में से एक माना जाता है.

खूंटी का पंचघाघ फॉल
राजधानी रांची से लगभग 51 और खूंटी जिला मुख्यालय से 9 किलोमीटर दूर स्थित पंचघाघ फॉल पांच झरनों का संयोजन है. यह झरना बनई नामक प्रसिद्ध नदी के टूटने से बना है. यहां पानी कम ऊंचाई से गिरता है, जिससे पर्यटकों के लिए पानी के तेज बहाव में आनंद लेना सुरक्षित हो जाता है. झरने के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता इसे और अधिक सुंदर और शांतिपूर्ण बनाती है जिसके कारण ज्यादातर लोग यहां परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचते हैं.

हिरणी फॉल
रांची से 70 किलोमीटर दूर, 121 फीट उंचाई पर स्थित साल फॉरेस्ट बीच हिरणी फॉल की प्राकृतिक सुंदरता लोगों को दूर-दूर से आकर्षित करती है. लोग नए साल पर यहां अपने परिवार और दोस्तों के साथ आकर हरे-भरे पेड़ पौधों और जंगलों के बीच पिकनिक का आनंद उठाते है.

नकटी डैम
रांची से 101 किलोमीटर दूर यह डैम पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. इसकी उंचाई 123 फीट है. पहाड़ों के बीच घने जंगलों से घिरा यह डैम लोगों को खूब आकर्षित कर रहा है. प्रकृति की गोद में बसा यह स्थल मानो धरती पर छुपा हुआ स्वर्ग है.

चांडिल डैम
राजधानी रांची से 96 किलोमीटर दूर स्वर्णरेखा नदी पर बना चांडिल डैम प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत स्थान है. बांध की ऊंचाई 220 मीटर है और इसके जल स्तर की ऊंचाई 190 मीटर है. वहीं बांध के करीब स्थित संग्रहालय में चट्टानों पर लिखी गई लिपियां हैं, जो 2000 साल पुरानी हैं. यहां आने वाले पर्यटक नौकायन से बांध के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाते हैं.

लातेहार

हरी भरी वादियां, ऊंचे नीचे पर्वत, जंगलों में महुआ व पलास की खुशबू यह एक छोटा सा परिचय है लातेहार जिला है. कहना गलत नहीं होगा कि प्रकृति ने लातेहार को फुर्सत से संवारा है. इसकी प्राकृतिक सुंदरता को शब्दों में समेटना मुश्किल है. लातेहार में राष्ट्रीय स्तर के नेतरहाट व बेतला जैसे रमणिक स्थल हैं. लेकिन कई स्थल ऐसे भी हैं जिसकी खुबसूरती अन्य किसी से कम भी नहीं लेकिन उसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं किया जा सका है.

झारखंड का सबसे उच्चा जलप्रपात है लोध फॉल: झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 100 किलोमीटर दूर लातेहार जिला के महुआडांड़ अनुमंडल में लोध जलप्रपात एक दर्शनीय और मनोरम स्थल है. महुआडांड़ से 15 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम दिशा में अवस्थित यह जल प्रपात झारखंड राज्य का सबसे उच्चे जलप्रपातों में शुमार है. बुढ़ा नदी पर अवस्थित होने के कारण इसे बुढ़ा घाघ भी कहते हैं. यहां तकरीबन 150 मीटर की ऊँचाई से नीचे पानी गिरता है. इतनी उंच्चाई से गिरते पानी को देखने पर लगता है कि यहां चांदी की कोई परत पड़ी हो. जिस स्थान पर पानी गिरता है वह समुद्रतल से 800 मी. की ऊँचाई पर है.

जरूरत है सुविधायें बढ़ाने की : यहां सालों भर पर्यटक आते हैं खास कर बरसात के दिनों में यहां हमेशा भीड़ लगी रहती है. लोगों का कहना है कि अगर यहां पर्यटन सुविधायें बढ़ा दी जाये तो यहां सैलानियों की आवाजाही काफी बढ़ जायेगी. अगर यहां सैलानियों के बैठने व ठहरने की माकूल व्यवस्था कर दी जाये तो निश्चित रूप से यह एक विख्यात पर्यटन स्थलों में शुमार हो सकता है.

सुग्गा बांध : ऐसा ही एक स्थल है जिले के महुआडांड़ प्रखंड मे स्थित सुग्गा बांध (जल प्रपात). करीब 100 फीट की उच्चाई से गिरता पानी लोगों के दिलों में रोमांच पैदा करता है. सुनसान व विरान स्थल पर स्थित इस बांध में गिरते पानी की आवाज दूर से ही सुनाई पड़ती है. पास आने पर ऊपर से गिरता पानी देख लोग वाह कर उठते हैं.

कहां है सुग्गा बांध: बेतला व नेतरहाट के बीच महुआडांड़ से 28 किलोमीटर व बारेसाढ़ थाना से सात किलोमीटर की दूरी पर यह जल प्रपात स्थित है. बेतला नेशनल पार्क से इसकी दूरी लगभग 50 किमी की है. यहां निजी वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है. अपने अंदर पर्यटन असीम संभावना समेटे सुग्गा बांध चारों ओर ऊंची पहाड़ियों से घिरा है. तकरीबन 100 फीट की ऊंचाई से पानी की अविरल धारा चट्टानों पर गिरती है. सुग्गा बांध तक पहुंचने के लिए आवागमन सुगम नहीं होने के कारण सैलानी वहां आसानी से नहीं पहुंच पाते हैं.

सैलानियों को आकर्षित करता है तिसरी का झरना

गिरिडीह के तिसरी प्रखंड अंतर्गत तिसरी रीजनल के बगल स्थित प्रकृति की गोद में बसा हुआ झरना है, जहां मौसम के अनुसार पानी निकलता है. जब ठंड का मौसम रहता है तो गर्म पानी गिरता है और जब गर्मी का मौसम रहता उस वक्त ठंडा पानी गिरता है. यह स्थल जिला मुख्यालय से 62 और तिसरी प्रखंड मुख्यालय से 2 किलो मीटर दूरी पर स्थित है. इतना ही नहीं इसके चारों ओर से पहाड़ है और बीच में झरना है. जिसे लेकर समाज सेवी सह आजसू नेता नारायण यादव ने बताया कि यह तिसरी का एक ऐसा झरना है जहां मौसम के अनुरुप पानी गिरता है जो कुछ दिन पूर्व में मुख्य मंत्री सह विधायक माननीय बाबूलाल मरांडी के द्वारा झरना में आने जाने के लिए सीढ़ी बनाई गई है. नारायण यादव ने कहा कि झरना में आने जाने के लिए सीढ़ी बन गयी है और झरना के पास सौंदर्यीकरण की जरुरत है. अगर यह हो जाए तो तिसरी ही नहीं बल्कि गिरिडीह जिला का एक मात्र दृश्य है जिसे देखने के लिए लोग आते हैं.

जमशेदपुर

जुबली पार्क पिकनिक मनाने का आदर्श स्थल

जमशेदपुर के साकची मौजूद है जुबली पार्क. यह पिकनिक मनाने के लिए बहुत ही आदर्श स्थान है. शहर के बीचोबीच स्थित यह विशाल हरा-भरा स्थान लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है. यहां एक झील, मनोरंजन पार्क, अवकाश केंद्र, फव्वारे और चिड़ियाघर है. यह विभिन्न उम्र के लोगों के मनोरंजन के लिए एक शानदार जगह है. शहर के बीच में स्थित होने के कारण, कार, टैक्सी, बस या यहां तक कि पैदल सहित परिवहन के किसी भी साधन से वहां पहुंचना काफी सुविधाजनक है. इस पार्क में नए साल में पिकनिक मनाने के लिए हजारों की भीड़ जुटती है. यहां पिकनिक मनाने के लिए हर सुविधा उपलब्ध है. पिकनिक सीजन के दौरान पश्चिम बंगाल और ओडिशा के दूर दराज इलाकों से भी लोग यहां पहुंचते हैं. पार्क के बाहर ही फ्री पार्किंग की व्यवस्था रहती है. सुरक्षा के लिए भी पुलिस के अलावा प्राइवेट सेक्योरिटी गार्ड मौजूद रहते हैं. राजधानी रांची से इसकी दूरी 130 किमी है.

डिमना झील घूमने का मजा ही कुछ और है

यदि आप शहर की हलचल से दूर जाना चाहते हैं और अपनों के साथ शांतिपूर्ण दिन बिताना चाहते हैं तो डिमना झील आपके लिए पिकनिक मनाने का अच्छा स्थान है. यह दलमा की तलहटी पर मौजूद है और जमशेदपुर से सिर्फ 13 किलोमीटर दूर है. यह कृत्रिम झील अपनी शांति और सुंदर वनस्पतियों के लिए जाना जाता है. साफ पानी और सुंदर दृश्य इसे पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं. डिमना झील तक का रास्ता अपने आप में देखने लायक है. यहां का नजारा बहुत खूबसूरत है.

बांकी डैम नए पर्यटन स्थल के रूप में उभरा

जमशेदपुर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है छोटा बांकी डैम. हाल के दिनों में इस पिकनिक स्थल पर लोगों की भीड़ काफी देखी जा रही है. हालांकि इस स्थल पर जाने के लिए आपकों अपने निजी वाहन से जाना होगा. यहां पहाड़ों के बीच बने छोटी से कैनाल पर डैम बनाया गया है जो कि बेहद खूबसूरत दिखता है. यहां पहुंचने के लिए एनएच 33 से होते हुए जाना होगा. मुख्य सड़क से इसकी दूरी 2 किमी है.

जादूगोड़ा के रंकिनी मंदिर पहुंचते हैं लोग

जमशेदपुर से सटे जादूगोड़ा में स्थित है रंकनी मंदिर. जमशेदपुर से इसकी दूरी 35 किमी है. यहां लोग पिकनिक मनाने के साथ-साथ मां रंकनी की पूजा अर्चना भी करते है. नए साल में यहां पूजा करने वालों की काफी भीड़ रहती है. मंदिर से सटा एक पहाड़ भी है जिसपर लोग ट्रैकिंग करते नजर आते है. पहाड़ की छोर से काफी मनोरम दृश्य नजर आता है. पास ही खुले मैदान में लोग पिकनिक का आनंद ले सकते हैं.

इन स्थलों पर भी उमड़ते हैं सैलानी

इसके अलावा शहर में कई पिकनिक स्थल हैं जिनमें हुडको डैम, थीम पार्क, नेचर पार्क, दोमुहानी, बुरुडीह डैम, सतनाला डैम, पहाड़भांगा, भाटिया पार्क, सर दोराबजी टाटा पार्क समेत अन्य पिकनिक स्थल शहर में मौजूद है.

आदित्यपुर

सीतारामपुर डैम

सीतारामपुर डैम

मछली पकड़ रहे मत्स्यजीवी

सीतारामपुर डैम नव वर्ष पर हेगा गुलजार

आदित्यपुर का सीतारामपुर डैम हर वर्ष की भांति इस नव वर्ष पर भी गुलजार रहेगा. वैसे इस डैम में कोई मनोरंजन के साधन नहीं हैं, केवल डैम की प्राकृतिक सौंदर्यता देखने लोग यहां आते हैं, जो कि बेहद खूबसूरत है. इस समय डैम में साइबेरियन पक्षियों का भी बसेरा बना हुआ है. बता दें कि सरायकेला खरसांवा जिले का यह डैम पर्यटन विभाग की उदासीनता से अब तक विकसित नहीं हो सका है. जबकि पर्यटन विभाग ने डैम में नौका विहार आदि की योजना बनाकर प्रस्ताव भेजा है. यह डैम मुख्य रूप से आदित्यपुर और गम्हरिया के रिहायशी इलाकों के साथ उद्योगों को जलापूर्ति की सुविधा देने में पिछले 60 वर्षों से लगा है. वहीं आसपास के ग्रामीणों के लिए मछली पालन का भी आय का स्रोत है. वर्तमान में सीतारामपुर ग्राम मत्स्य जीवी सहयोग समिति की ओर से सीतारामपुर डैम में मछली पालन किया जा रहा है. 70 एकड़ में फैले इस डैम में सात गावों के ग्रामीणों के मत्स्यजीवी समितियों द्वारा इस डैम में मछली पालन किया जा रहा है. समिति के अध्यक्ष डॉक्टर टुडू ने कहते हैं कि सरकार अगर मत्स्य किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराए तो क्षेत्र में मत्स्य क्रांति आ सकती है और यहां के मजदूरों का पलायन रुक सकता है. साथ ही उद्योगों से निर्भरता भी समाप्त हो सकती है.

चाईबासा

दिसंबर से ही उमड़ती है सैलानियों की भीड़

2023 के समापन माह दिसंबर से ही तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के तांतनगर स्थित खड़कई संगम नदी तथा मंझारी प्रखंड क्षेत्र के तोरलो डैम पिकनिक स्पॉट के लिए न सिर्फ जिला में बल्कि राज्य में भी काफी विख्यात है. प्रतिवर्ष यहां दिसंबर माह से ही पिकनिक मनाने के लिए हुजूम उमड़ता है. तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के खड़कई नदी, संगम नदी तट पर दिसंबर शुरू होते ही सैलानियों का भीड़ उमड़ पड़ती है. यह संगम नदी जिला मुख्यालय चाईबासा से तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के काठभारी मुख्य सड़क करीबन 18 किमी दूर है. यह स्थल तांतनगर गांव से दो किमी दूर पर स्थित है. यहां तक पहुंचने के लिए रास्ता काफी सुंगम है. संगम स्थल तक दो पहिया व चार पहिया वाहनों को आने जाने में सुविधा है. संगम स्थल में बालू का ढिला पड़ा है. पिकनिक मनाने आने वाले सैलानी बालू में विभिन्न खेल का अंनत ले सकते हैं. वहां नदी में नहाने-धोने की सुविधा है. यहां पर करोड़ों रुपये से तांतनगर व मंझारी प्रखंड क्षेत्र को पेयजलापूर्ति करने के लिए वाटर ट्रिटमेंट प्लांट बन रहा है. वहीं तोरलो डैम जिला मुख्यालय चाईबासा से तोरलो डैम करीब 45 किमी दूर है. यह डैम चाईबासा-भरभरिया कुमारडुंगी सड़क से पंश्चिम दिशा में अवस्थित है. डैम की तीनों दिशाएं जंगल से गिरी है. जो डैम अपने आप में प्राकृतिक सौंदर्य बिखेरती है और सैलानियों को आकर्षित करती है. अवगमन की दृष्टिकोण से मुख्य सड़क (भरभरिया) सात किमी दूर है. सड़क का पक्कीकरण हुआ है. डैम तक दो व चार पहिये वाहनों के अवगमन में सुविधा होती है. डैम में सैलानी मोटर वोट का लुत्फ उठा सकते हैं. सैलानी सागर बारी का कहना है कि तांतनगर स्थित संगम नदी तट पर पहुंतना काफी आसान है. गांव दो किमी दूर है. संगम स्थल में पूरी मस्ती उठा सकते हैं. सैलानी चितरंजन गोप कहते हैं तोरलो डैम काफी शानदार है. यहां आने से दिल रोमांच से भर उठता है. डैम तीन पहड़ियों से गिरा है. आने जाने में सड़क सुविधा उपलब्ध है.

सफर के चार साल

अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने चार साल का सफर तय कर लिया है. इन चार सालों में कई ऐसे अवसर भी आए, जब सरकार की स्थिरता को ले कर सवाल उठते रहे. बावजूद इसके तीन दलों के गठबंधन की सरकार की स्थिरता के अनेक सियासी मायने हैं और इसके साथ ही झारखंड की अस्थिर राजनीति की अवधारणा का टूटना भी एक संदेश है. इसके पहले भाजपा की सरकार ने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया. झारखंड के 23 सालों के इतिहास में यह दूसरी सरकार है, जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा को तमाम बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए जारी रखा है. किसी गैर-भाजपा सरकार की स्थिरता पिछले दस सालों में स्वयं ही एक बड़ी चुनौती रही है. कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के उदाहरण सामने हैं, जहां इन्हीं वर्षो में विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को कार्यकाल पूरा करने के पहले ही गिरा दिया गया. छत्तीसगढ़ और राजस्थान इस अर्थ में अपवाद हैं, जहां कांग्रेस ने अपनी एकजुटता को बनाए रखा. पश्चिम बंगाल और केरल भी ऐसे उदाहरण हैं, जहां गैर-भाजपा सरकारों को गिराने के अभियान कामयाब नहीं हुए. झारखंड की गठबंधन सरकार के बनते हुए ऐसा माहौल बनाया गया कि लगा सरकार का टिके रहना संभव नहीं है. इसमें केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका के साथ राजभवन को ले कर भी विपक्ष ने सवाल उठाए. बावजूद गठबंधन का मजबूती के साथ बने रहना स्वयं में एक बड़ी कामयाबी है. भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत सरकार के कार्यकाल को ले कर एक आरोप पत्र जारी किया है. लोकतंत्र में विपक्ष की आलोचनाओं का अपना महत्व होता है, लेकिन भारत में ऐसी सियासी फिजा बन गयी है, जहां आलोचना और आत्म मूल्यांकन को कमजोरी की तरह पेश किया जाता है. भाजपा के आरोप में उन्हीं बातों को दुहराया गया है, जो पिछले चार सालों से की जाती रही है. दूसरी ओर हेमंत सरकार के पास भी अपनी उपलब्धियों का अपना दावा है. इसमें 1932 के खतियान,पिछड़ों को आरक्षण, निजी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत आरक्षण, सर्वजन पेंशन और हरा राशन कार्ड का दावा बेहद महत्वपूर्ण है. इन तीनों का अपना राजनीतिक महत्व भी है. भारतीय चुनावों की विडंबना तो यही है कि सरकार के अच्छे कार्यों की सराहना विपक्षी दल नहीं करते हैं, लेकिन राजनीति जिस दिशा में बढ़ गयी है, उसमें सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति एक मजबूत चक्रव्यूह की तरह है. हेमंत सरकार ने इस दिशा में ठोस पहल की है और उसने अपने वोट आधार को कई बड़े संदेश दिए भी हैं. हेमंत सोरेन ने बतौर एक नेतृत्वकर्ता अपनी अलग पहचान भी बनायी है और एक दृढ़ नेता के बतौर भी उभरे हैं. इन कामयाबियों को और धार मिल सकती है यदि बेरोजगारी और अनुबंधकर्मियों के सवालों को भी वे हल कर सकें. इसके साथ ही राज्य में वित्तीय चुनौतियां भी दरपेश हैं, जिनका समाधान उन्हें निकालना होगा.

> झारखंड के 23 सालों के इतिहास में यह दूसरी सरकार है, जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा को तमाम बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए जारी रखा है. किसी गैर-भाजपा सरकार की स्थिरता पिछले दस सालों में स्वयं ही एक बड़ी चुनौती रही है.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटम्बकम्॥

यह मेरा है, वह उसका है जैसे विचार केवल संकुचित मस्तिष्क वाले लोग ही सोचते हैं. विस्तृत मस्तिष्क वाले लोगों के विचार से तो पूरी वसुधा ही एक परिवार है. आशय यह है कि उदार चरित्रवाले लोगों के लिए संसार में कोई भी व्यक्ति पराया नहीं होता.

सियासी भौकाल को कुछ भी करेगा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भौकाल 27 दिसंबर को तब दूसरी बार टाइट हो गया, जब झारखंड हाईकोर्ट ने उनके सहित कुछ रिश्तेदारों के विरुद्ध दाखिल पीआईएल खारिज कर दिया. यह पीआईएल उनके नाम 0.88 डिसमिल की स्टोन माइन्स और बीवी-साली के नाम प्लॉट आवंटन को लेकर सुनील कुमार महतो ने दाखिल किया था. हेमंत का तर्क था कि बेशक, यह खदान उनके नाम आवंटित की गई थी, लेकिन उन्होंने बिना ऑपरेट किये उसे सरेंडर कर दिया था.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

जाता हुआ दिसंबर झारखंड के सियासी माहौल में अहम रहा. हर किरदार भौकाल टाइट करने में मशगूल दिखा. यह वो दौर है, जिसमें भौकाली सियासत के लिए हमारे नेता कुछ भी कर गुजरने में परहेज नहीं करते. इस महीने के अंतिम तिहाई हिस्से की शुरुआत के ठीक पहले 20 दिसंबर को झारखंड विधानसभा ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीयता विधेयक एक बार फिर वॉयस वोट से पारित कर दिया. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने यह कहकर अपना भौकाल टाइट करना चाहा कि ये लोग '32 के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, देंगे तो हमलोग ही देंगे. यह विधेयक बहुत हड़बड़ी में सवा साल पहले 5 सितंबर 2022 को इसी सूरत में पारित कर मंजूरी के लिए राजभवन भेजा गया था. इसमें एक महत्वपूर्ण क्लॉज था कि केंद्र सरकार द्वारा संसद से पारित कराने और संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के बाद इसे लागू किया जाएगा. बूझनेवाले बूझते रहें. न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी. तत्कालीन गवर्नर रमेश बैस मौन साधे रहे. वर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कतिपय सुझावों के साथ विधानसभा को विधेयक लौटा दिया था. राजभवन का कहना था कि विधेयक के अनुसार राज्य में थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियां केवल स्थानीयों के लिए आरक्षित करना विधिसम्मत नहीं होगा. सरकार, जिसमें राजनीति शास्त्र के अनुसार प्रतिपक्ष भी शामिल रहता है, ने बतर्ज ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया इसे दोबारा पास कर दिया. यह सत्तापक्षीय इंडिया का भौकाल बना, क्योंकि प्रतिपक्षी एनडीए ठीक वैसे ही कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं था, जैसे संसद के मानसून सत्र में 23 सितंबर को महिला आरक्षण बिल पारित कराते समय प्रतिपक्षी इंडिया कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं था. यही सूरत 2020 में महागठबंधन द्वारा सरना धर्म कोड लागू करने का प्रस्ताव असेम्बली में लाने और पास कराने के दौरान पेश आई थी. यह बिल 11 नवंबर 2020 को विशेष सत्र की मार्फत लाया गया था, जो दिल्ली में पड़ा हुआ है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भौकाल 27 दिसंबर को तब दूसरी बार टाइट हो गया, जब झारखंड हाईकोर्ट ने उनके सहित कुछ रिश्तेदारों के विरुद्ध दाखिल पीआईएल खारिज कर दिया. यह पीआईएल उनके नाम 0.88 डिसमिल की स्टोन माइन्स और बीवी-साली के नाम प्लॉट आवंटन को लेकर सुनील कुमार महतो ने दाखिल किया था. हेमंत का तर्क था कि बेशक, यह खदान उनके नाम आवंटित की गई थी, लेकिन उन्होंने बिना ऑपरेट किये उसे सरेंडर कर दिया था. मुख्यमंत्री रह चुके भाजपा के तत्कालीन उपाध्यक्ष रघुवर दास ने इसी विषय को लेकर तत्कालीन गवर्नर रमेश बैस को 12 फरवरी 2022 को ज्ञापन सौंप हेमंत की विधायकी निरस्त करने की मांग की थी. राजभवन ने उस ज्ञापन को चुनाव आयोग भेजकर लीगल ओपिनियन मांगी थी. उसकी राय 25 अगस्त 2022 को सीलबंद लिफाफे में आ गयी थी. तभी से हेमंत पर अनिश्चय के बादल मंडराने लगे थे. बहुत शोर मचा कि उनकी विधायकी चली जाएगी. बहुत संभव है, इसी कारण 5 सितंबर 2022 को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर 1932 का खतियानी स्थानीयता विधेयक पारित कराया गया था. हैरानी की बात यह कि चुनाव आयोग द्वारा राजभवन को भेजी गई राय आज तक जाहिर नहीं की गई. हालांकि पिछले साल दिवाली के मौके पर अपने गृह नगर रायपुर गये तत्कालीन गवर्नर रमेश बैस ने यह कहकर राजनीति के प्याले में तूफान ला दिया था कि चुनाव आयोग का लिफाफ खोल दिया तो 'एटम बम' गिर जाएगा. उन्होंने बाद में रांची में पत्रकारों के सवाल पर हंसते हुए कहा था कि लिफाफ पर इतनी पक्की गोंद लगी है कि खोले नहीं खुल रही. अवांतर ही सही, लेकिन एक बात याद आ रही है. अनगड़ा स्टोन माइन्स को लेकर फरवरी 2022 में गवर्नर से हेमंत की शिकायत करनेवाले रघुवर दास प्रायः डेढ़ साल बाद 19 अक्टूबर 2023 को ओडिशा का गवर्नर बन गये. हो गया न उनका भौकाल टाइट!

गुजरा साल और गुजर रहा साल झारखंड की गड्डमड्डु सियासत में कई गहरे जख्म छोड़ने के लिए जाना जाएगा. पिछले साल मई से ईडी द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई में मुख्यमंत्री के तत्कालीन विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्र के अलावा कई कारोबारी और सत्ता के गलियारों में सालोंसाल से सक्रिय बिचौलिए ही नहीं, सचिव और डीसी स्तर के दो आईएएस पदाधिकारी भी जेलबंद हैं. इस दौरान मनरेगा घोटाला, पत्थर खनन घोटाला, भूमि घोटाला, शराब घोटाला आदि-आदि की गूंज-अनुगूंज सुनी जाती रही. जमीन संबंधी मामले में खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी अगस्त से अबतक छह बार समन कर चुका है. वे इसे नजरअंदाज तो नहीं कर सके, लेकिन किसी न किसी सूरत में उसके दफ्तर न जाकर अपना भौकाल टाइट रखे हुए हैं. भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, इंडिपेंडेन्ट सरयू राय तक अरसा पहले से कहते रहे कि हेमंत सरकार दिसंबर नहीं पार कर पाएगी. मजे की बात दिसंबर ही पार कर गया और शीत सत्र के अंतिम दिन 21 दिसंबर को हेमंत सोरेन ललकारते दिखे, 'हम अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और राज्य में अगली सरकार भी बनाएंगे. वे बंद कमरे में हमारे सामने कुछ और बोलते हैं, बाहर जाकर सरकार के विरोध में आग उगलने लगते हैं'. उधर संसद के शीत सत्र में 18 दिसंबर तक 92 विपक्षी सांसद सस्पेंड किये गये तो इधर 19 दिसंबर को झारखंड विधानसभा के शीत सत्र में भाजपा के मुख्य सचेतक विरंची नारायण, उप मुख्य सचेतक जेपी पटेल और भानु प्रताप शाही सस्पेंड कर दिये गये. हो गया न हर तरफ का भौकाल बरोबर!

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अपनी-अपनी सीमाएं

एक कुएं में मेंढकों का एक समूह रहता था. एक समय की बात है जोरदार वर्षा के कारण कुआं पानी से लबालब भर गया. एक क्षमतावान मेंढक ने अपने पूरे सामर्थ्य से छलांग लगाई, परिणामस्वरूप वह कुएं से बाहर था. भीतर के मेंढक स्वयं को कुएं के सुरक्षा घेरे में सुरक्षित रखने में सफल रहे. एक जिज्ञासु बुद्धिमान मेंढक ने अपने मुखिया से प्रश्न किया, ₹चाचा, क्या दुनिया इतनी ही है जो हमें दिखाई देती है?₹ मुखिया ने जवाब दिया, ₹हां, यह संसार इतना ही है जो हमें दिखायी देता है.₹ ₹चाचा, दुनिया इससे बड़ी क्यों नहीं हो सकती?₹, युवा मेंढक ने फिर प्रश्न किया. चाचा ने मुस्काते हुए कहा, ₹उपर देख! क्या दिखाई देता है? आसमान? कितना बडा है आसमान?₹ ₹वह तो हमारे कुएं के बराबर ही है, युवा ने जवाब दिया. ₹फिर बताओ जो आसमान हमें साफ साफ सीमांत तक दिखायी देता है तो दुनिया उससे बडी कैसे हो सकती है?₹ युवा के लगातार प्रश्नों से परेशान होकर बूढे मुखिया ने कहा, ₹जो सामने है उस पर विश्वास करना चाहिए, व्यर्थ की कल्पनाएं नहीं गढ़नी चाहिए.₹ युवा मेंढक भी बुद्धिमान था और जिज्ञासु भी. उसने अनुमान व्यक्त किया, ₹चाचा हो सकता है हमारे पास ही एक और कुंआ हो, उसका भी अपना आकाश हो?₹ ₹हो सकता है, किन्तु वह सब जानना असंभव है अतः इन फालतू की बातों में सर खपाना व्यर्थ काम है. तुम्हारे पास छोटा सा जीवन है, यह हमारा संसार भी पूरी तरह नहीं देख पाए हो, अतः खाओ पिओ और मौज करो.₹ कुएं से बाहर गए मेंढक ने विराट संसार प्रत्यक्ष देखा, उसने रमणीय वन, विशाल सरोवर व असीम सागर देखे, आहार की प्रचुरता और स्वच्छंद असीमित भ्रमण देखा था. वह उसी समय अपने कुएं की मुंडेर पर था. उसने अपने मित्रों की सीमित सोच को सुना. वह यथार्थ बताना चाहता था. किन्तु उसकी आवाज खुले में फैल जाती थी और कुएं के मेंढकों तक नहीं पहुंच पा रही थी. कुएं के भीतर की आवाजें, ध्वनि विस्तरण के कारण स्पष्ट सुनायी दे रही थी. एक बार तो उसने सोचा, कुएं में छलांग लगा कर, उन्हे यथार्थ बता दूं, उनके कल्याण का मार्ग बता दूं. किन्तु नीचे गिरने में नुकसान ही नुकसान था, या तो वह जान से जाता या फिर पुनः सीमाओं में कैद हो जाता.

राजनीति में मिमिक्री पर ग़ुस्सा क्यों आता है?

• सियासत

पुष्परंजन

पिल्लातु सीपी साझी 41 साल की उम्र में केरल में प्रसिद्धि के शिखर पर था. मिमिक्री की वजह से उसके शैदाइयों की संख्या लाखों में थी. शनिवार 2 सितंबर 2023 को पिल्लातु सीपी का शव पेड़ से लटका मिला. दुनिया को हंसाने वाला अपने चाहने वालों को सन्नाटे में छोड़ गया. कोझिकोड पुलिस चार महीने बाद भी पिल्लातु सीपी की मौत के कारणों का पता नहीं कर सकी. क्या उसकी मिमिक्री से चिढ़कर किसी ने यह कांड कर डाला, या फिर ख़ुद के हालातों से तंग आकर पिल्लातु सीपी ने ऐसा क़दम उठाया? सवाल अधूरा ही रह गया. मिमिक्री, अर्थात लोगों के हाव-भाव की नकल करना इंसानी स्वभाव में कब से आया, इसका कोई इतिहास नहीं है. लेकिन यह कह सकते हैं कि वानरों ने सबसे पहले नकल करने की शुरूआत की होगी. मिमिक्री सिर्फ़ नकलची बंदरों में ही नहीं, दूसरे जीव-जंतुओं के व्यवहार में भी देखने को मिलता है. मिमिक्री शब्द का पहला प्रयोग 1637 में हुआ था. यह ग्रीक शब्द 'मिमेटिकोस' से निकलकर आया है, जिसका अर्थ होता है नकल करना. ' मिमेटिक' का इस्तेमाल प्राणीशास्त्र में 1851 में किया गया था, बाद में इसे मिमिक्री नाम 1861 में दिया गया. अभी हाल में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह से टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा मिमिक्री किये जाने पर रिएक्ट किया, उससे यह सवाल खड़ा हुआ है. समाज भी इस सवाल पर बंटा हुआ दीखता है. संवैधानिक पद पर बैठे जगदीप धनखड़ ने यहां तक कह दिया कि यह किसान पुत्र का अपमान है, जाट का अपमान है. राज्यसभा में स्पीकर की कुर्सी पर बैठे जगदीप धनखड़ के इस बयान पर जाट समुदाय के एक नेता सुखचैन सिंह ने बोल दिया कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगे, वरना 2024 के चुनाव में कांग्रेस को घूल चटा देंगे. जाट सात पीढ़ियों तक अपनी दुश्मनी नहीं भूलते. '360 पालम खाप' के प्रधान सुरेंद्र सोलंकी ने भी टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी से माफी की मांग की. किसी व्यक्ति विशेष की मिमिक्री को यदि जाति विशेष से जोड़ दिया जाए, यह किसी भी ख़तरनाक हद तक जा सकता है, इस बात को जगदीप धनखड़ जैसे लोग नहीं समझना चाहते, तो इसे देश और समाज के लिए दुर्भाग्य ही माना जाए. जगदीप धनखड पर मिमिक्री से एक वकील भी आहत हो गये. फटाफट थाने गये, वहां एफआईआर दर्ज़ कराई, कोर्ट केस किया. उससे भी चैन न आया, तो मांग कर दी कि संसदीय समिति इसकी जांच करे और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी की सदस्यता रद्द करे. नये भारत में मिमिक्री और कार्टून्स को सबसे अधिक नेहरू ने इंज्वाय किया था. यदि देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इसका बुरा मानते, तो आरके लक्ष्मण जैसे कार्टूनिस्ट जेल में सड़ चुके होते. पिछले दस वर्षों में इस देश से हास्य, मिमिक्री को लेकर लोग इतने चिड़चिड़े हुए कि कार्टून बनाने वाले, मिमिक्री करने वाले, यहां तक कि सार्वजानिक कटाक्ष करने वाले भी चार बार सोचते हैं कि इसके दुष्परिणामों से बचने की ज़रूरत है. इतना तो स्वीकार करना होगा कि जब से इंसानों में बोली और भाषा की समझ पैदा हुई, मिमिक्री जैसी विधा ने भी सामाजिक चेतना में जगह बनाई. संगीत, नाटक और अभिनय के उदगम की पड़ताल करें, तो भरतमुनि का नाट्यशास्त्र सबसे विश्वसनीय ग्रन्थ माना जाता है. ईसा पूर्व 400 सदी पहले के कालखंड में भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र की रचना की थी. भरतमुनि से भी पहले अरिस्तोफेन्स प्राचीन एथेंस के नाटककार थे. ईसापूर्व 388 में जन्में अरिस्तोफेन्स की मृत्यु ईसापूर्व 450 में हुई थी. अरिस्तोफेन्स द्वारा लिखे गये 40 में से 11 नाटक आज तक सुरक्षित हैं. अरिस्तोफेन्स ने हास्य की व्याख्या जिस तरह से की थी, उसके हवाले से उन्हें हास्य का जनक 'फादर ऑफ ह्यूमर' माना जाता है. 2018 से चीन में एक ऐप नेई हान तुआंजी पर प्रतिबन्ध लगाया गया है. तुआंयु एक ग्रुप है, जो लोगों को कटाक्ष के जरिये हंसाता है. 22 मई 2023 को कॉमेडियन निजेल जो अंकल रोजर नाम से फेमस थे, को चीनी सोशल मीडिया पर बैन कर दिया गया था. 2010 में मलयेशिया में हास्य सामग्री पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया. तो क्या भारत, उसी दिशा में बढ़ रहा है? सवाल यह है कि क्या इंसानों को मिमिक्री से निषेध कर दिया जाए? उत्तर कोरिया का उदाहरण देते हैं, जहां 17 दिसंबर 2021 को देश के सर्वोच्च दिवंगत नेता किम जोंग इल की 10वीं बरसी पर नागरिकों के हंसने पर 11 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था.

> मिमिक्री शब्द का पहला प्रयोग 1637 में हुआ था. यह ग्रीक शब्द 'मिमेटिकोस' से निकलकर आया है, जिसका अर्थ होता है नकल करना. ' मिमेटिक' का इस्तेमाल प्राणीशास्त्र में 1851 में किया गया था, बाद में इसे मिमिक्री नाम 1861 में दिया गया. अभी हाल में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह से टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा मिमिक्री किये जाने पर रिएक्ट किया.

सियासी लपेट में रद्द हुई बाइडेन की यात्रा

• सामयिकी

प्रमोद जोशी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 2024 के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली नहीं आएंगे. पहले यह बात केवल मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से सुनाई पड़ी थी, पर अब आधिकारिक रूप से भी बता दिया गया है. यात्रा का इस तरह से रद्द होना, राजनयिक और राजनीतिक दोनों लिहाज से अटपटा है. बाइडेन की यात्रा की बात औपचारिक रूप से घोषित भी नहीं की गई थी, पर भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने गत 20सितंबर को उत्साह में आकर इस बात की जानकारी एक पत्रकार को दे दी थी. बहरहाल अब दोनों देशों के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि प्रस्तावित यात्रा नहीं होगी. गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बनना भारत की ओर से अतिथि को दिया गया बड़ा राजनयिक सम्मान है. भारत की राजनयिक गतिविधियों में अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा को उच्चतम स्तर दिया जाता है. ऐसे कार्यक्रमों की घोषणा तभी की जाती है, जब हर तरफ से आश्वस्ति हो, ताकि बाद में शर्मिंदगी न हो. बताते हैं कि सितंबर में दिल्ली में जी-20 सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के बीच हुई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने बाइडेन को भारत-यात्रा का निमंत्रण दिया था. बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में इस निमंत्रण की जानकारी नहीं थी, पर अमेरिकी राजदूत ने एक भारतीय पत्रकार को बता दिया कि बाइडेन को गणतंत्र दिवस-2024 के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है. अमेरिका के राष्ट्रीय रक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने अब कहा है कि जो बाइडेन अब भारत नहीं आ सकेंगे, पर भारत के साथ रिश्तों को प्रगाढ़ करने में उनकी निजी दिलचस्पी बदस्तूर बनी रहेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी व्यक्तिगत दोस्ती है, जो आने वाले समय में भी जारी रहेगी. अमेरिका की एक और संस्था भारत को मौके-बेमौके निशाना बनाती है. वह है अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ). इस संस्था ने बाइडेन प्रशासन से फिर से अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भारत को 'विशेष चिंता का देश' के रूप में नामित करने का आह्वान किया है. अब खबरें आ रही हैं कि चेकोस्लोवाकिया में गिरफ्तार किए गए भारतीय कारोबारी निखिल गुप्ता के साथ बदसलूकी की गई है. निखिल गुप्ता ने प्राग अधिकारियों पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने भारत के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्राग की जेल में सूअर और गाय का मांस दिए जाने का आरोप लगाया है. भारत-अमेरिका रिश्तों के साथ कुछ सैद्धांतिक बातें भी जुड़ी हैं. भारत ने 7 अक्तूबर के हमास-हमले का विरोध किया, पर फिलिस्तीनियों के अधिकारों का समर्थन किया है. इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि हम आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का विरोध करते हैं और वैश्विक-स्तर पर इसके विरोध में भारत ने ही पहल की थी. भारत ने ही सबसे पहले 1996 में संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि (कांप्रिहैंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म-सीसीआईटी) का प्रस्ताव रखा था. बड़ी ताकतों का पाखंड आतंकवाद की परिभाषा को लेकर है. जनवरी में बाइडेन की यात्रा के दौरान भारत क्वाड देशों का एक शिखर सम्मेलन आयोजित करना चाहता था. इसके लिए ऑस्ट्रेलिया और जापान के प्रधानमंत्री भी दिल्ली आते. बाइडेन की यात्रा टलने का मतलब है कि क्वाड-सम्मेलन अभी नहीं होगा. फरवरी-मार्च के बाद भारत में लोकसभा चुनाव की गतिविधियां शुरू हो जाएंगी, इसलिए वह सम्मेलन अब चुनाव के बाद मई-जून के पहले संभव नहीं होगा. उसके बाद अमेरिका में चुनाव की गतिविधियां शुरू हो जाएंगी. भारत की दृष्टि से दिक्कत यह भी है कि इतनी छोटी अवधि में गणतंत्र दिवस के लिए किसी नए मेहमान की व्यवस्था करना आसान नहीं है. खासतौर से यह देखते हुए कि जिसे भी बुलाएंगे, उसे लगेगा कि मुझे दोयम दर्जे का मानकर बुलाया गया है. पर्यवेक्षकों का अनुमान है कि बाइडेन की यात्रा में रुकावट के पीछे सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के आंतरिक-मतभेदों का हाथ है. बाइडेन और मोदी के प्रगाढ़ रिश्तों के निहितार्थ को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और समर्थकों का एक वर्ग नाखुश है. उनका समर्थक वर्ग इसे पचा नहीं पा रहा है. 2024 में राष्ट्रपति पद के चुनाव हैं और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े वेग से अपनी वापसी के प्रयास कर रहे हैं. डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को लगता है कि ट्रंप के आक्रामक अंदाज़ का सामना करना बाइडेन के लिए मुश्किल होता जाएगा.

> भारत-अमेरिका रिश्तों के साथ कुछ सैद्धांतिक बातें भी जुड़ी हैं. भारत ने 7 अक्तूबर के हमास-हमले का विरोध किया, पर फिलिस्तीनियों के अधिकारों का समर्थन किया है. इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि हम आतंकवाद के किसी भी स्वरूप का विरोध करते हैं और वैश्विक-स्तर पर इसके विरोध में भारत ने ही पहल की थी.

मीडिया में अन्यत्र

आर्थिक मुसीबतों से उपजी मायूसी

एक ऐसी दुनिया में जहां श्रमिकों की आवाजाही पाबंदियों से भरी है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अपने गृहक्षेत्र में मुसीबत के मारे लोग अपनी यात्राओं के दौरान बेशुमार जोखिमों के बावजूद विकसित देशों में मौके तलाश रहे हैं. फ्रांस के एक हवाई अड्डे पर रोके गये 303 भारतीयों को जबरन लौटाये जाने का हालिया प्रकरण इसका एक और उदाहरण हो सकता है. इससे भी बुरा, यह मानव तस्करी का मामला हो सकता है. इनमें से 20 लोगों ने फ्रांस में शरण मांगी, जबकि बाकी मंगलवार को मुंबई लौट आये. हालांकि, अब यह भलीभांति ज्ञात है कि अमेरिका के कस्टम विभाग और सीमा सुरक्षा के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर 2022 और इस साल सितंबर के बीच तकरीबन 1,00,000 भारतीयों ने अमेरिका में घुसने की कोशिश की. यह इससे पहले के साल के मुकाबले पांच गुना है, जो एक खतरे की घंटी है. इनमें से आधे से ज्यादा लोगों ने भारी सुरक्षा वाली मेक्सिको की सीमा से घुसने की कोशिश की और बाकी लोगों ने कम रखवाली वाली कनाडा की सीमा से प्रयास किये. अमेरिका में घुसने के लिए खतरनाक रास्ता अपनाने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ने की बात तब सामने आयी जब जून 2019 में पंजाब की एक छह-वर्षीय लड़की एरिजोना रेगिस्तान में मृत पायी गयी. यह कोविड-19 महामारी से नौ महीने पहले की बात है. इसने ट्रंप प्रशासन को यू.एस. कोड के विरले ही उपयोग में आने वाले टाइटल 42 का इस्तेमाल करने पर मजबूर किया जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा है. इसने बॉर्डर एजेंसियों को शक्ति दी कि वे शरण मांगने वालों को प्रवेश न करने दें, वह भी बिना किसी सुनवाई के. कोविड-19 वाले वर्षों के बीतने और बाइडेन प्रशासन के सत्ता में आने के बाद, प्रवासन की ऐसी कोशिशें फिर से लगातार बढ़ने लगीं. अमेरिका में अवैध प्रवासी बनने मात्र के लिए भारतीय बेशुमार मुश्किलें सहने को तैयार हैं. यह बताता है कि या तो वे हताश हैं या गुमराह किये जा रहे हैं.ताजा घटना की शुरुआती रिपोर्टों में भी वो जाने-पहचाने लक्षण मौजूद हैं जो ऐसे मामलों में सामने आते रहे हैं – हवाई यात्रियों में अधिकतर संख्या पंजाब, हरियाणा और गुजरात के पुरुषों की थी; लगभग एक दर्जन ऐसे नाबालिग थे जिनके साथ कोई नहीं था. कुछ सिखों ने ऐसे प्रवासन का तात्कालिक कारण कथित धार्मिक उत्पीड़न बताया, जबकि अन्य ने खेती में संकट का हवाला दिया. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अंक/अंग

सजना है मुझे सजना के लिए, जरा उलझी लटें संवार लूं, हर अंग का रंग निखार लूं.....यह फिल्म सौदागर के एक गीत का मुखड़ा है. गीतकार रवींद्र जैन ने इस गीत की रचना में ऐसा कमाल किया कि शृंगार रस को पराकाष्ठा तक पहुंचा दिया. हिंदी साहित्य के मठाधीश भले ही स्वीकार न करें, लेकिन 'सजना है मुझे सजना के लिए' पद में 'सजना' शब्द का दो बार प्रयोग यमक अलंकार का सुंदर उदाहरण तो है ही. महारथी गायिका आशा भोंसले की आवाज में प्रस्तुत इस गीत की संवेदना सीधे दिलों में प्रवेश कर जाती है. साधारणीकरण और संप्रेषणीयता का तो कोई जवाब नहीं. गीत के मुखड़े का अंतिम पद 'हर अंग का रंग' अद्भुत रूपक बनाता है. इस पद के एक शब्द 'अंग' को पकड़ते हैं. अंग तत्सम संज्ञा पुल्लिंग एवं बहु प्रचलित शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश और हिंदी शब्द सागर के अनुसार अंग का मतलब है शरीर का कोई भाग, जैसे हाथ पैर आदि. साधन हिस्सा, कार्य का भाग या अंश. जैसे आंकड़े जुटाना शोधकार्य का एक आवश्यक अंग है, अवयव, किसी संस्था या संगठन का विभाग. जैसे भाषा केंद्र, पुस्तकालय आदि विश्वविद्यालय के ही अंग हैं. पक्ष, आयाम, पार्श्व, तरफ, नाटक की पांच संधियों में से एक. अंग से कई मुहावरे बने हैं. उनमें अंग टूटने का मतलब शरीर में पीड़ा होना, अंग लगना यानी शरीर से छू जाना, अंग खिलना यानी पूरे शरीर या हाव-भाव से प्रसन्नता व्यक्त होना. अंग का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द है अंक. इसका अर्थ है शून्य से नौ तक की संख्या सूचक चिह्न. जैसे 1, 2, 3, संख्या, अदद, चिह्न, निशान, छाप, रूपक का एक प्रकार, नियत समयांतराल पर प्रकाशित होनेवाली पत्र-पत्रकाओं की प्रति, संस्करण, नाटक का खंड या सर्ग, गोद, क्रोड़, धारावाहिक किस्त, बाहों का घेरा, बलगा. इससे मुहावरा बनता है अंक भरना. मतलब आलिंगन करना, गले लगना. इससे बने अंकपत्र का मतलब है परीक्षा प्राप्त अंकों की तालिका या विवरण पत्र, प्राप्तांक पत्र, अंकसूची, जिसे अंग्रेजी में मार्क्सशीट कहते हैं.

जहां देखो, वहीं है सेल्फी की धाक

• तीर-तुक्का

सुरेन्द्र वर्मा

सेल्फी की सियासत हर जगह अपनी धाक जमाए है. मनुष्य एक आत्म केन्द्रित प्राणी है. उसके कान को सबसे ज्यादा प्यारा उसका अपना नाम है, उसके हाथ को सबसे ज्यादा प्यारा उसका काम है, इसी तरह उसकी आंख को सबसे ज्यादा प्यारा उसका अपना चित्र है. 'मैं' और 'मेरा' उसे सर्वाधिक आकर्षित करते हैं. 'सेल्फी', भले ही एक नया शब्द हो, लेकिन इसका व्यापार सनातन है. युगों-युगों से फैला हुआ है. मनुष्य इतना आत्ममुग्ध है कि वह अपने सिवा और किसी को देखना तक नहीं चाहता. वस्तुतः सेल्फी आपका अपना एक चित्र मात्र है, जिसे आप अपने मोबाइल में लगे उन्नत कमरे की तकनीक से खुद ही खींच सकते हैं. सेल्फी के सम्बन्ध में भी कहा जा सकता है कि यह 'मेरा, मेरे द्वारा, मेरे लिए खींचा गया चित्र है'. पहले शायद यह संभव नहीं था. पहले आदमी को जब स्वयं अपना चित्र खींचना/खिंचवाना होता था तो उसे या तो किसी दूसरे का सहारा लेना होता था या फिर कैमरा कुछ इस तरह सेट करना पड़ता था कि उसके अपने आप क्लिक होने से पहले आदमी दौड़ कर निश्चित स्थान पर खड़ा हो जाए. कैमरा क्लिक होता था और तस्वीर खिंच जाती थी. बड़े झंझट का काम था और फिर भी मनचाहा परिणाम शायद ही कभी मिल पाता हो. अब सब बड़ा आसान हो गया है. मोबाइल पकड़िए उसमें अपनी तस्वीर देखिए और बस, क्लिक कर दीजिए! हो गया. विज्ञान बड़ा दाता है. बस उसी की यह देन है. धूम मचा दी है सेल्फी ने इन दिनों. जिसे देखो सेल्फी के लिए उतावला है. हाथ में मोबाइल लिए घूम रहा है. जगह की तलाश है. कहां से सेल्फी लेना ठीक रहेगा? कोई बिलकुल अलग सी जगह होनी चाहिए. पेड़ की ऊंची से ऊंची शाख पर से, नदी की तेज़ धार में खड़े होकर, रेल के पहियों के साथ दौड़ते हुए... ऐसी ही कोई खतरनाक जगह हो, जहां हिम्मत की दाद मिल सके. लोग हश-हश कर सकें कि वाह! देखो तो कहां से सेल्फी खींच ली है! अपनी इस कारगुजारी में जान भी चली जाए तो क्या फर्क पड़ता है. सेल्फी को देखकर लोग याद तो करेंगे. यों तो सेल्फी अपने लिए ही अपनी तस्वीर है, लेकिन कभी कभी अपने साथ किसी और को भी निकट खड़ा करके आप अपने साथ उसकी भी तस्वीर ले सकते हैं. फिर उसे फेसबुक पर डाल कर अपने तथाकथित मित्र को बता सकते हैं कि देखो, हमारे बीच कितनी आत्मीयता है ! जो मित्र नहीं भी हो, मित्र बन जाता है; कम से कम मित्रवत तो हो ही जाता है.

धर्म अध्यात्म 2024

मिलेगा सुख-सहयोग निरंतर होगी प्रगति

आचार्य
अजय मिश्रा

एक जनवरी 2024 को सूर्योदय कालीन कुंडली धनु लग्न में हो रही है. पहली तारीख सोमवार को है. इस वर्ष ग्रहों का स्वामी चन्द्र होगा. चन्द्र सौम्य ग्रह होने से समाज में हिंसक घटनाओं में कमी होगीं. व्यापारी वर्ग लाभ में रहेंगे. भ्रष्टाचार में कमी आएगी. कालाबजारियों के प्रभाव में भी कमी होगी. इस वर्ष धनु लग्न की कुंडली में लग्नेश एवं कर्ममेश के स्वामी बृहस्पति बनेंगे और भाग्य के स्वामी सूर्य होंगे. वर्ष जन मानस और देश के लिए बहुत ही सिद्धिप्रद साबित होगा.

तुला राशि

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

व्यक्तित्व और गुण

तुला राशि के जातक सारसंग्रह करना, संतुलन, सद्भाव और निष्पक्ष खेलने की भावना से ओत-प्रोत रहते हैं. तुला राशि के जातक सबके लिए अच्छा करना चाहते हैं. ये विवादों को निपटाने में कुशल होते हैं. इनमें न्याय की गहरी भावना होती है. यही इनकी पसंदगी का आधार भी होता है.

तुला राशि के जातकों के लिए एक उत्कृष्ट वर्ष होने की संभावना है. जीवन के आगामी चुनौतियों को आपकी निरंतरता गति को धीमा कर सकती है, लेकिन दोस्तों का सहयोग आपकी शुरुआत में महत्वपूर्ण होगा. आप अनेक मांगलिक कार्यों को संपन्न करेंगे और सफलता के मौके प्राप्त करेंगे. अविवाहित व्यक्तियों के लिए नए रिश्तों का आगमन होगा और वैवाहिक जीवन शानदार होगा. आपकी वाणी किसी को भी मोहित कर सकती है और आपकी मेहनत से इच्छित लाभ होगा. भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और नौकरी की खोज में भी सफलता मिल सकती है. संतान की इच्छा होने पर भी आपको सफलता मिल सकती है. जीवन साथी के साथ छोटी-बड़ी टकरावों की आशंका है, लेकिन आप इन्हें सावधानीपूर्वक सुलझा सकते हैं. प्रतियोगी परीक्षा में छात्र सफलता प्राप्त कर सकते हैं और छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट वर्ष हो सकता है. छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आपके प्रयासों से प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता मिलेगी, और इससे सार्वजनिक यश बढ़ेगा. इस अवधि में व्यापार में नई उच्चाइयों की प्राप्ति होगी और इष्ट मित्रों का सहयोग आपको बढ़ोतरी में मदद करेगा. संतान से शुभ समाचार मिलेगा और भूमि, भवन, या वाहन संबंधी उपलब्धियां होंगी. दांपत्य जीवन में गंभीर विवाद की संभावना है, इसलिए सतर्क रहें. लंबी यात्रा निरर्थक हो सकती है, लेकिन पढ़ाई के लिए यह साल विद्यार्थियों के लिए शुभ रहेगा. प्रेम संबंधों में वृद्धि होगी और किसी पर्यटन स्थल की योजना बनेगी. शत्रु पक्ष से सावधान रहें, लेकिन व्यापार में लाभ होगा और नौकरी से जुड़े व्यक्ति के लिए भी लाभ में वृद्धि होगी. वर्ष के दौरान हर प्रकार की परेशानियों में कमी होगी और धन, वस्त्र, आदि की प्राप्ति होगी. पत्नी, संतान, और कुटुंबजन के साथ सुखद समय रहेगा. चतुराई और व्यक्तिगत व्यवहार की कुशलता से कार्य संपादन में सफलता होगी और निर्णय लेने की शक्ति मिलेगी. अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाना उचित होगा और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. जन्मभूमि का त्याग करना और शत्रु पक्ष से छुटकारा पाना भी संभावना है. अप्रैल से जून तक हनुमान आराधना करना लाभकारी होगा. आत्म बल और इच्छाशक्ति प्रबल होगी और स्वभाव में विनम्रता रहेगी. धर्मावलंबन की सद्धिद्धि, व्यक्तित्व प्रसन्नता, और व्यापार में सफलता होगी. छल कपट से बचकर कार्य बनाना और नई उच्चाइयों की प्राप्ति में सफल होगा. स्वतंत्रता से रहने का समय रहेगा और अनेक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी. साझेदारी के व्यापार में संपर्क बढ़ाएंगे और योजनाएं बनाएंगे. भोजन, आरोग्य, और भवन की प्राप्ति होगी और धार्मिक यात्राओं से आनंद होगा. अक्टूबर से दिसंबर माह के बीच में, खर्चों में वृद्धि होगी और व्यवसाय में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और व्यापार में विवादों से बचना होगा. साझेदारी में विवादास्पद परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए धीरज रखें और बुद्धिमानी से निर्णय लें. घर में आनंद और प्रसन्नता का माहौल बनेगा. आपका धन बढ़ेगा और यात्रा करने से भी शुभ फल मिलेगा.

उपाय और टोटके

गुरुवार दिन गाय के गोबर का ग्यारह गोली बनाकर सूखा लें और तीन दिन गुगुल, लवंग और कपूर के साथ इसे जलाकर पूरे घर में दिखाकर घर के ईशान कोण में रख दें.

धनु राशि

(ये,यो, मां,भी,भू,ध,फ,ढ,भे)

व्यक्तित्व और गुण

धनु राशि के जातक मजबूत इच्छा शक्ति वाले होते हैं और वे किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम देने का इरादा रखते हैं. धनु राशि के होंठ काफी लुभावने और घने बाल होते हैं. इस राशि के जातक सामान्य रूप से करिश्माई, आकर्षक और ऊर्जावान व्यक्तित्व के होते हैं.

धनु राशि के जातकों के लिए यह वर्ष कई सुखद घटनाओं और सफलताओं के साथ आया है. आपका पूरा परिवार धार्मिक यात्रा करने की योजना बना रहा है, जिससे आप सभी में आत्मा की शांति और समर्पण का माहौल बनेगा. मांगलिक कार्यों में सफलता के संकेत हैं और पैतृक सम्पत्ति से आपको लाभ होगा. नया वर्ष नई उपलब्धियों और नई उम्मीदों के साथ आ रहा है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. कार्यक्षेत्र में भी आपको सफलता मिलेगी और आप अपने प्रमोशन या परियोजना में पहल कर सकते हैं. संतानों के हित में भी आपकी चिंताएं कम होंगी. किसी उच्च संस्थान में दाखिला प्राप्त कर सकते हैं. यह समय आपकी तरक्की में सहायक हो सकता है और आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं. व्यापार व्यवसाय में भी आपको उन्नति होगी और आप पुराने रोगों में कमी अनुभव करेंगे. सामाजिक जीवन में सेवाएं आपका सम्मान बढ़ाएंगी और नए वाहन की खरीदारी की जा सकती है. आपको इस समय का आनंद लेने के लिए सब कुछ तैयार है, और आप अपनी प्राप्तियों को सही दिशा में बढ़ाने के लिए तैयार हैं. इस समय में ध्यान रखने की जरूरत है कि रोजगार में लाभ कम हो सकता है और पिछले विवाद शांत नहीं हो सकते हैं. भाग्य में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन आपको इसका बहुत ध्यान नहीं देना चाहिए. संतान के प्रयास सफल होंगे. राज्य पक्ष से की गई मदद आपके लिए सकारात्मक होगी. ऋण प्रबंधन में सुधार होगा और फिर से पैसा वापस मिल सकता है. धार्मिक कार्यों में खर्च बढ़ेगा और सरकारी मामलों से सावधान रहना होगा, क्योंकि कुछ समस्याएं आ सकती हैं. विद्यार्थियों के लिए समय ठीक रहेगा और नौकरी से जुड़े व्यक्तियों को अच्छा लाभ हो सकता है. व्यापारी वर्ग को मेहनत ज्यादा करनी होगी और माता-पिता की सलाह लेना लाभकारी होगा. संतान पक्ष को अच्छी सफलता मिलेगी लेकिन व्यवसायिक लाभ में कमी भी हो सकती है. जुलाई से सितंबर तक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां रखें. परिवार में धार्मिक कार्य संपन्न होंगे. भाई-बहनों से सहायता मिलेगी और नवीन संपत्ति खरीदने की स्थिति अच्छी रहेगी. विद्यार्थी वर्ग के लिए रुझान बढ़ेगा और संतान पक्ष से भावनात्मक लगाव बनेगा. सामाजिक जीवन में सुखद लम्हे होंगे और शेयर बाजार का व्यवसाय करने वालों को अच्छा लाभ होगा. स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा. परिवार में अपनों से थोड़ी नोकझोंक हो सकती है. यात्रा एवं परदेश गमन का योग है. व्यापारिक स्थिति ठीक रहेगी. किसी व्यक्ति से तर्क आपके लिए लाभकारी होगा. मन खुश रहने के बावजूद एक उलझन सी बनी रहेगी. किसी चूक से आर्थिक क्षति हो सकती है. घर में वाद-विवाद हो सकता है. आत्मिक और इच्छा शक्ति प्रबल होगी. हर परिस्थिति में सुधार, देश-देशान्तर, गमनागमन, आय-व्यय की समानता रहेगी. भाग्यवृद्धि समाज, परिवार का उत्तम सच मिलेगा. रचनात्मक कार्यों में सफलता, अन्न द्रव्य का लाभ मिलेगा. किसी कार्यवश देश-विदेश की यात्रा करनी पड़ेगी. गृहस्थ जीवन का सुख उत्तम रहेगा. राज्याधिकारियों का सहयोग मिलेगा.

उपाय और टोटके

बेलवृक्ष के नीचे 5 संध्या घी का दीपक प्रति दिन जलाएं. बेहतर हो कि इसमें हरे मूंग के कुछ दाने डाल दें..

वृश्चिक राशि

(तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, श्री, यूं)

व्यक्तित्व और गुण

गंभीर, निडर, जिद्दी, तीव्र और भावुक प्रकृति के वृश्चिक राशि में जन्मे जातकों को आमतौर पर हल्के में नहीं लिया जा सकता है. ये अपनी शर्तों पर जीवन जीते हैं. जो ठान लेते हैं, वह पूरा करके रहते हैं. ये अपने रहस्यों को अच्छी तरह से सुरक्षित रखते हैं. इनके मन की बात सहजता से नहीं समझा जा सकता.

घर में मांगलिक कार्य होंगे. आपकी प्रवृत्ति में परोपकार और दान की भावना बढ़ेगी. सामाजिक स्थिति में सुधार होगा. आपका मान-सम्मान बढ़ेगा. सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में शामिल होने का समय अनुकूल है. हालांकि, अनजान व्यक्तियों के साथ मित्रता सावधानी से करें. प्रेम में वृद्धि होगी और जीवनसाथी के साथ अधिक समझदारी बनेगी. शनि की ढैय्या से कुछ निर्णयों में विचार-विमर्श करें. उच्च अधिकारियों का समर्थन पूरा नहीं हो सकता है, इसलिए धैर्य रखें. संतान संबंधित चिंताएं कम होंगी और कोई बचा काम अधूरा नहीं रहेगा. धैर्यपूर्वक कार्य करें, और आपको विशेष रूप से समय से पूरे होने वाले कार्यों का आनंद लेने में सफलता मिलेगी. किसी मित्र या राजनैतिक व्यक्ति की मदद से व्यापारिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है. उच्चाधिकारियों की सहायता से भी लाभ हो सकता है. दाम्पत्य जीवन में स्थिति अनुकूल रहेगी और कानूनी मामलों में सफलता हो सकती है. पूर्व निर्धारित कार्यों में सफलता मिलेगी. अपने कारोबारी संबंधियों की स्थिति में सुधार होगा और आर्थिक योजनाओं से भविष्य में लाभ हो सकता है. परिवारजनों के सहयोग से नई योजना का शुभारंभ कर सकते हैं. आपको अनेक सहयोगी मित्र मिलेंगे. साझेदारी का व्यापार हानिकारक हो सकता है, इसलिए व्यापार में सतर्क रहें. अन्न, धन, नए वस्त्राभूषण का लाभ होगा, और प्रभावशाली कार्य करने का अवसर मिलेगा. संतानपक्ष के सुख की वृद्धि होगी और दाम्पत्य-जीवन सुखद रहेगा. धन-हानि और आलस्य प्रमाद का प्रभाव हो सकता है और जड़ बुद्धि और भ्रान्ति का योग है. ध्यान रखें कि व्यापार में सतर्क रहें. शेयर बाजार में सतर्क रहें. समय का उपयोग अच्छी तरह से करें क्योंकि यह आपके लिए लाभप्रद होगा. शनि महाराज आपके प्रेम की परीक्षा लेंगे. इसलिए आपको सच्चाई के साथ अपने रिश्ते में बने रहना होगा. जो लोग अकेले हैं, उनके जीवन में इस वर्ष प्यार आ सकता है. अगस्त से अक्टूबर के बीच प्रियतम के साथ अनुकूल संबंध रहेंगे और साथ में घूमने फिरने जा सकते हैं. करियर के मामले में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं. दशम भाव के स्वामी शनि देव जी के एकादश भाव में बने रहने से करियर में स्थायित्व आएगा और आपको अच्छी पदोन्नति के योग भी बनेंगे. विद्यार्थियों की बुद्धि का तीव्र विकास होगा और इससे आपको पढ़ाई में अच्छी सफलता मिलेगी. देव गुरु बृहस्पति का प्रभाव आपको अच्छा विद्यार्थी बनाने में मदद करेगा. पारिवारिक जीवन में वर्ष की शुरुआत अनुकूलता लेकर आएगी. पारिवारिक सामंजस्य बना रहेगा लेकिन वर्ष के अंतिम महीनों में माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा. वैवाहिक संबंधों में वर्ष की शुरुआत बढ़िया रहेगी. किसी फंक्शन में शामिल होने का मौका मिलेगा. अविवाहित जातकों का विवाह इस वर्ष विवाह हो सकता है. धन और लाभ की स्थितियां उतार-चढ़ाव से भरी रहेंगी. स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से मिश्रित परिणाम मिलेंगे. देव गुरु बृहस्पति तो समस्याओं से बचाएंगे लेकिन राहु और केतु तथा अन्य ग्रहों का प्रभाव बीच-बीच में रक्त संबंधी समस्याएं और सिर दर्द तथा अन्य छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याएं दे सकते हैं.

उपाय और टोटके

तीन मंगलवार दिन हनुमान जी के मंदिर में पांच पीपल का पत्ता में हं हनुमते नमः लिखकर चढ़ाएं. मंगलवार को हनुमान चलीसा का पाठ करें.

मकर राशि

(भो,जा,जी,खी,खू,खे,खो,गा,गी)

व्यक्तित्व और गुण

मकर राशि के जातक मेहनती, समर्पित और वफादार होते हैं. इनका स्वामी ग्रह शनि हैं. इस वजह से ये महान अनुशासनशील बनते हैं. इस राशि के व्यक्ति जिस भी गतिविधि को चुनते हैं उस क्षेत्र में शीर्ष तक पंहुचते हैं.

मकर राशिवालों जातकों का यह परिवर्तन वर्ष है. आपके दैनिक जीवन में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. सामाजिक दायरा बढ़ेगा, प्रतिकूल परिस्थितियों पर साहस के साथ विजय प्राप्त करेंगे. नया लग्जरी वाहन खरीदने का योग बन रहा है. शनि की उतरती साढ़ेसाती कुछ अच्छे संकेत देगी. व्यापारियों को अपने व्यापार के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा. पारिवारिक जीवन में परेशानियों से मानसिक चिन्ताओं में वृद्धि होगी. पुराने वाद-विवाद हल होने की सम्भावना है. धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. वाहन आदि सावधानी से चलाएं अन्यथा कोई दुर्घटना होने का संकेत है. खान-पान में सावधानी बरतें. कोई कार्य साझेदारी में न करें. छात्रों को अच्छी सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी. जीवन साथी का आपको सहयोग मिलेगा. हनुमान जी का दर्शन पूजन करें. सकारात्मक विचार रखें और आगे उन्नति करें. प्रेम संबंधों के लिए वर्ष की शुरुआत अनुकूल रहेगी. देव गुरु बृहस्पति की दृष्टि पंचम भाव पर रहने से प्रेम विकसित होगा और इस वर्ष आप अपने प्रियतम से प्रेम विवाह करने में सफल हो सकते हैं. कार्यक्षेत्र में शॉर्टकट लेने से बचना चाहिए. नौकरी में स्थानांतरण संभव हो सकता है. मार्च से अक्टूबर के बीच आपको नौकरी में बदलाव का अवसर मिल सकता है. विद्यार्थियों को शुरुआत में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. चौथे भाव में केतु पारिवारिक समस्याओं को बढ़ाएंगे जिसका असर आपकी पढ़ाई पर पड़ सकता है. हालांकि विद्यार्थी वर्गों के लिए अध्ययन अध्यापन कार्य में सफलता मिलेगी. राज्य अधिकारियों एवं नेताओं से संपर्क व मान सम्मान में वृद्धि होगी. व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. यश प्रतिष्ठा में सुधार होगा. किसी राजनेता का अकस्मात सहयोग मिलेगा. कारोबारी क्षेत्र में विशेष प्रगति होगी. नए वाहन खरीदारी का योग बनेगा. माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी. कर्म क्षेत्र में उत्तम पद, पोजीशन एवं संतोषजनक परिणाम मिलेंगे. आर्थिक आधार मजबूत होगा. देश विदेश की यात्रा करनी पड़ेगी. मांगलिक कार्य संपन्न होंगे. पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है. वैवाहिक जीवन में आपको उल्टा सीधा बोलने से बचना चाहिए. भले ही वर्ष की शुरुआत में देव गुरु बृहस्पति संभाल लेंगे लेकिन फिर भी स्थिति बिगड़ने न पाए, इस बात का आपको ध्यान रखना होगा. विदेशी संपर्कों से इस वर्ष आपको अच्छा लाभ मिल सकता है. वर्ष की शुरुआत में पेट दर्द, छाती में संक्रमण जैसी समस्याओं से बचना चाहिए. आंखों में समस्या भी हो सकती है. वाहन चलाते समय सतर्क रहें, और चोट चपेट से बचने के लिए सुरक्षित रूप से व्यावहार करें. वाद-विवाद से बचें और अपने विचारों को सही तरीके से व्यक्त करने का प्रयास करें. आपको धन का सही रूप से प्रबंधन करना होगा. इस समय आपको किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और अपने काम क्षेत्र में सावधान रहना होगा. कार्यक्षेत्र में सहयोगी योजनाओं के साथ तालमेल बनाए रखना होगा . व्यापारिक लाभ के संकेत हैं . आपको सट्टेबाजी से बचने की जरूरत है.

उपाय और टोटके

दूध, गुड़ मिश्रित से पायस बनाकर किसी गरीब व जरुरतमंद को भोजन कराएं. चमेली का तेल व भाखड़ा सिंदूर लाल कपड़े पर लगा कर हनुमान जी की प्रतिमा को अर्पित करें.

कुंभ राशि

(गू, गे, गो,सा,सी,सू,,सो,दा)

व्यक्तित्व और गुण

ये जातक चिंतनशील, एकांगी, आत्मविश्वासी व आत्मकेन्द्रित स्वभाव के होते हैं. ये अथक परिश्रमी होते हैं. वे एक बार लक्ष्य निर्धारित करने के उपरांत उसे कठोर परिश्रम कर हासिल करने के बाद ही संतुष्ट होते हैं.

आप अपने मेहनत का लाभ उठाएंगे. व्यवसायिक उद्देश्य की यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी. शेयर, सट्टा से लाभ हो सकता है. जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखें. स्वास्थ्य से सम्बन्धित बीमारियां आपको परेशान करेंगी. शनि की साढ़ेसाती से समय-समय पर कुछ न कुछ परेशानियां बढ़ सकती है. कोई भी निवेश सोच समझकर करें. अन्यथा परेशानी बढ़ सकती है. प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे छात्रों के लिए सफलता परिश्रम से संभव है. संतान सफलता की ओर अग्रसर होंगी. पति-पत्नी का आपसी सहयोग बढ़ेगा. हनुमान जी का पूजन तथा मंगलवार, शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें. शनिवार को तेल दान करें. शादीशुदा जिन्दगी अच्छी तरह रहेगी. क्रोध से बचें. धन के प्रबंधन में सावधानी बरतनी चाहिए. सामाजिक और परिवारिक संबंधों में सहयोग बनाए रखने के लिए सतर्क रहना होगा, विशेषकर शत्रुओं के साथ. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए और नियमित रूप से योग या अन्य शारीरिक व्यायाम का अभ्यास करना उपयुक्त हो सकता है. आपको व्यापारिक और व्यवसायिक निर्णयों में सतर्कता बरतनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप अपने पूंजी और निवेश को सही तरीके से प्रबंधित कर रहे हैं. भविष्यवाणियों के अनुसार, आपको कुछ समय तक विश्राम और मनोरंजन का समय निकालना भी महत्वपूर्ण है, ताकि आप मानसिक तनाव से बच सकें. यह सुझाव आपको आने वाले समय में सहायक हो सकती हैं, लेकिन कृपया ध्यान दें कि भविष्यवाणियों का यह सिर्फ एक सामान्य अंदाज़ है. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत और सही दिशा में प्रयासरत रहना हमेशा महत्वपूर्ण होता है. निम्नलिखित कुछ सुझाव आपकी मदद कर सकते हैं- आर्थिक प्रबंधनः आर्थिक उतार-चढ़ाव आ रहा है, इसलिए धन का प्रबंधन सावधानीपूर्वक करें. योजना बनाएं, आवश्यकता अनुसार खर्च करें, और अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए धन का सही तरीके से उपयोग करें. स्वास्थ्य का ध्यान : शारीरिक कष्ट के लिए तैयार रहें. नियमित व्यायाम और सही आहार के माध्यम से स्वास्थ्य की देखभाल करें. व्यापारिक योजना : योजना बनाएं और व्यापार या नौकरी में विघ्नों के सामना करने के लिए तैयार रहें. व्यापारिक स्थिति को सुधारने के लिए उपाय करें. परिवारिक संबंध : पुत्र-पत्नी-कुटुंब के साथ प्रीति बनाए रखने का प्रयास करें. घर में शांति बनाए रखने के लिए सहयोग करें और आपसी समझ बनाए रखने के लिए प्रयास करें. आध्यात्मिक अभ्यास : आध्यात्मिक अभ्यास और विचारशीलता बढ़ाने का समय निकालें, जो आपको मानसिक शांति और संतुलन प्रदान कर सकता है. कर्मठता और सही दिशा : मेहनत और सही दिशा में प्रयासरत रहें. कर्मठता और सतर्कता के साथ आने वाले समय में सफलता की प्राप्ति हो सकती है. आत्म-विकास : नए दिशानिर्देशों में अपने व्यापार या नौकरी में आत्म-विकास के लिए समय निकालें. नए कौशल सीखें और अपनी क्षमताओं को बढ़ाएं.

उपाय और टोटके

मन्त्रः ॐ नमो हनुमते हुं फट् स्वाहा... इस मन्त्र को 101 बार जप करने के बाद आपको चौमुखा आटे का दीपक जलाकर उसमें पानी डालना है. दीपक के पास तेल, सिन्दूर, लौंग, सुपारी व पान रखें.

मीन राशि

(दी,दूं,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

व्यक्तित्व और गुण

ये अपने सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव के लिए जाने जाते हैं. ये आकर्षक होते हैं. लापरवाह दृष्टिकोण रखते हैं. अनुशासन का एक निश्चित स्तर तक पालन करने लगे तो रास्ते सरल हो जाते हैं.

आपके वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए एक वित्तीय योजना तैयार करें. अपने खर्चों को संज्ञान में लेकर बजट बनाएं और इसे पालन करें. निवेश के माध्यम से अपनी धन वृद्धि को बढ़ाएं. परिवारिक संबंध मजबूत करें. परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों को मजबूत बनाएं और समस्याओं को सही से समझें. यदि आप व्यापारी हैं, तो व्यापार को विस्तारित करने की कोशिश करें. नए अवसरों का पता करें. संभावनाओं का सही तरीके से उपयोग करें. शिक्षा और करियर में ध्यान दें. यदि आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो समर्पित रूप से पढ़ाई करें. आत्मविश्वास को बनाए रखें और सफलता की दिशा में अग्रसर हों. आयुर्वेदिक चिकित्सा का अनुसरण करें. उदर संबंधित रोग से बचने के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा का अनुसरण करें. सही आहार, योग और प्राकृतिक उपचार से अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रखें. आत्म-समर्पण और शांति की प्राप्ति के लिए प्रयास करें. छोटी-छोटी परेशानियों के साथ समर्थन और आत्म-समर्पण से आप जीवन को बेहतर बना सकते हैं. योग और ध्यान का अभ्यास करके मानसिक शांति प्राप्त करें. इन सुझावों को ध्यान में रखकर, आप अपने जीवन को सकारात्मक रूप से प्रबंधित कर सकते हैं. आगामी कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार रह सकते हैं. कार्य और व्यापार में लाभ आपके कार्य और व्यापार में सफलता से नहीं सिर्फ परिवार को बल्कि मित्रों को भी लाभ होगा. यहां तक कि आपके आस-पास के लोग भी आपके प्रयासों का समर्थन करेंगे. हालांकि, इस सब पर भरोसा करते समय सावधान रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है. इसमें आध्यात्मिक संबंधों का भी महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, और राजनीतिक और शासकीय संबंधों से भी कुछ मजबूती आ सकती है. इन गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छा मार्ग को ताक पर रखना चाहिए. इसके साथ, नौकरीवाले लोगों के लिए भी सुखद समय की संभावना है. आर्थिक स्थिति का सुरक्षित बनाएं. नौकरी में स्थानांतरण की संभावना है. व्यवसाय में सुधार होने की संकेत हैं. नई योजनाओं की शुरुआत और स्थायी नौकरी के अलावा अन्य स्रोतों से धन प्राप्त हो सकता है. सभी क्षेत्रों में शुभ प्रभाव की उम्मीद है, और यह समग्र विघ्न बाधाओं के सीधे प्रभाव को दूर करने का मार्ग बना रहेगा. स्वास्थ्य बेहतर रहेगा. आपदा में अनावश्यक खर्च और ऋण लेने की आशंका है. सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. घरेलू जीवन में परेशानियों का सामना करना हो सकता है. इस सम में शौर्य और धैर्य की आवश्यकता है. आत्म-नियंत्रण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए. नए प्रयासों में सफलता, धन लाभ, और आत्मबल-मनोबल की वृद्धि की उम्मीद है. यह भी सुनिश्चित करेगा कि आप कठिनाइयों का सामना करने में समर्थ रहें और सही समय पर सही निर्णय लें. इससे पर्सनल ग्रोथ और जीवन में समर्पण का अहसास होगा.

उपाय और टोटके

प्रत्येक शुक्रवार को निधर्न व्यक्ति को चनें, गुड़ का दान करें. शुक्रवार के दिन तला हुआ चना और गुड़ मिलाकर उन्हें बच्चों खिलाएं.

ब्रीफ खबरें

नवादा में गोलीबारी मामले में 11 गिरफ्तार

नवादा। नवादा नगर के बाईपास में हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने शुक्रवार को 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है तथा दो स्कॉर्पियो भी जब्त किया गया है. नवादा के एसपी अमरीष राहुल ने बताया कि बालू माफियाओं के आपसी विवाद के कारण गोलीबारी की गई थी. दो ट्रैक्टर भरे बालू को ग्रामीणों ने रोक कर छुड़ा लिया था. इस मामले में प्रयुक्त दो स्कॉर्पियो गाड़ी को जब्त कर लिया गया है. हथियार बरामद नहीं की जा सकी है. एसपी ने यहां तक कहा कि मामले की जांच की जा रही है. इस मामले में जो भी दोषी होगा किसी भी कीमत पर उसको जेल भेज दिया जाएगा.

गैंगस्टर शाकिर रेजा उर्फ आसिफ गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के रक्सौल स्थित एसएसबी 47वीं बटालियन के जवानों ने शातिर गैंगस्टर शाकिर रेजा उर्फ आसिफ अली को सीमा पर स्थित मैत्री पुल से गिरफ्तार किया है. वह नेपाल भागने का प्रयास कर रहा था. शाकिर ग्राम शाहनगर कुजीबाना पोस्ट कुरहेला बोबरा थाना कदवा जिला कटिहार बिहार का रहने वाला है. इसके पास कुछ संदिग्ध पहचान पत्र मिले है, जिसमें इसका नाम आसिफ अली पुत्र नियाज अली लिखा है,जिसमें एच 9 तीसरा फ्लोर बाटला हाउस जामिया नगर दिल्ली-110025 का पता दर्ज है. इसके विरूद्ध कई थाना में 10 से भी अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है.

कैमूर महिला हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार

कैमूर। कैमूर में महिला हत्याकांड का उद्भेदन पुलिस ने कर लिया है. जिले के केवां नहर से महिला का शव बरामद किया गया था. जिसके बाद चैनपुर पुलिस ने जांच-पड़ताल करते हुए फरार चल रहे दो और आरोपियों को रोहतास से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. पुलिस ने बताया कि घरेलू विवाद में महिला के पति और ससुर ने दो लोगों के साथ मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी. मामले को लेकर भभुआ एसडीपीओ शिव शंकर कुमार ने प्रेसवार्ता कर बताया कि 27 सितंबर 2023 को बौरई गांव के पास से एक शव बरामद किया गया था.

ललन सिंह के इस्तीफे पर सम्राट चौधरी बोले

जदयू का आंतरिक मामला है

संवाददाता।पटना

दिल्ली में बैठक के बाद जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. कई दिनों से इसकी चर्चा हो रही थी जिसके बाद शुक्रवार को दिल्ली में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद इस पर मुहर भी लग गई. सिंह के इस्तीफे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि ये जनता दल यूनाइटेड का अपना मामला है. ये जदयू की लड़ाई है. भारतीय जनता पार्टी को इससे कोई लेना-देना नहीं है. हम आज भी तैयार हैं और चाहते हैं कि जदयू और राजद मिलकर चुनाव लड़े. दोनों को हम लोग हराने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि जदयू में एक ही नेता है नीतीश कुमार और दूसरा कोई नहीं है. नीतीश ने कभी आरसीपी सिंह को अध्यक्ष बना दिया तो कभी ललन सिंह को बना दिया, ये उनका दायित्व है. लेकिन बीजेपी का स्पष्ट मानना है कि पूरे महागठबंधन और इंडिया गठबंधन के लोगों को हराने के लिए तैयार हैं. बता दें कि ललन सिंह के इस्तीफे के बाद एक बार फिर से बिहार की सियासत में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. भाजपा के कई नेताओं का यह साफ कहना है कि नीतीश के लिए एनडीए का दरवाजा बंद हो गया है.

ललन सिंह के इस्तीफे पर उपेंद्र कुशवाहा बोले-

नीतीश एनडीए में आएं...

पटना। ललन सिंह ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. सीएम नीतीश कुमार अब पार्टी की कमान संभालेंगे. जदयू में मचे घमासान के बीच आरएलजेडी

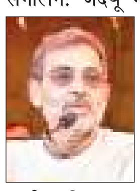

सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा, अभी तक नीतिश कुमार महागठबंधन के हिस्सा हैं. ललन सिंह का रिश्ता राजद से ज्यादा हो गया था और ललन सिंह को जदयू से खतरा हो गया था इसलिए इनका इस्तीफा लिया गया. उधर, दिल्ली में जदयू के कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार के समर्थन में नारेबाजी की तो कोई बांसुरी बजाता हुआ नजर आया. कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे थे, देश का प्रधानमंत्री कैसा हो? नीतीश कुमार जैसा हो. वहीं, विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा, एक स्वाभिमानी नेता इस तरह की विदाई स्वीकार नहीं करता है. अगर पार्टी और नेतृत्व को उनमें भरोसा नहीं है, तो ऐसे में पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है. ललन सिंह को पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जीतन राम मांझी बोले

ललन हटे नहीं हटाए गए

पटना। दिल्ली में शुक्रवार को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें ललन सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने का प्रस्ताव रखा. इसे

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वीकार कर लिया. अब इसके बाद नीतीश जदयू के नए अध्यक्ष होंगे. पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर लिखा, ऐसा कोई सगा नहीं जिसको नीतीश कुमार ने ठगा नहीं. मांझी ने अपने पोस्ट में ही एक ऐसी लाइन भी लिखी है जिससे यह लग रहा है कि ललन सिंह ने इस्तीफा नहीं दिया है बल्कि उन्हें हटा दिया गया है. नीतीश कुमार की तीन वर्षीय योजना के तहत ललन सिंह का भी पत्ता साफ कर दिया गया है. वैसे ललन बाबू को समझना चाहिए था कि जो नीतीश कुमार फर्नांडिस साहब के ना हुए, आरसीपी बाबू, शरद यादव, दिग्विजय सिंह के ना हुए वह उनके कैसे होंगे? ऐसा कोई सगा नहीं जिसे नीतीश ने ठगा नहीं.

बेतिया में होमगार्ड जवान की हुई मौत

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला स्थित योगापट्टी अंचल कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के जवान की मौत संदिग्ध स्थिति में हो गई है. जवान की मौत कैसे हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है. घटना गुरुवार की देर रात की बताई जा रही है. साथी होमगार्ड के जवान की सूचना पर शुक्रवार को पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसी भेज दिया है. मृत होमगार्ड जवान बैरिया थाना क्षेत्र के मलाही बलुआं पंचायत के मलाही टोला गांव निवासी दिगंबर गदी के 50 वर्षीय पुत्र असगर गदी है. सीओ प्रियव्रत कुमार ने बताया कि जवान तीन माह से असगर गदी अंचल कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात था.

आओ जानें

बिहार : जानें सोन नदी के बारे में

- सोन नदी को सोनभद्र शीला के नाम से भी जाना जाता है. इसका पुराना नाम संभवत: 'सोहन' था जो पीछे बिगड़कर सोन बन गया.
- इस नदी का नाम सोन इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि इस नदी के बालू (रेत) पीले रंग के हैं जो सोने कि तरह चमकते हैं.
- सोन नदी मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से अमरकंटक पहाड़ी के मैकाल पर्वत श्रेणी से निकलती है. जिसकी कुल लंबाई 784 किलोमीटर है .
- सोन नदी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा झारखंड राज्यों से होकर बिहार के रोहतास जिले में प्रवेश करती है जिसकी बिहार में कुल लंबाई 202 किलोमीटर है .
- सोन नदी मनेर में गंगा नदी में मिल जाती है. इसकी प्रमुख सहायक नदियां गोपद, रिहान, कनहर एवं उत्तरी कोयल आदि है.

लालू यादव के एजेंट की तरह थे सक्रिय

ललन को हटाना खेल की शुरुआत : मोदी

- जो भाजपा मुक्त करने के लिए डंका बजा रहे थे, पार्टी ने उन्हें ही मुक्त कर दिया

विशेष संवाददाता ।पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद से मिलकर जदयू को तोड़ने में लगे ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने जाने की हमारी भविष्यवाणी सप्ताह भर के भीतर सच हुई, लेकिन यह खेल की शुरुआत है, अंत नहीं, पार्टी का टूटना तय है. मोदी ने शुक्रवार को जदयू में उठापटक पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ललन सिंह के हटने की खबरों को जो लोग मीडिया और भाजपा का खेल बता रहे थे, उन्हें अब कुछ दिन मुंह छिपाना पड़ेगा.

उन्होंने कहा कि ललन सिंह को हटाये जाने पर जदयू कार्यालय में मिठाइयां बांट कर और पटाखे छोड़ कर कार्यकर्ताओं ने ऐसी खुशी मनायी, जैसे उन्हें किसी गलत आदमी से मुक्ति मिली हो. मोदी ने कहा कि जो बिहार को भाजपा-मुक्त करने के बड़बोले दावे कर रहे थे, पार्टी ने उन्हें ही मुक्त कर दिया. उन्होंने कहा की जदयू के भीतर दो गुट बन चुके हैं. एक खेमा लालू-समर्थक है, जिसके 12 से ज्यादा विधायकों को ललन सिंह अपने पीछे खड़ा कर चुके थे. दूसरा गुट भाजपा के प्रति सद्भाव रखता है. यदि समय रहते ललन सिंह को नहीं हटाया गया होता, तो वे लालू प्रसाद के एजेंट के तौर पर काम करते हुए जदयू का राजद में विलय करा कर ही मानते. उन्होंने कहा कि ललन सिंह चुप बैठने वाले नहीं है, इसलिए कुछ और गुल खिलाएंगे. जदयू को अब उनसे और सावधान रहने की जरूरत है.

मिथिला राज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार : पशुपति

सहरसा। अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अंतर्राष्ट्रीय संयोजक प्रो.अमरेंद्र कुमार झा, रामचंद्र पासवान और विजय शंकर लाल कर्ण के नेतृत्व में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस को 35 सूत्री मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र में पृथक मिथिला राज्य,मैथिली में प्राथमिक शिक्षा सहित अन्य ज्वलंत समस्याएं हैं. केन्द्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि हम पहले मैथिल हैं. मिथिला राज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है. मिथिला के सर्वांगीण विकास के लिये हरसंभव मदद का भरोसा दिया. उन्होंने कहा मिथिला राज्य आंदोलन हर मैथिल का आंदोलन है.

हथकड़ी लगाए युवक ने तीसरे तल्ले से लगाई छलांग, मौत

संवाददाता।पटना

पुलिस की कस्टडी से भागने की कोशिश में हथकड़ी पहने ही एक आरोपित ने थाने की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी. घटना पटना के राजीव नगर थाना की है. आनन-फानन में पुलिसकर्मी उसे अस्पताल ले गए लेकिन उससे पहले ही युवक की मौत हो गई. युवक का नाम सानू कुमार है जो रानी तालाब थाना इलाके के राजीपुर का रहने वाला था. गुरुवार दोपहर पुलिस ने चोरी के आरोप में पकड़ा था. विधि व्यवस्था डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि राजीव नगर थाना पुलिस ने गुरुवार की दोपहर करीब 1:00 बजे के आसपास एक साइकिल चोर को चोरी करते हुए रामनगरी मोड़ के पास से पकड़ा था. लोगों ने चोर को पकड़ा था और पुलिस के हवाले कर दिया था. लोगों ने साइकिल चोर की पिटाई कर दी थी. पुलिस कस्टडी के बाद उसका इलाज भी कराया गया था. इलाज के बाद उसे राजीव नगर थाने में लाकर पुलिस अभिरक्षा में हथकड़ी लगाकर रखा गया था.

शाम में करने लगा था भागने की कोशिश : डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने कहा कि थाने में आरोपी को रखे जाने के बाद वह शाम में भागने का प्रयास कर रहा था.

कालचक्र मैदान में दिखा गजब का उत्साह

60 देशों से लामा को सुनने पहुंचे श्रद्धालु

संवाददाता।गया

बोधगया में बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा का तीन दिनों तक चलने वाला टीचिंग कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू हो गया. बौद्ध धर्म गुरु की टीचिंग में करीब पांच दर्जन से अधिक देशों के बौद्ध श्रद्धालु शामिल हुए. वहीं, इस दौरान सैकड़ों भिक्षु फालेप और केतली वाली चाय लेकर श्रद्धालुओं के बीच दौड़-दौड़ कर पहुंचाते रहे. बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा का टीचिंग कार्यक्रम 29, 30 और 31 दिसंबर तक चलेगा.

पहले दिन शुक्रवार को कालचक्र मैदान में टीचिंग कार्यक्रम शुरू हुआ

जिसमें उन्होंने प्रवचन दिया. तकरीबन 60 हजार से अधिक बौद्ध श्रद्धालुओं ने दलाई लामा का प्रवचन सुना. बता दें कि इन श्रद्धालुओं को टीचिंग के बीच एक बार फालेप (तिब्बती रोटी) और दो बार चाय दी जाती है. इसी को लेकर प्रवचन शुरू होने के ठीक पहले बौद्ध श्रद्धालुओं को चाय दी गई. बौद्ध श्रद्धालुओं तक चाय और फालेप पहुंचाने के लिए सैकड़ो भिक्षु कालचक्र मैदान में दौड़ लगाते दिखे. कालचक्र मैदान में दौड़ लगाकर मैदान में टीचिंग को सुनने को बैठे बौद्ध श्रद्धालुओं के पास फालेप और चाय पहुंचाई.

प्लेन के पार्ट्स ले जा रही लारी ओवरब्रिज में फंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपराकोठी मुख्य चौराहा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर स्थित ओवरब्रिज में प्लेन के पार्ट ले जा रही लॉरी फंस गई, जिसमें प्लेन के कुछ पार्ट और ओवरब्रिज आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए. इससे राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया. प्लेन के हिस्सों को खोलकर उसे एक लॉरी ट्रक पर लादकर असम ले जाया जा रहा था. ऊंचाई ज्यादा होने के कारण वह ओवरब्रिज में सट गया, जिसमें एरोप्लेन का पिछला हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया वाहन के स्टाफ ने ट्रक के सभी चक्कों के हवा को निकालकर उसे डाउन किया तथा काफी मशक्कत के बाद उसे ओवरब्रिज से निकाला.

कारोबार

बॉन्ड के जरिये 2,200 करोड़ जुटाने की मंजूरी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को बॉन्ड के जरिये 2,200 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी. कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि बॉन्ड पर गठित निदेशकों की समिति ने 29 जुलाई को पूंजीगत व्यय जरूरतों को पूरा करने के लिए कई किस्तों में वित्त वर्ष 2023-24 में 5,700 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी थी. इसी क्रम में तीसरे किस्त के तौर पर बॉन्ड के जरिये 2,200 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दी गई.

लद्दाख के लिए 1,170 करोड़ रुपये स्वीकृत

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में 29 सड़क परियोजनाओं के लिए 1,170.16 करोड़ स्वीकृत किए हैं. गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार ने लद्दाख में राजकीय राजमार्ग और अन्य प्रमुख सड़कों से संबंधित 29 परियोजनाओं के लिए 1,170.16 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं. इसके साथ ही केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि योजना के अंतर्गत आठ पुलों के लिए 181.71 करोड़ भी स्वीकृत किए गए हैं.

इनोवेटिव-एक्विजिशन के साथ विलय पूर्ण

नयी दिल्ली। कार साझा करने वाले मंच जूमकार और विशेष प्रयोजन अधिग्रहण कंपनी 'इनोवेटिव इंटरनेशनल एक्विजिशन कॉर्पोरेशन' ने शुक्रवार को अपना विलय पूरा कर लिया.जूमकार ने एक बयान में कहा कि संयुक्त इकाई का नाम जूमकार होल्डिंग्स इंक रखा गया है और यह नैसडैक पर तत्काल अपना कारोबार शुरू कर सकती है. जूमकार और आईओएसी ने 13 अक्टूबर, 2022 को विलय संबंधी एक निर्णायक समझौता किया था. जूमकार केमुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेग मॉरन ने कहा, यह हमारी कंपनी की वृद्धि में एक महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत का प्रतीक है.

टेस्ला गुजरात में ईवी आपूर्ति प्रणाली विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा कर सकती है

भारत का ऑटो सेक्टर तेजी से हो रहा इलेक्ट्रिफाइड

भाषा ।नयी दिल्ली

भारत जिस गति से अर्थव्यवस्था के पायदान पर आगे बढ़ रहा है, उससे दुनियाभर के निवेशकों की रूचि बढ़ती जा रही है. इसके लिए चीन और अन्य देशों के कारोबारी भारत की तरफ कदम बढ़ाने में लगे हैं. इसमें चीन और अमेरिका के कारोबारी भी हैं. इसी में अमेरिकी दिग्गज एलन मस्क भी हैं, जो अपनी कार टेस्ला के लिए चर्चित हैं. जहां भी इनका कारखाना लगता है, वह चर्चा में आ जाता है. वैसे भारत में काफी समय से टेस्ला की कारों का इंतजार हो रहा है. जिस तरह से भारत का बाजार बढ़ रहा है, उस पर लगभग हर दिग्गज ब्रांड की नजर है. भारत का ऑटो सेक्टर तेजी से इलेक्ट्रिफाइड भी हो रहा है. ऐसे में अमेरिकी कंपनी टेस्ला भी जल्द से जल्द भारत आना चाहती है. अब एलन मस्क की टेस्ला आखिरकार भारत में अपना ड्राई रन खत्म कर सकती है. अगले महीने ''वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट'' के दौरान गुजरात में एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आपूर्ति प्रणाली विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा कर सकती है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घोषणा 10-12 जनवरी के प्रमुख कार्यक्रम में टेस्ला के सीईओ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में किए जाने की संभावना है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने टेस्ला को अपना मैन्युफैक्चिरिंग प्लांट लगाने के लिए साणंद, बेचराजी और धोलेरा के नाम सुझाए हैं. इससे पहले, टेस्ला द्वारा अपना ईवी प्लांट स्थापित करने के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु पर विचार किया जा रहा था. टेस्ला केंद्र सरकार के साथ गहन बातचीत में लगी हुई है. टेस्ला ऐसी रियायतें मांग रही है जो भारतीय बाजार में आसान एंट्री का रास्ता खोलेगी. केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नवंबर में कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में टेस्ला की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का दौरा किया था. गोयल ने कहा कि प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियरों और वित्त पेशेवरों को वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए और गतिशीलता में बदलाव के लिए टेस्ला की उल्लेखनीय यात्रा में योगदान करते हुए देखकर बेहद खुशी हुई. इस दौरान एलन मस्क ने गोयल से माफी मांगी थी कि वह अस्वस्थ होने के कारण उनसे नहीं मिल सके. मस्क ने उत्तर दिया कि आपका टेस्ला आना सम्मान की बात थी! आज कैलिफ़ोर्निया की यात्रा नहीं कर पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं भविष्य की किसी तारीख़ पर मिलने की आशा रखता हूं.'' वहीं जून में स्पेसएक्स और एक्स के मालिक ने अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और खुलासा किया कि वह भारत में महत्वपूर्ण निवेश करने के इच्छुक हैं. जिसके बाद मंत्री की अमेरिकी यात्रा के दौरान गोयल और मस्क की मुलाकात होने वाली थी. पहले की रिपोर्टों के अनुसार, ऑटोमेकर ने भारत सरकार से शुरुआती टैरिफ रियायत के लिए कहा था, जिससे 40 हजार डॉलर से कम कीमत वाली कारों के लिए भारत के 70 प्रतिशत और इससे महंगी कारों के लिए 100 प्रतिशत के भारी सीमा शुल्क की भरपाई हो सके.

40 हजार डॉलर से कम कीमत वाली कारों के लिए भारत के 70 प्रतिशत और इससे महंगी कारों के लिए 100 प्रतिशत के भारी सीमा शुल्क की भरपाई हो सके.

टेस्ला ने रियायत मांगी थी

टेस्ला ने देश में प्लांट बनाने की शर्त के तौर पर रियायत मांगी थी. कम किया गया टैरिफ सभी ईवी निर्माताओं पर लागू होगा. भारत के ईवी बाज़ार में 2030 तक 100 अरब डॉलर राजस्व के साथ 40 प्रतिशत से अधिक पैठ हासिल करने की क्षमता है. वैसे भारत आने के लिए कुछ समय पहले चीन की इलेक्ट्रिक ऑटो कंपनी बीवाईडी भारत आना चाहती थी. लेकिन भारत सरकार ने बीवाईडी के अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था. जबकि यह कंपनी साल 2022 में टेस्ला को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी ई-कार कंपनी बनने की राह पर थी. जो आज टेस्ला को कड़ी चुनौती पेश कर रहा है. यह कंपनी इलेक्ट्रिक बैटरियों में भी शीर्ष दावेदारों में शामिल है. साल 2022 में इसने इलेक्ट्रिक बैटरी के अपने बाज़ार को दोगुना कर लिया था और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई. वैसे बीवाईडी दुनिया की सबसे बड़ी ई-ऑटो कंपनी है.

खुदरा बाजार

2024 में विलासितापूर्ण उत्पादों के साथ ही किफायती खंड से भी मांग आएगी

खुदरा क्षेत्र 2024 में मांग बढ़ने से 10-13% होगी वृद्धि

संवाददाता।नयी दिल्ली

बदलाव के एक नए युग में प्रवेश करने के साथ देश का खुदरा क्षेत्र नए साल में 10-13 प्रतिशत वृद्धि के लिए तैयार है. खुदरा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि 2024 में विलासितापूर्ण उत्पादों के साथ ही किफायती खंड से भी मांग आएगी. कंपनियां इन ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देंगी. हालांकि उन पर मुद्रास्फीति का दबाव भी बना रहेगा. नए साल में खुदरा क्षेत्र नेटवर्क विस्तार, प्रीमियम ब्रांडों की मांग में मजबूत वृद्धि, छोटे शहरों में किफायती ब्रांडों की बढ़ती पकड़ और आम चुनाव से प्रभावित होगा. इसके अलावा आपूर्ति सेवाओं के अधिक कुशल बनने से ई-कॉमर्स क्षेत्र में

वृद्धि जारी रहेगी. डेलॉयट इंडिया के सलाहकार साझेदार रजत वाही ने पीटीआई-भाषा से कहा, वर्ष 2024 में भारतीय खुदरा उद्योग की वृद्धि कई कारकों से प्रभावित होगी. इनमें मजबूत जीडीपी वृद्धि, प्रौद्योगिकी-आधारित बदलाव, त्योहारी बिक्री का असर, अधिक ग्रामीण खपत के साथ ही बढ़ता हुआ मध्य वर्ग और अधिक खर्च करने वाली युवा युवा आबादी प्रमुख हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि खुदरा क्षेत्र अगले साल में 10-13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है. हालांकि छंटनी की आशंका और बढ़ती खाद्य एवं ईंधन मुद्रास्फीति जैसे कारक प्रतिकूल भी बने रह सकते हैं. इनकी वजह से लोगों के पास खर्च लायक आय कम हो सकती है. इस बीच सरकार ने ''डिजिटल कॉमर्स के लिए मुक्त नेटवर्क'' (ओएनडीसी) को बढ़ावा दिया है, जिससे नए ब्रांडों और छोटे खुदरा विक्रेताओं की भागीदारी इस खंड में बढ़ने का अनुमान है. ईवाई इंडिया के प्रमुख (उपभोक्ता उत्पाद एवं खुदरा क्षेत्र) अंशुमन भट्टाचार्य ने कहा कि भारत में खुदरा क्षेत्र वैश्विक बाजारों के मुकाबले सबसे तेजी से बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक रुझान अनुकूल बने हुए हैं, और विलासितापूर्ण उत्पादों के साथ ही किफायती उत्पादों की मांग में मजबूत वृद्धि देखी गई. केपीएमजी इंडिया के साझेदार (खुदरा) पुनीत मनसुखानी ने कहा कि खुदरा किराना खंड में मुद्रास्फीति का दबाव जारी रहने की आशंका है.

खास बातें

- खुदरा क्षेत्र 10-13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है
- 2024 में खुदरा उद्योग की वृद्धि कई कारकों से प्रभावित होगी

महिंद्रा एंड महिंद्रा पर 4.12 करोड़ रुपये का जुर्माना

नयी दिल्ली। घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा पर उसके दोपहिया कारोबार के संबंध में इनपुट टैक्स क्रेडिट दावे और शिक्षा उपकर क्रेडिट बैलेंस को जीएसटी-पूर्व दौर से जीएसटी प्रणाली में लाने पर 4.12 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. एमएंडएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित कार्यालय उपायुक्त (राज्य कर) से महिंद्रा टू-व्हीलर्स लिमिटेड के दोपहिया वाहन कारोबार के संबंध में 4,11,50,120 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है.

पेज एक का शेष

ललन सिंह का इस्तीफा...

इंडिया में बड़ी भूमिका न देने पर जतायी नाखुशी : गठबंधन में अपने सबसे प्रतिष्ठित नेता को औपचारिक भूमिका नहीं दिए जाने को लेकर इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दलों से जदयू की नाखुशी के बीच एक प्रस्ताव किया गया जिसमें विभिन्न विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ एक साथ लाने के लिए उनकी भूमिका की सराहना की गई. नीतीश कुमार ने बैठक में कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को अलग-अलग भूमिकाएं दी जाएं.

लालू से नजदीकी ललन...

10 सर्कुलर रोड (राबड़ी आवास) पर उनका आना-जाना बढ़ गया था. यह खबर लगातार नीतीश कुमार तक भी पहुंच रही थी. इससे अटकलें यह भी लगायी जा रही थी कि बिहार में भी महाराष्ट्र के जैसा सियासी खेल हो सकता है और ललन सिंह जदयू विधायकों के एक बड़े धड़े के साथ राजद के साथ जा सकते हैं और तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार में नयी सरकार बन सकती है. हालांकि इस बेवफाई के बदले ललन सिंह को क्या लाभ दिया जाता, यह स्पष्ट नहीं है.

महागठबंधन के साथ जदयू को लाने में ललन की थी बड़ी भूमिका : ऐसा माना जाता है कि एनडीए छोड़ कर महागठबंधन के साथ जदयू को लाने में ललन सिंह की बड़ी भूमिका थी. अटकलें यह भी हैं कि लालू के साथ ललन की डील हुई थी कि कुछ दिनों के बाद नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में चले जाएंगे और विपक्षी दलों को एक कर मोदी के सामने पीएम पद के उम्मीदवार होंगे. प्रारंभ में ऐसा होता भी दिखा. नीतीश की अगुवाई में विपक्ष एकजुट हुआ. लेकिन, बाद में नीतीश कुमार को किनारे कर दिया गया. दूसरी तरफ, डील को पूरा करने के लिए ललन पर लालू का दबाव बढ़ने लगा. लालू और नीतीश दो पाटों के बीच ललन सिंह सिंह की स्थिति पीसने वाले गेहूं की तरह हो गयी. और अंततः वे इस्तीफे की पेशकश कर डाली, जिस थोड़ा ना-नुकुर कर अंततः जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मान लिया गया.

क्या फिर एनडीए में जाएंगे नीतीश : ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाने के बाद जदयू को एनडीए के साथ जाने का रास्ता भी साफ हो गया है. क्योंकि ललन सिंह को अध्यक्ष पद पर रहते थोड़ी मुश्किल हो सकती थी. अगर नीतीश एनडीए में जाते, तब ललन के नेतृत्व में जदयू का एक धड़ा राजद के साथ जा सकता था. तब राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते ललन सिंह को ज्यादा तवज्जो मिलती और वे अपने गुट को असली जदयू होने का दावा कर सकते थे.

खरमास के बाद हो सकता है बड़ा खेल : सियासी गलियारों में इस बात की भी खूब चर्चा है कि खरमास के बाद बिहार की सियासत में बड़ा खेल हो सकता है. मतलब यह कि नीतीश कुमार फिर भाजपा के साथ जा सकते हैं, केंद्र में मंत्री बन सकते हैं या पुनः एनडीए में शामिल हो सकते हैं. लेकिन इसके साथ यह भी शर्त होगी बिहार की राजनीति से दूर होना. हालांकि की राजनीति में कब क्या हो कहा नहीं जा सकता. आगे-आगे देखिये होता है क्या.

सीटी बजाओ, स्कूल बुलाओ...

इस अभियान के राज्य पदाधिकारी बादल राज बताते हैं कि यह एक कम लागत वाला मॉडल है, जो कारगर और सकारात्मक नतीजे दे रहा है.

बच्चों में नेतृत्व क्षमता का हो रहा है विकास : जिस बच्चे को यह जिम्मेदारी मिलती है, उसके अंदर प्रबंधन और नेतृत्व कौशल का भी जबरदस्त विकास होता है. गांव-टोले के अभिभावकों को यह मालूम होता है कि यदि उन्हें स्कूल से संबंधित कोई जानकारी चाहिए तो वह संबंधित छात्र से जानकारी ले सकता है. इतना ही नहीं, सीटी बजाने की जिम्मेदारी जिन बच्चों के कंधो पर होती है, वह गांव-टोलों में छात्रों के प्रतिनिधि की भूमिका भी निभाते है. हर स्कूल के बच्चों को चार हाउस में बांटा जाता है, हर हाउस के कप्तान को सीटी दी जाती है. साथ ही हर कक्षा के मॉनिटर को भी सीटी दी जाती है.

सीएम हेमंत ने पेश किया चार साल का रिपोर्ट कार्ड

रांची । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अपनी सरकार का चार साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया. उन्होंने कहा कि चार साल में डेढ़ साल राष्ट्रीय आपदा कोरोना में बीत गया. इसके बाद सरकार ने अपना काम-काज शुरू किया. इन दो साल-ढाई सालों में उन्होंने राज्य के हर वर्ग तक पहुंचने और उसकी समस्या के समाधान का प्रयास किया. जो दर्द और दुख विपक्ष ने छोड़ा, उसे दूर करने का पूरा प्रयास किया. उन्होंने 20 वर्ष बनाम 4 वर्ष के कार्यों के अंतर को बताया. पिछले 20 वर्ष के कार्यों और अपनी सरकार के 4 साल के कार्यों और उपलब्धियों से जनता को अवगत कराया. उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने 11 लाख राशन कार्ड अमान्य कर दिए थे. हमारी सरकार ने 20 लाख हरा राशन कार्ड जारी कर उन्हें बाजार भाव पर अनाज खरीद कर मुफ्त देने का काम कर रही है. अब राशन कार्डधारियों को दाल भी दी जाएगी. इसके अलावा पिछले 20 वर्षों में 8 लाख लोगों को ही पेंशन मिल रही थी. हमने 4 वर्षों में राज्य के सभी योग्य पात्रों को पेंशन योजना से जोड़ने का काम किया है. पिछले 20 सालों में मात्र आठ लाख किसानों को ही किसान क्रेडिट कार्ड मिले थे, हमने 4 साल में ही 20 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी कर दिए हैं और आज भी किसानों को केसीसी से जोड़ने का काम जारी है.

कहा-चार साल में डेढ़ साल राष्ट्रीय आपदा में बीते, दो साल में हर वर्ग तक पहुंचने का प्रयास किया

नियुक्तियों के खुल गए हैं द्वार, स्वरोजगार के लिए भी पूंजी दे रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नियुक्तियों के रास्ते खुल चुके हैं. सरकारी विभागों में खाली पड़े हजारों पद भरे जा चुके हैं. वहीं, 45 हजार से ज्यादा पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है.जबकि, निजी संस्थानों में भी 50 हज़ार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर दिया जा चुका है. हमारी सरकार ने यह भी कानून बनाया है कि झारखंड में जितने भी संस्थान और कंपनियां होंगी, उन्हें 75 प्रतिशत नौकरी स्थानीयों को देना अनिवार्य होगा. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो युवा स्वरोजगार करना चाहते हैं, उन्हें मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है. अब तक 12 हज़ार से ज्यादा नौजवान इस योजना का लाभ लेकर खुद का व्यवसाय कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की कोशिश है कि सभी अपने पैरों पर खड़े हो सकें. इसके लिए उन्हें सभी सुविधाएं और सहायताएं दी जाएंगी.

सबके लिए योजना महिला सशक्तीकरण पर है विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक पिछड़े, महिला नौजवान बुजुर्ग दिव्यांग किसान मजदूर समेत अन्य सभी वर्ग और तबके के लिए सरकार की योजनाएं हैं. आप को बस इतना ही करना है कि आप अपनी जरूरत की योजनाओं का चयन करें और उसका लाभ लेकर अपने को सशक्त बनाएं. मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी सरकार कई कार्य कर रही है. सखी मंडलों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अब तक 8000 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं.

सड़कों का बिछ रहा जाल आधारभूत संरचनाओं को कर रहे मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कम कर रही है, क्योंकि इसी के जरिए विकास का दरवाजा खुलता है उन्होंने कहा कि आज 6 हज़ार करोड़ रुपए की लागत से लगभग 15 हज़ार किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हो रहा है. वहीं, 7 हज़ार करोड़ रुपए से उच्च स्तरीय सड़कें बनाई जा रही हैं.

वर्ष 2025 तक युवा झारखंड किसी के भरोसे नहीं रहेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा झारखंड के कदम आगे बढ़ रहे हैं. वर्ष 2025 में झारखंड 25 वर्ष का युवा हो जाएगा. हमने यह लक्ष्य रखा है कि अगले दो वर्ष में झारखंड को इतना ताकतवर बनाएंगे कि अपने दम पर यह आगे बढ़ेगा और किसी से मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसमें आप सभी का सहयोग बहुत जरूरी है.

राज्य के नवनिर्माण की नींव ही कमजोर रही : आलमगीर

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि 2000 में एक साथ तीन राज्य बने. छत्तीसढ़ और उत्तराखंड आगे बढ़ गए, मगर हमारा झारखंड पिछड़ गया. राज्य बनने के बाद इसकी कमान किनके हाथ में थी कि यह राज्य पिछड़ता चला गया. झारखंड गठन के बाद झारखंड नवनिर्माण की नींव ही कमजोर रही तो मजबूत बिल्डिंग कैसे खड़ी हो सकती थी. 2019 में हमारी सरकार बनी. दो साल कोरोना में ही बीत गया. इस आपदा में भी हमारी सरकार ने पूरे देश में मिसाल कायम की. उन्होंने कहा कि 1932 के खतियान और ओबीसी आरक्षण पर विपक्ष किस मुंह से बोलता है. 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण घटाने का काम बाबूलाल मरांडी ने ही किया था. कभी आधारित स्थानीय नीति बनाने की बात नहीं की. अब जब हम बनाना चाहे रहे हैं तो विपक्ष रोड़ा डाल रहा है. हमने आदिवासी-सरना धर्म कोड पास किया. कई बिल पास करके भेजा, मगर राजभवन उस पर कुंडली मार कर बैठा हुआ है.

हमने वह कर दिखाया जो पूर्ववर्ती सरकार ने नहीं किया

मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि विपक्ष को विकास नहीं दिखता है. हमारी सरकार ने वह कर दिखाया, जो अब तक की सरकारों ने नहीं किया. हेमंत सोरेन की सरकार ने बुनियादी सुविधाओं को खड़ा करने का काम किया. कोरोना जैसी विपदा में भी हमारी सरकार ने किसी को भूख से मरने नहीं दिया. केंद्र सरकार ने घोषणा करके छोड़ दिया, मगर हमारी सरकार ने मजदूरों को हवाई जहाज से लाने का काम किया. पूर्ववर्ती सरकार ने टेंशन दिया, हमारी सरकार ने पेंशन दी.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अलावा मंत्री आलमगीर आलम, रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, चम्पाई सोरेन, बन्ना गुप्ता, बादल, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, सांसद विजय हांसदा, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री विनोद पांडेय, झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दीपिका पांडेय सिंह, राजेश कच्छप, अनूप सिंह, जिग्गा सुसरन होरो, शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन, राज्य के मुख्य सचिव एल.खियांग्ते, डीजीपी अजय कुमार सिंह, राज्य सरकार के कई वरीय अधिकारीगण एवं सभी जिलों से पहुंचे लाभुकगण, नियुक्ति पत्र पाने वाले युवक-युवतियां, स्कूली छात्र-छात्राएं तथा अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जबकि दो मंत्री हफीजुल हसन, जोबा मांझी कार्यक्रम में नहीं पहुंचे.

शिबू सोरेन सहित कई मंत्री, विधायक और अफसर हुए शामिल

झारखंड सरकार के उद्योग विभाग और टिनप्लेट के बीच हुआ एमओयू

रांची । हेमंत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान टाटा टिनप्लेट की विस्तारित परियोजना के लिए उद्योग विभाग एवं टिनप्लेट के बीच एमओयू हुआ. उद्योग सचिव जीतेंद्र सिंह और टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया के चाणक्य चौधरी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये. इसके तहत 1760 करोड़ रुपये का निवेश टाटा टिनप्लेट द्वारा किया जाएगा. टिनप्लेट के विस्तारीकरण के बाद सीआरएम 3 प्लांट में 3.20 लाख टन टिनप्लेट का उत्पादन हर साल होगा. मई 2024 तक विस्तार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

4547 करोड़ की योजनाओं की सौगात

कार्यक्रम के दौरान 4547 .70 करोड़ की 343 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया . 3698 .33 करोड़ की राशि के 323 योजनाओं का शिलान्यास हुआ, वहीं 849 .37 करोड़ की 20 योजनाओं का उद्घाटन किया गया .

इन योजनाओं का शिलान्यास

विभाग	योजनाओं की संख्या	राशि (करोड़ में)
कृषि	2	15 .12
खाद्य, सार्वजनिक वितरण	2	16 .9
स्वास्थ्य	23	412 .84
परिवहन	1	14 .95
एसटी, एससी, ओबीसी कल्याण	7	40 .13
जल संसाधन	3	278 .51
नगर विकास एवं आवास	8	408 .59
ग्रामीण विकास	1	4 .97
ग्रामीण कार्य	211	482 .22
पथ निर्माण	58	1587 .86
पेयजल एवं स्वच्छता	7	436 .24
कुल	323	3698 .33

इन योजनाओं का उद्घाटन

विभाग	योजनाओं की संख्या	राशि (करोड़ में)
पेयजल एवं स्वच्छता	3	105 .33
स्वास्थ्य	1	11
पर्यटन	1	6 .38
श्रम, नियोजन	1	5 .74
पथ निर्माण	6	66 .26
ग्रामीण कार्य	4	25 .83
नगर विकास एवं आवास	3	613 .36
जल संसाधन	1	15 .47
कुल	20	849 .37

कार्यक्रम में ये हुए शामिल

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएम हेंमंत सोरेन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व सीएम एवं सांसद शिबू सोरेन शामिल हुए. कार्यक्रम में सरकार के मंत्री आलमगीर आलम, रामेश्वर उरांव, चंपई सोरेन, बन्ना गुप्ता, बेबी देवी, बादल पत्रलेख, मिथिलिश कुमार ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, मुख्य सचिव एल ख्यांते, डीजीपी अजय कुमार सिंह, सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन, सांसद विजय हांसदा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई विधायक एवं नेतागण उपस्थित थे.

इन महत्वपूर्ण योजनाओं का भी शिलान्यास हुआ

- रांची में 20 करोड़ की लागत से धनवंतरी अस्पताल का निर्माण होगा.
- **जमशेदपुर में धनवंतरी आयुष अस्पताल का निर्माण होगा.**
- रांची के रिम्स में 23 .75 करोड़ से 50 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक अस्पताल का निर्माण होगा.
- **हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.**
- गढ़वा में 20 .45 करोड़ से 50 बेड वाले प्री फैब अस्पताल का निर्माण होगा.
- **हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज परिसर में 24 .51 करोड़ से नर्सिंग कॉलेज और छात्रावास.**
- लातेहार में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.
- **जामताड़ा में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.**
- देवघर में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.
- **साहिबगंज में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.**
- दुमका में 23 .75 करोड़ से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनेगा.
- **रांची के धुर्वा में 14 .95 करोड़ से चिल्ड्रेन ट्रैफिक पार्क बनेगा.**
- लातेहार में 11 .51 करोड़ में 5000 मीट्रिक टन की क्षमता वाला कोल्ड स्टोरेज बनेगा.
- **रांची के मेसरा-पिठोरिया सड़क में 12 .70 करोड़ की लागत से राइडिंग क्वालिटी में सुधार होगा.**

दक्षिण अफ्रीका दौरा : भारतीय टीम का पहले टेस्ट मैच में प्रदर्शन निराशाजनक, टीम को खली शमी की कमी

प्रसिद्ध कृष्णा के लचर प्रदर्शन से दिखी भारतीय 'बेंच स्ट्रेंथ' की कमजोरी

भाषा । सेंचुरियन

भारतीय गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कुछ हफ्ते पहले साफ कहा था कि कोई भी कोच मोहम्मद शमी जैसी काबिलियत रखने वाला तेज गेंदबाज तैयार करने का श्रेय नहीं ले सकता. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे और तीसरे दिन जब डीन एल्गर, डेविड बेडिंघम और मार्को यानसेन भारतीय गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और पदार्पण करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंदों को धुन रहे थे तो शमी की कमी टीम महसूस हुई थी. इससे कुछ निश्चिंतता के साथ कहा जा सकता है कि कुछ समय के लिए प्रसिद्ध का यह पहला और अंतिम टेस्ट रहेगा जिससे अगले टेस्ट में रविंद्र जडेजा और आवेश खान को उनकी और शार्दुल की जगह अंतिम एकादश में रखा जायेगा. इससे भारतीय खेल प्रेमियों को भी पता चल गया कि लाल गेंद के गेंदबाजों की दूसरी खेप अभी तक पूरी तरह तैयार नहीं है जिससे जसप्रीत बुमराह, शमी, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और उमेश यादव के दबदबे वाले दिन खत्म हो सकते हैं. इशांत और उमेश का टेस्ट कॅरियर अनधिकृत रूप से खत्म हो गया है और शमी भी अपने करियर के समापन की ओर हैं. यह सच है कि शमी के बिना बुमराह अधूरे हैं और बुमराह के बिना शमी भी अधूरे हैं. सिराज इस त्रिकोण का तीसरा कोण हैं.

भारतीय खेमे में बजी खतरे की घंटी

प्रसिद्ध के लचर प्रदर्शन से भारतीय खेमे में खतरे की घंटी बजा दी है. रोहित शर्मा ने बेंगलुरू के इस गेंदबाज का समर्थन किया जैसा कोई भी कप्तान सार्वजनिक रूप से करेगा. लेकिन भारत ए के लिए पांच विकेट झटकने के बाद आवेश खान को जिस तरह से टीम प्रबंधन ने बुलाया, उससे साफ संकेत मिलता है कि घबराहट बनी हुई है. एक पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने पीटीआई से कहा कि बेचारा प्रसिद्ध, वह टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार ही नहीं है. उसमें दूसरे और तीसरे स्पैल में गेंदबाजी करने का कौशल ही नहीं है. वे उसे ले गये लेकिन भूल गये कि उसने रणजी ट्राफी का पूरा सत्र अंतिम दफा कब खेला था? महज एक भारत ए मैच काफी नहीं होता.

दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकते हैं जडेजा

पीठ में दर्द के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे जडेजा

दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में शर्मनाक हार झेलने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के लिये अच्छी खबर है कि हरफनमौला रविंद्र जडेजा तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में खेल सकते हैं. पहले टेस्ट की सुबह पीठ में दर्द के कारण जडेजा नहीं खेल सके थे. पहले टेस्ट के तीसरे दिन उन्होंने वार्म अप में भाग लिया और बिल्कुल सहज नजर आये. उन्होंने फिटनेस अभ्यास भी किया. तीसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान उन्होंने गेंदबाजी की. रिजर्व तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के साथ उन्होंने करीब 20 मिनट अभ्यास पिच पर गेंदबाजी की. टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच रजनीकांत उनके साथ थे. वह गेंदबाजी करते हुए भी बिल्कुल सहज लगे. गेंदबाजी में भले ही जडेजा उतने खतरनाक नहीं हों लेकिन छठे और सातवें नंबर पर उनकी बल्लेबाजी उपयोगी साबित हो सकती है.

दूसरे टेस्ट के लिए आवेश भारतीय टीम में

दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद केपटाउन में होने वाले दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिये तेज गेंदबाज आवेश खान को भारतीय टीम में शामिल किया गया है. भारत को यहां तीन दिन के भीतर खत्म हुए पहले टेस्ट में एक पारी और 32 रन से पराजय झेलनी पड़ी. आवेश को मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया है. बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरूष चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन से सात जनवरी तक केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिये मोहम्मद शमी की जगह आवेश खान को टीम में जगह दी है. आवेश ने अभी तक 38 प्रथम श्रेणी मैचों में 149 विकेट लिये हैं.

ब्रीफ खबरें

राहुल गांधी ने दिखाया जिउ जित्सु कौशल

नयी दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनावों को लेकर उपजे विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के झज्जर जिले के वीरेंद्र अखाड़े के दौरे पर पहलवान बजरंग पूनिया के साथ मार्शल आर्ट का मुकाबला किया और जिउ जित्सु कौशल भी दिखाया. राहुल ने बुधवार को तड़के पहलवानों के साथ अभ्यास किया और जापानी मार्शल आर्ट का नमूना भी पेश किया. बजरंग ने बृहस्पतिवार को एक्स पर वीडियो अपलोड की जिसमें राहुल को जिउ जित्सु की तकनीकों का नमूना पेश करते देखा जा सकता है.

धीमी ओवरगति के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में सबसे शर्मनाक हार के साथ भारतीय टीम को मैच फीस का दस प्रतिशत और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दो महत्वपूर्ण अंक भी गंवाने पड़े. आईसीसी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि आईसीसी एलीट पैनल के मैच रैफरी क्रिस ब्रॉड ने भारतीय टीम को यह सजा सुनाई. भारत निर्धारित समय में लक्ष्य से दो ओवर पीछे था. इस मामले में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये एक ओवर पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना होता है.

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस अधिकारियों ने 14 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू हो रहे वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि में एक करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का इजाफा करने की घोषणा की है. टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने कहा कि अब इस ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि आठ करोड़ 65 लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर होगी. उन्होंने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हर दौर के लिये ईनामी राशि बढाई है. ज्यादा इजाफा क्वालीफाइंग और शुरूआती दौर के मुकाबलों के लिये किया गया है.

महिला क्रिकेट : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे आज

शृंखला गंवाने से बचना चाहेगी भारतीय टीम

खास बातें

- मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 में शुरू होगा
- तीन मैचों की शृंखला में 1–0 से आगे है ऑस्ट्रेलिया

भाषा । मुंबई

पहला मैच गंवाने के बाद हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में उतरेगी तो उसके सामने शृंखला बचाने की बड़ी चुनौती होगी. ऑस्ट्रेलिया ने वानखेड़े स्टेडियम पर पहले वनडे में भारत को हर विभाग में उन्नीस साबित कर दिया. भारत ने जेमिमा रौड्रिग्स (82) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 62) की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना सर्वोच्च स्कोर आठ विकेट पर 282 रन बनाया. भारत ने गेंदबाजी में सात गेंदबाजों को आजमाया लेकिन कोई फायदा नहीं मिला. ऑस्ट्रेलिया ने तीन ओवर और छह विकेट बाकी रहते जीत दर्ज की. भारत की अपनी धरती पर यह लगातार आठवीं हार थी. इस तरह का प्रदर्शन ड्रेसिंग रूम में जरूर चिंता का सबब बना होगा. रेणुका सिंह के पहले ओवर में स्नेह राणा ने अपने बायीं ओर डाइव लगाकर एलिसा हीली का कैच लपका. लेकिन इसके बाद से भारत का क्षेत्ररक्षण खराब हो गया और मेजबान खिलाड़ियों की कई गलतियों की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिये फोबे लिचफील्ड और एलिसे पेरी ने दूसरे विकेट के लिये 148 रन जोड़ डाले. नयी गेंद संभालने वाले भारतीय गेंदबाज नाकाम रहे.

टीमें

- **भारत :** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर , टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देयोल
- **ऑस्ट्रेलिया :** डार्सी ब्राउन, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम.

मंधाना की हो सकती है वापसी : पिछले 23 दिन में सभी प्रारूपों को मिलाकर भारत का यह सातवां मैच है . भारतीय टीम 35 दिन के भीतर 11 मैच खेल रही है. तबीयत खराब होने के कारण पहले मैच से बाहर रही उपकप्तान स्मृति मंधाना दूसरा मैच में वापसी कर सकती हैं. भारी गर्मी और उमस में बेहतरीन बल्लेबाजी करने वाली रौड्रिग्स भी डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार हो गई थी. भारतीय गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलियाई उपकप्तान ताहलिया मैकग्रा के बल्ले पर भी अंकुश लगाना होगा जो इस दौरे पर अब तक तीन अर्धशतक जमा चुकी हैं. पहले मैच में पिच बल्लेबाजों की मददगार थी और अगले दो मैचों में भी ऐसी ही पिच मिलने की उम्मीद है.

खिलाड़ियों की दृढ़ता से होगा अंतिम टीम का चयन : स्टिमक

नयी दिल्ली । दोहा में एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में ऑस्ट्रेलिया और उजबेकिस्तान जैसी कठिन टीमों का सामना करने जा रही भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि अंतिम टीम का चयन करते हुए खिलाड़ियों की दृढ़ता मानदंड होगी. भारत को 13 जनवरी से होने वाले एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया, उजबेकिस्तान और सीरिया के साथ एक ग्रुप में रखा गया है और फीफा रैंकिंग में ये सभी टीमें भारत से ऊपर है. स्टिमक ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सोशल मीडिया हैंडिल पर कहा कि संभावित सूची में शामिल सभी खिलाड़ी समान हैं. हमें अंतिम 26 की टीम में अनुभव, शारीरिक दम खम और मानसिक दृढता चाहिये.

एसजीएफआई : झारखंड की फुटबॉल टीम बनी चैंपियन

संवाददाता । रांची

बिहार के सारण में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित किये गए 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता (एसजीएफआई) के अंतर्गत अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड बालिका टीम चैंपियन बनी. चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में हरियाणा को 3-0 से हराकर झारखंड ने खिताब अपने नाम किया. एसजीएफआई में झारखंड की अंडर 17 बालिका फुटबॉल टीम ने पहली बार चैंपियन बनी. झारखंड की टीम में अलका इंदवार, एलिजाबेथ लकड़ा, साऊलीना डुंग डुंग, बिनीता होरो, रेस्मी मिंज , सूरज मुनी कुमारी अनिता, डुंग डुंग , सुनीति कुमारी, काजल कुमारी,शिखा सोरेन, मारीनिला मरांडी (दुमका,आवासीय बालिका फुटबॉल क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र), अनीशा उरांव ,ललिता बायपोई बबिता कुमारी, प्रतिभा कुमारी (जेएसपीएस) शामिल थीं.

दूसरा टेस्ट : पैट कमिंस ने किया शानदार प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

भाषा । मेलबर्न

कप्तान पैट कमिंस के दस विकेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन पाकिस्तान को 79 रन से हरा दिया. कमिंस ने दूसरी बार मैच में दस विकेट लेने का कारनामा किया है. उनकी शानदार गेंदबाजी की मदद से मेजबान टीम ने पाकिस्तान को 237 रन पर आउट कर दिया. यह पाकिस्तान की ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16वीं टेस्ट हार थी. मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा ने 67 रन की साझेदारी की लेकिन कमिंस ने इसे तोड़कर सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया. मैदानी अंपायर ने रिजवान को नॉट आउट करार दिया लेकिन तीसरे अंपायर ने ऑस्ट्रेलिया के रिव्यू पर गेंदबाज के पक्ष में फैसला दिया. कमिंस की गेंद उनके बल्ले से टकराकर विकेटकीपर एलेक्स कारी के हाथ में गई थी.

उस समय पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 219 रन था. कमिंस ने इससे पहले कप्तान शान मसूद (60) को चाय ब्रेक से पहले आउट किया. आमिर जमाल उनका चौथा विकेट बने जो खाता भी नहीं खोल सके. प्लेयर ऑफ द मैच बने कमिंस 250 टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के दसवें गेंदबाज भी बन गए. ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट 360 रन से जीता था. तीसरा टेस्ट तीन जनवरी से सिडनी में खेला जायेगा. पाकिस्तान ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में 1995 में टेस्ट जीता था.

10 विकेट चटकाए पैट कमिंस ने

79 रनों से जीती ऑस्ट्रेलियाई टीम

250 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के 10वें गेंदबाज बने पैट कमिंस

1995 में पाकिस्तान ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में जीता टेस्ट मैच

- ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16वां मैच हारा पाकिस्तान

ऐतिहासिक पल अरुणाचल प्रदेश में चल रहा है आईडब्ल्यूएलएफ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप

झारखंड के बाबूलाल ने नेशनल रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड के बाबूलाल हेंब्रम ने आरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित आईडब्ल्यूएलएफ सीनियर, जूनियर व यूथ बालक बालिक वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में झारखंड का नाम रौशन किया. बाबूलाल हेंब्रम ने इस चैंपियनशिप के 49 किलोग्राम भार वर्ग में 193 केजी वजन उठाकर नेशनल रिकॉर्ड बनाया, साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया. इस प्रतियोगिता में झारखंड की ओर से आठ बालक और नौ बालिकाओं में भाग लिया है.

प्रतियोगिता का आयोजन 28 दिसंबर से 7 जनवरी तक किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों के खिलाड़ी भाग ले रहे है.

- **49** केजी भार वर्ग में बाबूलाल हेंब्रम ने जीता स्वर्ण
- **193** केजी वजन उठाकर हेंब्रम ने बनाया नेशनल रिकॉर्ड
- **28** दिसंबर से 7 जनवरी तक लगेगी प्रतियोगिता
- **05** वर्षों से खिलाड़ियों को जेएसएसपीस में कराई जा रही है ट्रेनिंग

इतिहास में पहली बार झारखंड ने वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण जीता

झारखंड के टीम कोच कैप्टन गुरविंदर सिंह ने बताया पिछले 5 वर्षों से जेएसएसपीस में ट्रेनिंग कराई जा रही है. प्रतियोगिता में रामगढ़ के बाबूलाल हेंब्रम ने 49 केजी भर वर्ग में ना सिर्फ गोल्ड मेडल जीता है बल्कि नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए 193 केजी वेट उठाया है. झारखंड गठन के बाद पहली बार झारखंड के खाते में वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक आया है. अभी प्रतियोगिता लंबी है. खिलाड़ी मेहनत कर रहे है, आने वाले दिनों में और भी पदक आयेंगे. हेंब्रम के स्वर्ण पदक जीतने पर खेलप्रेमियों ने बाबूलाल और कोच को बधाई दी.

विदाई टेस्ट के लिए एल्गर होंगे द. अफ्रीका के कप्तान

सेंचुरियन । भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट शृंखला के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने जा रहे डीन एल्गर केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिये चोटिल तेंबा बावुमा की जगह दक्षिण अफ्रीका के कप्तान होंगे. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने यहां गुरुवार को पहले टेस्ट के बाद कहा कि बावुमा दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे. बावुमा को पहले दिन फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी और वह मैच में आगे नहीं खेल सके थे. उनकी गैर मौजूदगी में एल्गर ने ही कप्तानी की. दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट एक पारी और 32 रन से जीता. शतक जमाने वाले एल्गर को प्लेयर आफ द मैच भी चुना गया. बावुमा की जगह जुबैर हमजा तीन जनवरी से केपटाउन में होने वाला दूसरा टेस्ट खेलेंगे. एल्गर इससे पहले भी दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी कर चुके हैं.

भारत में पहली बार अपराइजिंग बास्केटबॉल लीग फरवरी में

संवाददाता । रांची

भारतीय बास्केटबॉल इतिहास में पहली अपराईजिंग लीग- यू लीग की स्थापना की घोषणा हुई. यू लीग एक गतिशील विकासात्मक बास्केटबॉल लीग होगी, जो उभरती प्रतिभाओं के पोषण और बास्केटबॉल सितारों की अगली पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होगी. यू लीग बास्केटबॉल के परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है, जो एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहां इच्छुक खिलाड़ी अपने कौशल को निखार सकते हैं, अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं और पेशेवर बास्केटबॉल करियर के अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं.

उत्कृष्टता, समावेशिता और खिलाड़ी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हमारी लीग का लक्ष्य खेल के भविष्य के

चैंपियन के लिए एक उर्वरर मैदान बनाना है. यू लीग का उद्घाटन सीजन फरवरी 2024 में शुरू होने वाला है. 16 पुरुषों की टीमें और 6 महिलाओं की टीमें एक रोमांचक लीग प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी. एलीट प्रो बास्केटबॉल के सीईओ सनी भंडारकर ने कहा कि केवल 50 बास्केटबॉल प्लेयर्स को पोषण देने की बजाय, एलीट प्रो बास्केटबॉल का लक्ष्य ईपीबीएल, ईडब्ल्यूपीबीएल और यू लीग के माध्यम से 700 से अधिक नौकरियां पैदा करना है.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी अंतिम श्रद्धांजलि

विजयकांत दिलों में रहेंगे : रजनीकांत

चेन्नई। तमिलनाडु में हजारों की संख्या में प्रशंसक, मशहूर हस्तियां और राजनेता यहां मरीना बीच के पास आईलैंड ग्राउंड में अपने पसंदीदा अभिनेता और नेता 'कैप्टन' विजयकांत को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे. कन्याकुमारी से चेन्नई पहुंचे सुपरस्टार रजनीकांत ने दिवंगत अभिनेता को पुष्पांजलि अर्पित की. भावुक रजनीकांत ने कहा कि इस दुनिया में करोड़ों पुरुष और महिलाएं जीते हैं और मर जाते हैं, लेकिन विजयकांत जैसे कुछ ही लोग दूसरों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं. उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि विजयकांत को गुस्सा तो बहुत आता था , लेकिन इसके पीछे कभी भी उनका स्वार्थ नहीं रहा. उन्होंनेकहा कि विजयकांत के लिए कैप्टन उपनाम बहुत उपयुक्त है.

आओ जानें
भारत के प्रमुख हिल स्टेशन

1. धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
2. शिलांग, मेघालय
3. मसूरी, उत्तराखंड
4. श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर
5. ऊटी, तमिलनाडु
6. दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
7. महाबलेश्वर, महाराष्ट्र
8. कुर्ग, कर्नाटक
9. मुन्नार, केरल
10. गंगटोक, सिक्किम
11. मनाली, हिमाचल प्रदेश
12. नैनीताल, उत्तराखंड
13. गुलमर्ग, कश्मीर
14. शिमला, हिमाचल प्रदेश

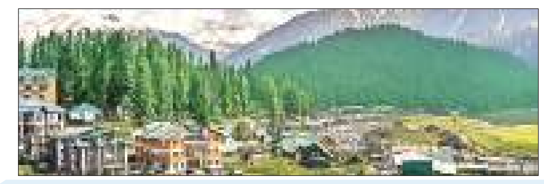

जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

एजेंसी। विजयवाड़ा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां आंध्रप्रदेश के विभिन्न जिलों में सात समेकित जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया. उन्होंने विजयवाड़ा में दो 'क्रिटिकल केयर ब्लॉक' एवं एक 'बायोसेफ्टी लेवल - 3' (बीएसएल-3) प्रयोगशाला की आधारशिला भी रखी जिनका लक्ष्य राज्य में स्वास्थ्य अवसंरचना को बढ़ाना है. अधिकारियों एवं मीडिया को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि बीएसएल प्रयोगशाला , सात समेकित जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं और दो क्रिटिकल केयर ब्लॉक क्रियाशील होने के बाद आंध्र प्रदेश के लोगों को गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में अहम भूमिका निभायेंगे. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश में स्वास्थ्य अवसंरचनाओं को उन्नत बनाकर और उनका विस्तार कर स्वास्थ्य की दिशा में समग्र पहल कर रही है जिसमें और चिकित्सा एवं नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना शामिल है. उन्होंने कहा कि देश में अब 23 अखिल भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान संस्थान हैं जबकि एमबीबीएस एवं नर्सिंग की सीट दोगुनी हो गयी हैं. उन्होंने कहा कि देश की जरूरत पूरी करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास महत्वपूर्ण हैं.

ब्रीफ खबरें

शौहर गया जेल, दूसरी शादी कर किया स्मैक का धंधा

बरेली । स्मैक की तस्करी के आरोप में शौहर के जेल जाने के बाद बीवी ने दूसरी शादी की और दूसरे शौहर के साथ मिलकर स्मैक तस्करी का धंधा जारी रखा. पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार कर लिया है. बरेली के पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि आरोपी महिला रेशमा पहले अपना कारोबार उत्तराखंड के काशीपुर में करती थी. रेशमा की शादी अजहर से हुई जिसके बाद उसने यहां स्मैक का कारोबार शुरू कर दिया.

जयशंकर ने टैगोर स्कूल का दौरा किया

सेंटपीटर्सबर्ग। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में नोबेल पुरस्कार विजेता महान साहित्यकार रबीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर स्थापित एक स्कूल का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी. जयशंकर ने स्कूल के दौरे का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा कि सेंट पीटर्सबर्ग में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ ठाकुर जी के नाम से जाने वाले विद्यालय, 653 का भ्रमण कर अत्यन्त प्रसन्नता हुई.

आग से एक फैक्टरी जलकर नष्ट हुई

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के औद्योगिक क्षेत्र में आग लगने से एक फैक्टरी जलकर नष्ट हो गयी. एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र में एक पैकेजिंग इकाई में आग लग गयी लेकिन उसमें कोई हताहत नहीं हुआ. तलोजा दमकल केंद्र के अधिकारी ने बताया कि इस आग की वजह से फैक्टरी जलकर नष्ट हो गयी. आग के कारणों की जांच की जा रही है.

दुनिया की जनसंख्या 7 करोड़ 50 लाख बढ़ी

वाशिंगटन। विश्व की जनसंख्या पिछले साल सात करोड़ 50 लाख बढ़ी और नववर्ष के दिन कुल वैश्विक आबादी के आठ अरब से अधिक हो जाने का अनुमान है. अमेरिकी जनगणना ब्यूरो द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. जनगणना ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में जनसंख्या की वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम रही. वर्ष 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में हर सेकंड में 4.3 लोगों का जन्म और दो लोगों की मौत होने का अनुमान है.

तेलंगाना में साइबर अपराध में हुई वृद्धि

हैदराबाद। तेलंगाना में मुख्य रूप से साइबर अपराध में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि के चलते 2023 में समूची अपराध दर में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग नौ फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हाल में विधानसभा चुनाव के चलते पुलिस की व्यस्तताओं के बावजूद 2023 पिछले वर्ष की तुलना में घटना-मुक्त रहा.

राघव चड्ढा नहीं होंगे पार्टी के अंतरिम नेता

नयी दिल्ली । स राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राघव चड्ढा को संसद के उच्च सदन में आम आदमी पार्टी का अंतरिम नेता नियुक्त करने के पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. सूत्रों के अनुसार धनखड़ ने केजरीवाल को लिखे एक पत्र में कहा कि यह पहलू 'संसद में मान्यताप्राप्त दलों तथा समूहों के नेता और मुख्य सचेतक (सुविधाएं) अधिनियम, 1998' और उसके तहत बने नियमों के अधीन है.

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी ने साधा निशाना
पीएम का मंदिर का उद्घाटन करना भावनाओं का दुरुपयोग : येचुरी

एजेंसी। कन्नूर

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करना भाजपा के राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का घोर दुरुपयोग है. येचुरी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित करता है जिसके तहत धर्म राजनीति और राज्य से अलग है. उन्होंने कहा कि मंदिर का उद्घाटन खुले तौर पर धर्म के राजनीतिकरण को दर्शाता है, जो संविधान के सिद्धांतों के विपरीत है. येचुरी ने कहा कि यहां, भारत के प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और संवैधानिक पदों पर बैठे अन्य लोगों की उपस्थिति में इस समारोह का उद्घाटन किया जाएगा. हमें लगता है कि यह उनके (भाजपा के) राजनीतिक उद्देश्य के लिए लोगों की धार्मिक भावनाओं का घोर दुरुपयोग है. यह धर्म का खुला राजनीतिकरण है जो संविधान या उच्चतम न्यायालय के फैसलों के अनुरूप नहीं है. माकपा नेता ने कहा कि इस राजनीतिकरण का मुकाबला करने की रणनीति धर्मनिरपेक्षता का सख्ती से पालन है. उन्होंने कहा कि आप नरम हिंदुत्व या नरम भगवा दृष्टिकोण अपनाकर धार्मिक कट्टरवाद का मुकाबला नहीं कर सकते.

जीवंत अर्थव्यवस्था के दावे को खारिज कर दिया : येचुरी ने अर्थव्यवस्था की कथित विफलता सहित विभिन्न मुद्दों पर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला किया. मोबाइल फोन की निगरानी के संबंध में ऐप्पल कंपनी की अधिसूचना के मुद्दे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक निगरानी राज्य है जहां हर चीज पर नजर रखी जा रही है.

बोला हमला

- राजनीतिकरण को दर्शाता है पीएम द्वारा मंदिर का उद्घाटन
- राम मंदिर का उद्घाटन कर लिया जा रहा राजनीतिक लाभ
- नरम हिंदुत्व से नहीं कर सकते धार्मिक कट्टरवाद का मुकाबला

भाजपा कर रही राम मंदिर का राजनीतिक इस्तेमाल : आईयूएमएल

मलप्पुरम। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की प्रमुख सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भाजपा पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अयोध्या में होने वाले राम मंदिर उद्घाटन समारोह का इस्तेमाल करने का शुक्रवार को आरोप लगाया. आईयूएमएल ने उम्मीद जताई कि धर्मनिरपेक्ष ताकतें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस राजनीतिक चाल को पहचानेंगी. कांग्रेस की केरल इकाई इस बात को लेकर असमंजस में है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए मिले निमंत्रण को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व क्या का रुख होगा. आईयूएमएल ने कांग्रेस से इस बारे में स्वतंत्र रूप से फैसला लेने का आग्रह किया है.

उचित समय पर फैसला करेंगे कि सोनिया राम मंदिर उद्घाटन में शामिल होंगे या नहीं : कांग्रेस

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उसके वरिष्ठ नेतागण मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होंगे या नहीं, इसका फैसला वह उचित समय पर करेगी. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गांधी और खरगे को समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है. उचित समय पर फैसला किया जाएगा और उचित समय पर जानकारी दी जाएगी.

कनाडा के मंदिरों में चोरी करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के डरहम क्षेत्र और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र स्थित हिंदू मंदिरों में चोरी करने के आरोप में 41 वर्षीय एक भारतीय-कनाडाई व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने यह जानकारी दी. डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये घृणा अपराध के मामले प्रतीत नहीं होते. पुलिस ने आरोपी की पहचान ब्रैम्पटन शहर निवासी जगदीश पंढेर के रूप में की है. प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस ने आठ अक्टूबर को पिकरिंग में क्रोस्नो बुलेवार्ड और बेली स्ट्रीट के क्षेत्र में स्थित एक हिंदू मंदिर में किसी के घुसने की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की. सुरक्षा निगरानी के लिए लगाए गए कैमरों की फुटेज में पंढेर को मंदिर में चोरी छुपे घुसकर दान पेटियों से नकदी निकालते देखा गया.

पाकिस्तानी सेना का शारदा मंदिर में कब्जा
मंदिर में खोल दिया कॉफी हाउस

एजेंसी। बेंगलुरु

'सेव शारदा कमेटी' (एसएससी) ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित शारदा मंदिर परिसर पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए भारत सरकार से मदद मांगी ताकि इसके जीर्णोद्धार का मार्ग प्रशस्त हो सके. एसएससी के संस्थापक रवींद्र पंडिता ने बेंगलुरु प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने जीर्ण-शीर्ण प्राचीन शारदा मंदिर परिसर पर अतिक्रमण कर लिया है और समिति के पक्ष में अदालत के आदेश के बावजूद वहां एक कॉफी होम खोल दिया है. पंडिता ने कहा कि सेव शारदा कमेटी अनुरोध करती है कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पाकिस्तानी सेना द्वारा हाल ही में शारदा पीठ परिसर में कॉफी होम बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटाने का मुद्दा उठाएं. उन्होंने कहा कि ऐसा तब है जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के उच्चतम न्यायालय ने अतिक्रमण रोकने के 'सेव शारदा कमेटी' के प्रतिनिधि के अनुरोध पर तीन जनवरी, 2023 को उसके पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया.

एलओसी तक मार्च करने व इसे पार करने का आह्वान करेंगे

पंडिता ने कहा कि पीओके के नागरिक समाज ने भी सुरक्षा दीवार को हुए नुकसान और अतिक्रमण के बारे में एसएससी के साथ मिलकर आवाज उठाई है. उन्होंने मांग की कि श्रद्धालुओं के तीर्थयात्रा पर जाने के लिए शारदा पीठ को फिर से खोला जाए. पंडिता ने कहा कि अगर पाकिस्तानी अधिकारियों और उसकी सेना ने कॉफी होम को नहीं हटाया तो हम नियंत्रण रेखा (एलओसी) तक मार्च करने और इसे पार करने का आह्वान करेंगे. सभी शारदा समर्थकों को निकट भविष्य में इस मार्च के लिए तैयार रहना चाहिए. उन्होंने शारदा पीठ को यूनेस्को धरोहर स्थल घोषित किए जाने का भी आह्वान किया.

2023 के लिए 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' की नियुक्तियों की वार्षिक सूची जारी
भारतीय मूल के उद्यमी को 'ऑर्डर ऑफ कनाडा'

एजेंसी। ओटावा

भारत में जन्मे उद्यमी फिरदौस खरास को मानव-केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए देश के सर्वोच्च सम्मानों में शामिल 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' के एक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है. वर्ष 2023 के लिए 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' की नियुक्तियों की वार्षिक सूची कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन ने बृहस्पतिवार को जारी की.

'ऑर्डर ऑफ कनाडा' देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है. यह समाज के सभी क्षेत्रों के उन लोगों को मान्यता देता है, जिन्होंने कनाडा में असाधारण और निरंतर योगदान दिया है. साइमन ने 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' में 78 नई नियुक्तियों की घोषणा की, जिनमें तीन 'कम्पैनियन', 15 अधिकारी, एक मानद अधिकारी और 59 सदस्य शामिल हैं. खरास (68) को एक सामाजिक उद्यमी, मानवतावादी और जन संचार मीडिया निर्माता के रूप में मानव-केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए 'ऑर्डर ऑफ कनाडा' का अधिकारी नियुक्त किया गया. खरास ने एक बयान में कहा कि मैं इस उच्च सम्मान को पाकर बहुत अभिभूत हूं, जो खासकर एक प्रवासी के रूप में मेरे लिए बहुत मायने रखता है. भले ही पारसी समुदाय ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन कनाडा में उनकी संख्या बहुत कम यानी मात्र 3,600 है, इसलिए इस प्रकार का सम्मान मिलना बहुत ही संतोषजनक है.

एक ही परिवार के चार लोगों ने आत्महत्या की

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, वहीं एक सदस्य अस्पताल में भर्ती है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि घटना विशाखापट्टनम के अनाकापल्ले जिले की है. उसने बताया कि मृतकों की पहचान शिव रामकृष्ण (40), उनकी पत्नी माधवी (38) और दो बेटियों के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि उनकी तीसरी बेटी अस्पताल में भर्ती है. पुलिस को संदेह है कि परिवार ने आर्थिक तंगी की वजह से यह कदम उठाया. शुरुआती जांच से पता चला है कि रामकृष्ण गुंटूर जिले के तेनाली शहर का रहने वाला था और पेशे से सुनार था. वह कुछ साल पहले काम के सिलसिले में अनाकापल्ले शहर आया था और यहीं एक फ्लैट में अपने परिवार के साथ रहने लगा.

खुफिया भू जानकारी के लिए पांच वर्ष में 50 उपग्रह अंतरिक्ष भेजेगा

एजेंसी ।मुंबई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि भारत भू-खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए अगले पांच वर्षों में 50 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने का लक्ष्य रख रहा है. उन्होंने कहा कि इनमें सैनिकों की आवाजाही पर नजर रखने और हजारों किलोमीटर क्षेत्र की तस्वीरें लेने की क्षमता के साथ विभिन्न कक्षाओं में उपग्रहों की एक परत का निर्माण शामिल होगा.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बंबई के वार्षिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी समारोह टेकफेस्ट को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने गुरुवार कहा कि बदलावों का पता लगाने, आंकड़ों के विश्लेषण के लिए एआई से संबंधित और डेटा आधारित प्रयासों के मामले में उपग्रहों की क्षमता बढ़ाना अहम है.

देश के सामने आने वाले खतरों को कम किया जा सकता है

इसरो प्रमुख ने कहा कि हमने अगले पांच वर्षों में 50 उपग्रहों को अंतिम रूप देने के लिए उनका संयोजन कर लिया है और इसे अगले पांच वर्षों से अधिक समय में इस विशेष भू-खुफिया जानकारी संग्रह में सहायता के लिहाज से भारत के लिए भेजा जा रहा है. सोमनाथ ने कहा कि अगर भारत इस स्तर पर उपग्रहों का प्रक्षेपण कर सकता है तो देश के सामने आने वाले खतरों को बेहतर तरीके से कम किया जा सकता है.

पाकिस्तान में नववर्ष के जश्न पर लगी रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने गाजा के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए देश में नए साल के जश्न पर प्रतिबंध लगाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की. काकड़ ने राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में देशवासियों से फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि सरकार फलस्तीन की गंभीर चिंताजनक स्थिति को ध्यान में रखते हुए और हमारे फलस्तीनी भाइयों एवं बहनों के साथ एकजुटता दिखाने के मकसद से नए साल का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले हर तरह के आयोजन पर सख्त प्रतिबंध लगाती है. काकड़ ने कहा कि सात अक्टूबर को इजराइली बमबारी शुरू होने के बाद से इजराइली सेना ने हिंसा और अन्याय की सभी सीमाएं लांघते हुए लगभग 9,000 बच्चों समेत 21,000 से अधिक फलस्तीनियों की जान ले ली.

राहत — केंद्र सरकार और उल्फा के बीच शांति समझौते पर हुआ हस्ताक्षर
उल्फा ने डाले हथियार, 40 साल में पहली बार हुआ ऐसा

एजेंसी। गुवाहाटी

केंद्र और असम सरकार के साथ यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम के वार्ता समर्थक गुट ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया. इसे शांति समझौता बताया जा रहा है.

असम में उल्फा उग्रवाद की 44 साल लंबी यात्रा में शुक्रवार को नयी दिल्ली में संगठन के वार्ता समर्थक गुट के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर एक महत्वपूर्ण अध्याय है. असम में हाल के समय में लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण कदम देखे गए हैं, लेकिन उल्फा मुद्दा कई विवादास्पद मुद्दों के बीच शीर्ष पर बना रहा. उल्फा मुद्दा शुरू में एक आंदोलन था लेकिन जल्द ही अपहरण, जबरन वसूली, हत्याओं और बम विस्फोटों के साथ यह सशस्त्र संघर्ष में बदल गया. समझौते पर हस्ताक्षर को चार दशक पुरानी समस्या का अधूरा समाधान माना जा रहा है क्योंकि परेश बरुआ नीत उल्फा (इंडिपेंडेंट) गुट तब तक बातचीत के लिए तैयार नहीं है जब तक कि असम की 'संप्रभुता' के मुद्दे पर चर्चा नहीं होती. उसके कैडर हिंसा की छिटपुट घटनाओं में शामिल हैं और सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया है. उल्फा (आई) की अनुपस्थिति और विपक्षी दलों और नागरिक संगठनों द्वारा इसे अधूरा समाधान बताए जाने के बावजूद, यह समझौता एक मील का पत्थर है.

20 युवाओं के एक समूह से हुई थी शुरुआत

ऊपरी असम जिलों के 20 युवाओं के एक समूह द्वारा सात अप्रैल, 1979 को शिवसागर के ऐतिहासिक अहोम-कालीन 'एम्फीथिएटर' रंग घर में गठित उल्फा ने कई मौकों पर बातचीत की इच्छा जतायी लेकिन 'संप्रभुता' मुद्दे पर अपने रुख पर अड़ा रहा. वर्ष 2011 में संगठन में दूसरी बार विभाजन होने के बाद अध्यक्ष अरबिंद राजखोवा सहित शीर्ष नेतृत्व पड़ोसी देश से असम लौटा. उसके बाद वे संप्रभुता विषय के बिना बातचीत कीमेज पर आने के लिए सहमत हुए और केंद्र सरकार को 12-सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया.

ऑपरेशन बजरंग शुरू रहा था महत्वपूर्ण

1990 और 2000 के दशक में राज्य में सल्फा का जबरदस्त प्रभाव था और कांग्रेस तथा उसके बाद की अगप सरकारों ने उन्हें उल्फा के खिलाफ इस्तेमाल किया. आरोप है कि अगप सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान उल्फा नेताओं के परिवारों के सदस्यों की हत्याओं में सल्फा सदस्यों का इस्तेमाल किया था. उल्फा शुरू में पड़ोसी नगालैंड और मिजोरम के उग्रवाद से प्रभावित था और उसने अपने शुरुआती दिनों में ग्रामीण लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल की.

हिमंत ने जातिवादी पोस्ट को लेकर मांगी माफी

संवाददाता। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया मंच पर जातिवादी टिप्पणी वाला एक पोस्ट अपलोड करने पर माफी मांगी है और कहा है कि उनकी टीम ने भगवद् गीता के श्लोक का 'अशुद्ध अनुवाद' किया है.

शर्मा ने बृहस्पतिवार रात को 'एक्स' और फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि वह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर हर दिन सुबह भगवद् गीता का एक श्लोक अपलोड करते हैं जो अब तक 668 श्लोक हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि हाल में मेरी टीम के एक सदस्य ने अठारहवें अध्याय के 44 वें श्लोक को गलत अनुवाद के साथ पोस्ट कर दिया. जैसे ही मेरे संज्ञान में यह गलती आयी, मैंने तुरंत उस पोस्ट को हटा दिया... यदि हटाये गये इस पोस्ट से किसी की भावना आहत हुई हो तो मैं हृदय से माफी मांगता हूं. मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि असम महापुरूष श्रीमंत शंकरदेव के समाज सुधार आंदोलन के फलस्वरूप एक जातिविहीन समाज की 'पूर्ण झलक' पेश करता है. छब्बीस दिसंबर को शर्मा ने 'एक्स' और फेसबुक जैसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एवी पोस्ट अपलोड किया था.

खास बातें

- टीम ने किया भगवद् गीता के श्लोक का 'अशुद्ध अनुवाद'
- अठारहवें अध्याय के 44वें श्लोक का किया गलत अनुवाद

पीएम मोदी आज करेंगे आयोध्या दौरा, जोर-शोर से चल रहीं तैयारियां

रंग बिरंगे फूलों से सजी राम नगरी

भाषा । अयोध्या (उप्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को अयोध्या का दौरा करने से पहले उत्तर प्रदेश के इस शहर को 'दिव्य रूप' देने के लिए फूलों से सजाया जा रहा है.पुनर्विकसित मार्ग 'राम पथ' के मध्य में स्थापित बिजली के सजावटी खंभों के चारों ओर नारंगी और पीले रंग के गेंदे के फूलों की माला लपेटी जा रही हैं. इन खंभों के शीर्ष पर बने डिजाइन धार्मिक प्रतीकों को दर्शाते हैं. देश के विभिन्न हिस्सों से आए कई श्रमिक राम कथा पार्क में फूलों से कलात्मक आकार बना रहे हैं. सजावट के लिए भगवान राम, उनके धनुष एवं तीर, भगवान हनुमान, धार्मिक तिलक आदि की छवियों से प्रेरणा ली गई है.

भव्य दिखेगी अयोध्या

शहर के विभिन्न हिस्सों की फूलों से सजावट में जुटे सीतापुर निवासी एक कर्मी ललित कुमार सिंह ने कहा कि अयोध्या शनिवार को 'भव्य' दिखाई देगी. सिंह ने कहा कि मैंने फूलों से कई सजावटी डिजाइन बनाए हैं, जिनमें धनुष और तीर पकड़े हुए भगवान राम की पुष्प छवि भी शामिल है. इसे बनाने में 40 से 45 मिनट लगे और इसके लिए करीब सात से आठ किलोग्राम फूलों का इस्तेमाल किया गया. इन सजावटी संरचनाओं का उपयोग राम पथ, धर्म पथ, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन सहित अन्य स्थानों पर सजावट के लिए किया जाएगा. सिंह ने कहा कि सैंकड़ों कर्मचारी सजावट के काम में जुटे हैं और लगभग 300 क्विंटल फूल कोलकाता, दिल्ली, गाजीपुर और अन्य स्थानों से लाए गए हैं. राम कथा पार्क के एक मंच पर श्रमिकों का एक समूह लकड़ी के तख्तों पर पुष्प से सजावट कर रहा है.

अयोध्या एयरपोर्ट

लता मंगेशकर चौक पर योगी ने ली सेल्फी

लता मंगेशकर चौक पहुंचकर योगी ने यहां की खूबसूरती को निहारा और यहां वीणा के साथ सेल्फी भी ली तथा आमजन का अभिवादन किया. लता मंगेशकर चौक को काफी शानदार ढंग से सजाया गया है। इसके बाद राम पथ को देखा. प्रधानमंत्री के आगमन से पहले योगी ने प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए. राम पथ पर मौजूद महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों से भी मुख्यमंत्री ने हालचाल जाना.

पीएम का शंख व डमरू वादन से होगा अभूतपूर्व स्वागत : योगी आदित्यनाथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को राम नगरी अयोध्या का दौरा करेंगे, जहां उत्तर प्रदेश और देश की विभिन्न संस्कृतियों संग उनका अभूतपूर्व स्वागत होगा. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हवाले से एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी. बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर संस्कृति विभाग भी इस तैयारी में जुटा है. प्रधानमंत्री के आगमन पर शंख और डमरू वादन भी होगा. हवाई अड्डे से धर्मपथ, राम पथ होते हुए रेलवे स्टेशन तक कुल 40 मंचों पर लगभग 1400 से अधिक लोक कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे. साथ ही हवाई अड्डे के सभा स्थल पर भी 30 लोक कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या का जायजा लिया, हनुमानगढ़ी व रामलला के दर्शन किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या दौरे के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां विकास कार्यों का जायजा लिया और हनुमानगढ़ी तथा रामलला के दर्शन-पूजन किए. शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार संकट मोचन हनुमान और रामलला के दर्शन कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की. इसके पहले रामकथा हेलीपैड पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया. बयान में कहा गया कि इस माह में मुख्यमंत्री का तीसरी बार अयोध्या आगमन हुआ है. इससे पहले मुख्यमंत्री ने दो दिसंबर और 21 दिसंबर को अयोध्या के मंदिरों में दर्शन-पूजन किया था.

दूसरे चरण में 50 हजार वर्ग मीटर में किया हवाई अड्डे का विस्तार: सिंधिया

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अयोध्या हवाई अड्डे के उद्घाटन के साथ देश के लिए ऐतिहासिक दिन होगा. सिंधिया के अनुसार, दूसरे चरण में हवाई अड्डा परियोजना का व्यापक विस्तार किया जाएगा और इसे 6,500 वर्ग मीटर क्षेत्र से बढ़ाकर 50,000 वर्ग मीटर का किया जाएगा. उन्होंने कहा कि हम रनवे की लंबाई बढ़ाकर 3,750 मीटर कर रहे हैं जो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पर्याप्त है. अयोध्या में अत्याधुनिक हवाई अड्डे का पहला चरण 1,450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है. हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6,500 वर्गमीटर होगा.

प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात

अयोध्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है और शहर में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है. अयोध्या के मंडल आयुक्त गौरव दयाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए तैयारियां पूरे जोरशोर से चल रही हैं और पिछले दो दिन से शहर में घने कोहरे के बावजूद सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं. मोदी शनिवार को अयोध्या का दौरा करेंगे और पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन और नये हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे. वह हवाई अड्डे के पास एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे.

वर्षांत : बॉलीवुड 2023

अतिरंजना को मिली सराहना

बॉक्स ऑफिस के नजरिए से देखें तो यह वर्ष अतिरंजित फिल्मों का रहा. जिन फिल्मों ने कुछ ज्यादा दिया, दर्शक उन्हें ही देखने सिनेमा घरों तक पहुंचे. हिंसा हो या सेक्स 'एनिमल' ने सबसे ज्यादा दिया तो सबसे बड़ी हिट भी साबित हुई.

विनोद अनुपम

'डंकी' को साल की आखिरी हिंदी फिल्म मानें तो आप यह कह सकते हैं, अंत भला तो सब भला. अपने भ्रामक कथानक के बावजूद 'डंकी' अपने दर्शकों को थोड़ा सुकून देती है. अपनी मातृभूमि से जुड़े रहने की बात शाहरुख खान ने 'स्वदेश' में भी की थी, यहां भी वे कहते दिखते हैं, "मेरा देश जैसा है, मेरा है. " यह फिल्म पासपोर्ट वीसा रहित एक आदर्श विश्व की वकालत ही नहीं करती, हिंदी सिनेमा के मूल स्वभाव, संवेदना के वापसी की उम्मीद भी देती है. एनिमल और सालार की विभत्स हिंसा के बीच 'डंकी' दर्शकों की सांस लेने का अवसर देती लगती है. डंकी के व्यवसाय की तुलना भले ही पठान और जवान से नहीं की जा सकती हो, लेकिन इसकी सफलता यह तय कर रही है कि स्टार सिस्टम एक बार फिर से फिनीक्स की तरह मजबूती से उठ खड़ा हुआ.

बॉलीवुड ने अपनाया साउथ का हिट फॉर्मूला : बॉक्स ऑफिस के नजरिए से देखें तो यह वर्ष अतिरंजित फिल्मों का रहा. जिन फिल्मों ने कुछ ज्यादा दिया, दर्शक उन्हें ही देखने सिनेमा घरों तक पहुंचे. हिंसा हो या सेक्स 'एनिमल' ने सबसे ज्यादा दिया तो सबसे बड़ी हिट भी साबित हुई. ओटीटी से मुकाबला करते सिनेमा के लिए यह समझना कोई गलत भी नहीं, वह भी तब जब अतिरंजना के कारण ही दक्षिण भारतीय फिल्में तेजी से अपने बाजार के विस्तार में सफल हो रही हो. ऐसी ही एक अति जोया अख्तर की 'द आर्चीज' में दिखी. कुछ वर्ष पहले हिन्दी सिनेमा में नेपोटिज्म की बात शुरू हुई थी. 'आर्चीज' लगता है उसके प्रतिउत्तर में बनाई गई. यहां निर्देशक से लेकर अधिकांश कलाकार इंडस्ट्री के सफल परिवारों से हैं. अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्या नंदा, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और श्री देवी-बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर अभिनीत यह फिल्म वास्तव में उन अंग्रेजीदां दर्शकों को कैशोर्य नास्टेलजिया में ले जाने के लिए बनायी गई है,

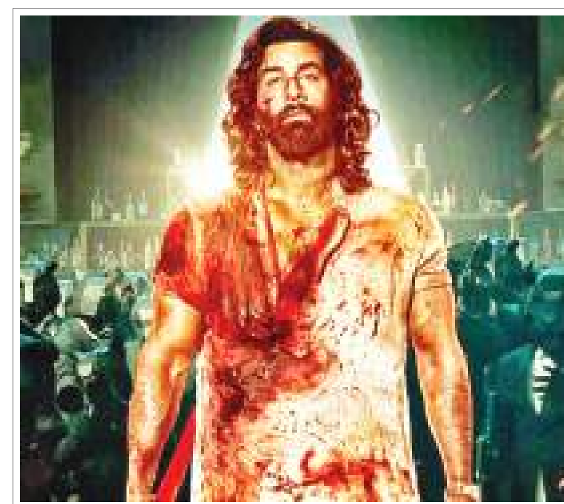

शाहरुख का जश्न

कई असफलताओं के बाद इस वर्ष शाहरुख खान की फिल्मों ने मनाया सफलता का जश्न

शाहरुख खान कई असफलताओं के बाद इस वर्ष 'पठान' और 'जवान' की सफलता का जश्न मना सके. सलमान खान की 'टाइगर 3' भी उम्मीद के अनुरुप रिटर्न देने में सफल रही. रणबीर कपूर की दोनों ही फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' और 'एनिमल' बड़ी हिट रही. हालांकि यही सफलता अक्षय कुमार, अजय देवगण, टाइगर श्राफ, कार्तिकोआर्यन नहीं दोहरा सके. पंकज त्रिपाठी अवश्य अपनी देशज छवि के साथ हिंदी सिनेमा में एक बड़ी पहचान कायम रखने में सफल रहे कि अब 'कड़क सिंह', 'ओएमजी2' जैसी कहानियां उनके लिए लिखी जाने लगीं.

इन फिल्मों की उपस्थिति दमदार

वर्ष में कुछ फिल्में ऐसी अवश्य आती हैं, जो सफलता असफलता से परे लंबे समय तक अपने होने का अहसास करती रहती हैं. इस वर्ष भी लंबे समय के बाद निर्देशक के दायित्व के साथ आए विधुविनोद चोपड़ा की विक्रांत मेसी अभिनीत '12वीं फेल' और आर बाल्की की अभिषेक बच्चन अभिनीत 'घूमर' एकदम अलहदा कथानक के साथ जीवन के लिए कुछ ऊर्जा और उत्साह लेकर आती है. इसी तरह मनोज वाजपेयी अभिनीत 'जोरम' हाशिए पर बसर कर रहे लोगों और उनकी पीड़ा की अनकही कहानी को पूरी ईमानदारी से अभिव्यक्त करने में सफल होती है. वास्तव में ऐसी ही फिल्में साल को सिनेमा की दृष्टि से स्मरणीय बनाती हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

प्लांट पैथोलॉजी खोलता है युवाओं के लिए कॅरियर का रास्ता

एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद

प्लांट पैथोलॉजी पादप विज्ञान की एक शाखा है जो पौधों को प्रभावित करने वाली बीमारियों पर केंद्रित है. ये बीमारियां वायरस, बैक्टीरिया, पर्यावरणीय परिस्थितियों या औद्योगिक गतिविधि से आ सकती हैं और पौधों और जानवरों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डाल सकती हैं. पादप रोगविज्ञानी वे वैज्ञानिक होते हैं जो पौधों की बीमारियों के इलाज और रोकथाम के तरीके विकसित करते हैं जिससे फसल की कम पैदावार और अन्य पर्यावरणीय परिणाम हो सकते हैं. वे रोगजनकों पर शोध कर सकते हैं, रोग-प्रतिरोधी भोजन या फाइबर फसलों के उपभेद बना सकते हैं, पौधों के जीवन पर औद्योगिक प्रक्रियाओं और कीटनाशकों के उपयोग के प्रभावों का अध्ययन कर सकते हैं या अन्य कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला कर सकते हैं. प्लांट पैथोलॉजी वह विज्ञान है, जो पौधों की बीमारियों के कारणों का अध्ययन करता है, उस मकैनिज्म की खोज करता हैं जिसके द्वारा व्यक्तिगत पौधों और पौधों की आबादी में रोग विकसित होने के कारण का पता चल सकता हैं. इसके साथ साथ उन तरीकों और साधनों का अध्ययन करते हैं, जिनके द्वारा पौधों की बीमारियों को रोका या नियंत्रित किया जा सके. बीएससी प्लांट पैथोलॉजी 3 साल की बैचलर्स डिग्री है. इस कोर्स में पौधों की जेनेटिक पोटेंशियल तक पहुंचने की ग्रोथ, उसके बीच आने वाली दिक्कतों और उसके पीछे आर्गेनिक और ऐबायोटिक कारकों की जांच करना सिखाया जाता है. इसके अलावा पौधों की रक्षा, फसल के नुकसान को कम करने और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए भी जागरुक किया जाता है, जिसमें भौतिक और आवश्यक केमिकलस का इस्तमाल कर के पौधों को रोग मुक्त किया जाता है.

बीएससी प्लांट पैथोलॉजी करने पहले ये जानें

- छात्रों को सभी पैथोजन समूहों के ज्ञान के बारे में पता होना आवश्यक है.
- छात्रों में समस्या सुलझाने की क्षमता होनी चाहिए.
- प्रयोगों की योजना बनाएं और उन्हें एग्जीक्युट करें.
- व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से जानकारी एकत्र करें और डेटा का विश्लेषण करें.
- प्लांट पैथोलॉजी से जुड़े शैक्षणिक और उद्योग में नैतिक मुद्दों का ज्ञान जरूरी है.
- कृषि में पौधों की भूमिका को समझें.
- प्रिंसिपल्स और प्रैक्टिसेस का बुनियादी ज्ञान प्राप्त करें.
- प्लांट पैथोलॉजी में हाईपोथीसिस तैयार करना और डेटा की व्याख्या करना.

भारत के शीर्ष कॉलेज

- एमिटी यूनिवर्सिटी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट
- तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी
- मेवाड़ यूनिवर्सिटी
- अंबिल धर्मलिंगम एग्रीकल्चरल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट
- पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी
- कलकत्ता यूनिवर्सिटी
- बिरसा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी
- मुंबई यूनिवर्सिटी
- जूनागढ़ एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

जॉब अलर्ट

1. आंध्रप्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सहायक पर्यावरण अभियंता के पदों पर भर्ती निकाली है.

- संगठन – आंध्रप्रदेश लोक सेवा आयोग
- पद नाम – सहायक पर्यावरण अभियंता
- पद नाम – 21
- सैलरी – 1,47,760
- योग्यता – डिग्री
- नौकरी का स्थान – आंध्रप्रदेश
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की तिथि – 30 जनवरी - 19 फरवरी 2024
- ऑफिसियल वेबसाइट – https://psc.ap.gov.in
- आयु सीमा – 01 जुलाई 2023 को उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष हो और अधिकत्म आयु 42 वर्ष हो.

2. ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएससी) ने रिक्तिया निकाली है . ओडिशा स्टॉफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार स्पेशलिस्ट (जूनियर केमिस्ट, सीनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट, सांख्यिकी सहायक, कंप्यूटर प्रोग्रामर, मार्किट इंटेलिजेंस इंस्पेक्टर) के 83 पद है.

- संगठन – ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग
- पद नाम – स्पेशलिस्ट
- पद संख्या – 83
- नौकरी का स्थान – ओडिशा
- आवेदन मोड – ऑनलाइन एप्लीकेशन
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की तिथि – 2 जनवरी - 2 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – https://www.ossc.gov.in/
- शैक्षणिक योग्यता – मान्यता प्राप्त संस्था से आट्र्स कॉमर्स साइंस फिजिक्स केमिस्ट्री गणित सांख्यिकी कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण होना चाहिए.
- आयु सीमा – 01 जनवरी 2023 को उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकत्म आयु 38 वर्ष होनी चाहिए.

3. प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, असम ने साइंस हिंदी विषय के लिए बड़ी संख्या में असिस्टेंट टीचर के पदों पर रिक्तियां निकाली है.

- संगठन – प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय
- पद नाम – असिस्टेंट टीचर
- पद संख्या – 5550
- वेतन – 70,000
- योग्यता – डिग्री/डिप्लोमा
- नौकरी का स्थान – असम
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की तिथि – 2 जनवरी - 2 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – dee.assam.gov.in
- **असिस्टेंट टीचर के रिक्त पदों का विवरण :–**
- असिस्टेंट टीचर एलपी स्कूल – 3800
- असिस्टेंट टीचर यूपी स्कूल – 1750
- वेतन/सैलरी – असिस्टेंट टीचर पद के लिए चयनित अभ्यर्थी को असम राज्य सरकार द्वारा 14,000–70,000 रूपये प्रतिमाह दिया जाएगा.
- आयु सीमा – 01 जनवरी 2023 को उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिए. एससी/एसटी पिछड़ा वर्ग के लिए अधिकतम आयु 45 वर्ष निर्धारित हैं .

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)